दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी | प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी | वर्ष : 26 | अंक : 38 रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 आर्थिक रूप से कमजोर .. | मेरे पिता असली नाग थे... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

सिक्किम से अध्ययन भ्रमण पर आए पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात

धन-धान्य से पुष्पित-पल्लवित धरा को सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही हमारी सरकार : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर प्रदेश है और धन–धान्य से पुष्पित–पल्लवित इस धरा को हमारी सरकार सुंदर, समृद्ध, सुरक्षित और विकसित बनाने के लिए संकल्पित होकर काम कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गुरुवार को अपने निवास कार्यालय में सिक्किम राज्य से अध्ययन भ्रमण पर पहुंचे पत्रकारों के दल से मुलाकात कर आत्मीय संवाद किया और उनसे छत्तीसगढ़ को लेकर ढेर सारी बातें साझा की। उन्होंने सभी अतिथियों को राजकीय गमछा भेंट कर छत्तीसगढ़ में स्वागत और अभिवादन किया। मुख्यमंत्री की सहृदयता और आतिथ्य पाकर सभी पत्रकार अभिभूत हुए और उन्हें सिक्किम आने का निमंत्रण भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ 44 प्रतिशत वन क्षेत्र से आच्छादित है तथा यहां 31 प्रतिशत आदिवासी समुदाय निवासरत है। वनोपज संग्रहण और मूल्य संवर्धन के माध्यम से जनजातीय समुदाय आर्थिक रूप से सशक्त हो रहे हैं। जशपुर जिले में स्व–सहायता समूह की महिलाएं 'जशप्योर' ब्रांड के अंतर्गत उत्पाद तैयार कर आय अर्जित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण के लिए सरकार द्वारा 5,500 रुपये प्रति मानक बोरा की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा चरण पादुका योजना के तहत निःशुल्क चप्पल प्रदान की जा रही है।

नक्सलवाद के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के सफल नेतृत्व और दृढ़ इच्छाशक्ति के चलते प्रदेश में नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है। राज्य सरकार की आकर्षक पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को 50 हजार रुपये की सहायता तथा तीन वर्षों

तक प्रति माह 10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। अब तक 2,500 से अधिक नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें रोजगार से जोड़ने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। श्री साय ने बताया कि जगदलपुर में आत्मसमर्पित नक्सलियों द्वारा 'बस्तर पंडुम' कैफे का सफल संचालन इसका सशक्त उदाहरण है।

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि 'नियद नेल्ला नार' योजना के अंतर्गत 17 शासकीय योजनाओं को दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाया गया है, जिससे सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं की पहुंच सुदृढ़ हुई है। उन्होंने कहा कि नक्सल प्रभावित क्षेत्र अब विकास की मुख्यधारा से तेजी से जुड़ रहे हैं। पर्यटन की संभावनाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है। चित्रकोट जलप्रपात, कुटुम्बसर गुफाएं, अबूझमाड़ के वन और धुड़मारास जैसे स्थल प्रदेश की पहचान हैं। ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होम स्टे को उद्योग का दर्जा दिया गया है, जिसके तहत ग्रामीणों को पांच कमरों तक निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य एवं औद्योगिक विकास के संदर्भ में जानकारी देते हुए बताया कि नवा रायपुर में 100 एकड़ क्षेत्र में मेडिसिटी का निर्माण किया जा रहा है, जहां निम्न आय वर्ग के लिए सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने प्रदेश की आकर्षक नवीन औद्योगिक नीति का ज़िक्र करते हुए कहा कि इसके तहत राज्य को लगभग 8 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। साथ ही चित्रोत्पला फिल्म सिटी की स्थापना से प्रदेश में फिल्म उद्योग को बढ़ावा मिलेगा।

सिक्किम के पत्रकारों को भाया छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री से भ्रमण उपरांत मिलने पहुंचे पत्रकारों ने कहा कि छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक विविधता और लोगों का आत्मीय व्यवहार अत्यंत प्रभावित करने वाला है। उन्होंने भ्रमण के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करते हुए स्थानीय खान–पान और सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। सिक्किम से आए

छत्तीसगढ़ ने भारतीय होने का गर्व कराया : अर्चना प्रधान

सिक्किम की पत्रकार सुश्री अर्चना प्रधान ने कहा कि छत्तीसगढ़ में 'मेक इन इंडिया' का प्रभावी स्वरूप देखने को मिला। भिलाई स्टील प्लांट में रेल पटरियों सहित विभिन्न इस्पात उत्पादों का निर्माण प्रदेश के औद्योगिक सामर्थ्य को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के औद्योगिक इकाइयों को हमें करीब से देखने का मौका मिला और हम जान पाए है कि इस प्रदेश का देश के विकास में कितना महत्वपूर्ण योगदान है।

पत्रकारों ने अपने पांच दिवसीय भ्रमण के दौरान भिलाई स्टील प्लांट, गेवरा ओपन माइंस, नवा रायपुर तथा जनजातीय संग्रहालय का अवलोकन किया। पत्रकारों ने बताया कि छत्तीसगढ़ भ्रमण की सुंदर स्मृतियों को अपने साथ लेकर जा रहे हैं, जो उन्हें आजीवन याद रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना, किसानों के हित में की गई घोषणाओं, स्वच्छ वातावरण तथा पुनर्वास नीति की सराहना की।

पासपोर्ट आवेदकों को राहत

रोज मिलेंगे 60 स्लॉट

नव पदस्थ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी ने व्यवस्था में किए अहम बदलाव

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

पासपोर्ट बनवाने के लिए लंबी प्रतीक्षा और सीमित अपॉइंटमेंट की समस्या से जूझ रहे नागरिकों के लिए राहत भरी खबर है। रायपुर पासपोर्ट कार्यालय में नव पदस्थ क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी बीएस राना ने कार्यभार संभालते ही व्यवस्था में अहम बदलाव किए हैं। पहले जहां प्रतिदिन मात्र 30 ऑनलाइन अपॉइंटमेंट दिए जाते थे, वहीं अब इसकी संख्या बढ़ाकर 60 कर दी गई है। कार्यभार ग्रहण करने के बाद मीडिया से चर्चा में बीएस राना ने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता आम नागरिकों को त्वरित और पारदर्शी सेवा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि हर कार्यदिवस में 60 आवेदकों को मिलने का अवसर दिया जाएगा, ताकि लंबित मामलों का तेजी से निराकरण हो सके। इससे पासपोर्ट संबंधित शिकायतों और दस्तावेजी त्रुटियों के समाधान में भी तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने सबसे

महत्वपूर्ण घोषणा यह किया है कि यदि कोई नागरिक आनलाइन अपॉइंटमेंट लेने में असमर्थ रहा है और सीधे कार्यालय पहुंचता है, तो उसे भी मिलने का अवसर दिया जाएगा। श्री राना ने कहा कि हम कोशिश करेंगे कि किसी भी जरूरतमंद को लौटना न पड़े। जनसुविधा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बीएस राना ने नागरिकों से अपील की कि पासपोर्ट से जुड़े किसी भी कार्य के लिए सीधे कार्यालय से संपर्क करें। किसी भी प्रकार के बिचौलियों या एजेंटों की आवश्यकता नहीं है। पासपोर्ट कार्यालय की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है। श्री राना इससे पहले कोलकाता में पदस्थ रहे। वहां भी उन्होंने कार्यप्रणाली में सुधार के लिए कई पहल की थी।

राफेल के साथ पाकिस्तानी आतंकी अड्डे तबाह करने वाली स्कैल्प क्रूज मिसाइलें भी खरीदी जाएंगी

फ्रांस से राफेल फाइटर जेट के साथ मीटियोर और हैमर मिसाइलों का भी होगा सौदा

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार से गुरुवार को मंजूरी मिलने के बाद भारत और फ्रांस के बीच स्कैल्प क्रूज मिसाइलें खरीदने के लिए सौदा होगा। इन मिसाइलों का इस्तेमाल भारतीय वायु सेना ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के अंदर जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादी हेडक्वार्टर को तबाह करने के लिए किया था। केंद्र से आज लगभग 3.25 लाख करोड़ रुपये के सौदे को मंजूरी मिली है, जिसमें राफेल जेट के साथ तीन तरह की मिसाइलें भी हैं।

राफेल विमान हवा में 500 किलोमीटर की दूरी तक हमला कर सकता है, इसीलिए इसे युद्ध के आसमान में 'गेम चेंजर' का खिताब दिया जाता है। राफेल में तीन तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जिसमें मीटियोर, स्कैल्प और हैमर मिसाइल हैं। इन तीनों मिसाइलों के साथ लैस होने की

वजह से ही राफेल ने चीन और पाकिस्तान की नींद उड़ा रखी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्कैल्प मिसाइलों को वायु सेना के राफेल फाइटर जेट्स ने पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर में आतंकवादी मुख्यालय को तबाह करने के लिए लॉन्च किया था।

भारतीय वायु सेना ने 6–7 मई की रात को पाकिस्तान में आतंकवादी मुख्यालयों को सफलतापूर्वक नष्ट करने के बाद पाकिस्तानी वायु सेना के ठिकानों पर हमला करने के लिए उनका फिर से बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसमें भी स्कैल्प की सटीकता रही। वायु सेना ने पाकिस्तानी वायु सेना के 12 प्रमुख हवाई ठिकानों पर हमला किया और बड़ी संख्या में उच्च मूल्य वाले लक्ष्यों को नष्ट कर दिया, जिनमें लड़ाकू जेट और जमीन पर जासूसी विमान शामिल थे। भारतीय वायु सेना अपने राफेल जेट के बेड़े के लिए बड़ी संख्या में मीटियोर एयर टू एयर मिसाइल का ऑर्डर देने की प्रक्रिया में है।

भारतीय वायु सेना के पास अभी 36 राफेल हैं। अब 114 विमानों का सौदा होने के बाद भारत के पास कुल राफेल ऑर्डर 186 जेट्स हो जाएंगे, क्योंकि भारतीय नौसेना के लिए 26 राफेल–एम का 63 हजार करोड़ का पहले ही ऑर्डर दिया जा चुका है।

राफेल विमानों में तीन तरह की मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिसमें एयर–एयर मेटियोर बीवीआर मिसाइलें, माइका मिसाइलें, स्कैल्प क्रूज मिसाइलें और हैमर हैं। इन मिसाइलों को भारतीय नौसेना के लिए ऑर्डर किए गए 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमानों में भी एकीकृत किया जाएगा,

हिमाचल की बर्फीली वादियों में राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रमोशन, छग के खेमराज साहू ने लहराया तिरंगा

राजिम (प्रतिदिन राजधानी)

पर्वतारोहण और ट्रैकिंग के क्षेत्र में सक्रिय छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिला के ग्राम पोंड़ के युवा खेमराज साहू ने हिमाचल प्रदेश की बर्फीली वादियों में राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का प्रचार–प्रसार कर जिले और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कुल्लू जिले की सोलंग वैली से पतालसू पीक ट्रैक के दौरान लगभग 9000 फीट की ऊंचाई पर माइनस 6 डिग्री तापमान में तिरंगा एवं छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का संदेश दिया।

उल्लेखनीय है कि पर्वतारोहण ट्रैकिंग के क्षेत्र में कार्यरत पोंड़ के युवा खेमराज साहू हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में स्थित सोलंग वैली गांव से पतालसू पीक ट्रैक करने के लिए निकले थे जिसकी ऊंचाई लगभग 13900 फीट है परंतु 03 फरवरी 2026 को अत्यधिक बर्फबारी होने से पतालसू पीक तक पहुंच पाना मुश्किल था और कुल्लू जिला प्रशासन व हिमाचल प्रशासन द्वारा मौसम को देखते हुए ऊंचाई पर ट्रैक में जाने के

लिए प्रतिबंध लगा दिया गया था, चूंकि जिस रास्ते से ट्रैक करके पहाड़ी चढ़ना था, वहां पर लगभग 8से 10 फीट तक बर्फ जमा हुआ था।

खेमराज व उनके साथियों ने एडवेंचर वैली के प्रशिक्षु माउंटेनियर के मार्गदर्शन में यह ट्रैक करने की कोशिश की, जिसमें सोलंग वैली गांव से होकर शगाडुग के जंगलों में ट्रैक करते हुए सीने तक की जमी बर्फ को हटाकर, धसते पैर से रास्ता बनाकर ट्रैक किया। मौसम के अनुकूलता को देखते हुए लगभग 9000 फीट की ऊंचाई – 6 डिग्री पर खेमराज ने राजिम कुंभ कल्प मेला 2026 का तस्वीर के साथ प्रमोशन करते हुए, छत्तीसगढ़ महतारी की छायाप्रति व तिरंगा लहराते हुए यह सफल आरोहण किया।

इसके पहले भी खेमराज साहू 2023 में केदारकंठा चोटी (12500 फीट) उत्तराखंड में गरियाबंद जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए छत्तीसगढ़ महतारी की तस्वीर के साथ गरियाबंद जिले के विभिन्न दर्शनीय स्थल को प्रमोट कर चुके हैं, जिसके लिए खेमराज साहू का नाम वर्ल्ड वाइड बुक आफ रिकॉर्ड में दर्ज है, इसके साथ ही रायपुर से गरियाबंद तक एक दिवसीय सायकल यात्रा करते हुए वर्ष 2023 में मेले को भी प्रमोट कर चुके हैं। यह आरोहण में खेमराज के साथ छत्तीसगढ़ से ट्रैकर नितेश अग्रवाल, राजनांदगांव व ओड़िशा के एक्सपीडिशन एडवेंचर ट्रैकर प्रवासिनी व उनके अन्य साथी शामिल रहे।

मीडिया पर राहुल गांधी के बयान को लेकर रिजिजू का पलटवार- पत्रकारों को रोकना गलत

एजेंसी, नई दिल्ली

पत्रकारों पर पक्षपात के कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोप पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पलटवार किया है। रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना–टोकना गलत है और यह लोकतांत्रिक परंपरा के खिलाफ है।

राहुल गांधी ने संसद भवन परिसर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि व्हाप जिम्मेदार लोग हैं, मीडिया के लोग हैं। आपकी जिम्मेदारी है कि आप निष्पक्ष रहें। आप हर दिन भाजपा से मिले शब्दों को लेकर पूरा शो नहीं चला सकते। आप देश के साथ अन्याय कर रहे हैं।'

राहुल के इस बयान पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि पत्रकारों को इस तरह रोकना–टोकना गलत है। अगर मीडिया के सवाल पूछने पर रोक लग जाएगी तो सवाल कौन करेगा?

उन्होंने कहा कि व्हमारी पार्टी ने कभी मीडिया कर्मियों को सवाल करने से नहीं रोका। मैं इतने सालों से राजनीति में हूं, विपक्ष में रहते हुए भी कभी कांग्रेस का नाम लेकर पत्रकारों को नहीं डांटा। गाली–गलौज तो दूर, हमने मीडिया पर तंज भी नहीं कसा। हमने हमेशा मीडिया को स्वतंत्रता दी है। राहुल गांधी शायद मीडिया को जवाब नहीं देना चाहते थे इसलिए तिलमिलाकर ऐसा कहा होगा। लेकिन यह ठीक नहीं है।'

छत्तीसगढ़ के वन एवं वृक्ष आवरण में लगभग 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि : वन मंत्री केदार कश्यप

राजिम (प्रतिदिन राजधानी)

वन, सहकारिता एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने आज छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य में वन संरक्षण, हरित आवरण विस्तार, वन्यजीव संवर्धन, इको–टूरिज्म विकास तथा वनवासियों की आजीविका सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की गई हैं। मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि छत्तीसगढ़ के वन एवं वृक्ष आवरण में लगभग 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है।

उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि राज्य सरकार वन संरक्षण के साथ–साथ सतत विकास, जैव विविधता संरक्षण और वनवासियों की आजीविका सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने बताया कि भारतीय वन सर्वेक्षण

संस्थान द्वारा दिसंबर 2024 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ के वन एवं वृक्ष आवरण में लगभग 683 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 44 प्रतिशत भाग वन क्षेत्र है। अत्यंत सघन वनों में 348 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज होना वनों की गुणवत्ता और पारिस्थितिक संतुलन में सुधार का प्रमाण है।

श्री कश्यप ने बताया कि राज्य में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत वर्ष 2024 में 4 करोड़ 20 लाख से अधिक तथा वर्ष 2025 में 2 करोड़ 79 लाख से अधिक पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया है।

विभागीय योजनाओं क्र चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित किसान वृक्ष मित्र योजना के अंतर्गत निजी भूमि पर वाणिज्यिक वृक्षारोपण को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। पात्र हितग्राहियों को पांच एकड़ तक 100 प्रतिशत तथा उससे अधिक क्षेत्र में 50 प्रतिशत वित्तीय अनुदान दिया जाता है। विगत दो वर्षों में 36 हजार 896 हितग्राहियों की 62 हजार 441 एकड़ भूमि में 3 करोड़ 67 लाख से अधिक पौधे लगाए गए।

मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि आदिवासी देव स्थलों के संरक्षण के लिए मोदी की गारंटी के तहत पिछले दो वर्षों में 435 देवगुड़ियों का निर्माण किया गया, जिस पर लगभग 16.17 करोड़ रुपये व्यय किए गए। वन विभाग में पिछले दो वर्षों में तृतीय श्रेणी के 313 पदों पर भर्ती की गई है।

श्री कश्यप ने बताया कि राज्य में बाघ संरक्षण के लिए गुरू घासी दास– तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व का गठन किया गया है। वर्ष 2022 में प्रदेश में 17 बाघ थे, जो अब बढ़कर 35 हो गए हैं। पत्रकारों को जानकारी देते हुए वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि राजकीय पशु वनभैंसा के संरक्षण के लिए विशेष योजना तैयार की जा रही है। इन्द्रावती टाइगर रिजर्व में 14 से 17 वनभैंसे देखे गए हैं।

छग की 4 सेंट्रल जेलों को मिला आईएसओ गुणवत्ता प्रमाणन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ की जेल व्यवस्थाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई है। उप मुख्यमंत्री एवं जेल विभाग के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा के निर्देशन में राज्य की जेलों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे है। इन्हीं प्रयासों का ही यह परिणाम है कि छत्तीसगढ़ की सेंट्रल जेल रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर एवं अम्बिकापुर को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानक आईएसओ 9001:2015 का प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा जेलों में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली स्थापित करने के उद्देश्य से आईएसओ सर्टिफिक्रेशन कराने की पहल की थी। यह प्रक्रिया पूर्ण कर राज्य की चार प्रमुख केंद्रीय जेलों को प्रमाणन प्राप्त हो गया है। इस प्रमाणन से जेल प्रशासन में कार्य प्रक्रियाओं में एकरूपता एवं पारदर्शिता, बंदी कल्याण और मानवाधिकार संरक्षण को बढ़ावा, जोखिम प्रबंधन और जवाबदेही में सुधार, जनविश्वास एवं संस्थागत विश्वास में वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं को मजबूती मिलेगी। यह पहल राज्य की सुधारात्मक न्याय प्रणाली को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्य सरकार का उद्देश्य जेलों को केवल निरुद्ध स्थान के रूप में नहीं, बल्कि सुधार एवं पुनर्वास केंद्र के रूप में विकसित करना है।

एमएमआई हॉस्पिटल 'बढ़ते कदम' द्वारा पोस्टर विमोचन

22 फरवरी को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया एवं एमएमआई हॉस्पिटल के सहयोग से 'बढ़ते कदम' संस्था द्वारा 22 फरवरी को आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर के पोस्टर का आज विधिवत विमोचन किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में 'बढ़ते कदम' के वर्तमान अध्यक्ष श्री सुरेश रोचलानी, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती इंदु डोडवानी, श्री सुनील चटानी, श्री राजू मंगतानी, श्री बसंत रोहड़ा, श्री गुरुबशडी, श्री विजय धनेश मटलानी, श्री रितेश वाधवा, श्री किशोर पंजवानी सहित अन्य पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

इस अवसर पर श्री ललित जैसिंग, श्री धनेश मटलानी एवं श्री रितेश वाधवा ने समाज के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे 22 फरवरी को आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि शिविर का उद्देश्य समाज के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा समय पर स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक करना है।

आयोजकों ने बताया कि शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा जांच एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध रहेगी। संस्था द्वारा समाजहित में इस प्रकार के आयोजन आगे भी किए जाते रहेंगे।

नगर निगम जल बोर्ड के अधिकारी रोजाना फिल्ड में घुमकर जल समस्या का निराकरण करें : राठौर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज नगर पालिक निगम रायपुर मुख्यालय महात्मा गांधी सदन में सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम जलकार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष सीमा साहू की विशेष उपस्थिति में नगर निगम रायपुर में नवगठित जलबोर्ड में सम्मिलित अधिकारियों नगर निगम अधीक्षण अभियंता श्री राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंग फरेन्द्र, कार्यपालन अभियंता श्री अंशुल शर्मा जुनियर, सहायक अभियंता श्री अनुराग पाटकर, उपअभियंता सर्वश्री रमेश पटेल, योगेन्द्र साहू, शुभम तिवारी की उपस्थिति में नगर निगम जल बोर्ड के कार्य दायित्वो एवं गतिविधियों को लेकर आवश्यक बैठक कार्यालय कक्ष में ली एवं गर्मी की पूर्व तैयारियों की समीक्षा कर जलबोर्ड के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। सभापति ने जल बोर्ड अधिकारियों को रायपुर नगर निगम क्षेत्र की सभी लगभग 46 पानी टंकियो और जलागारो में प्रतिदिन सुबह शाम जल का पूर्ण भराव नियमित सतत मॉनिटरिंग कर सुनिश्चित करने निर्देशित किया है ताकि नगर वासियों को गर्मी में पर्याप्त प्रेशर से पेयजल आपूर्ति सतत की जा सके।

सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने जलबोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन नियमित रूप से शहर के विभिन्न जोनो के विभिन्न वार्डो में सुबह 6 बजे से और शाम 6 बजे से 1 घंटे फील्ड में रहकर पाईप लाईनो का सर्वे कर जल समस्या निरीक्षण कर उसका त्वरित निदान स्थल पर करवाने कार्यवाही करें। ताकि पेयजल वितरण व्यवस्था सुव्यवस्थित रूप से गर्मी में निरंतर जारी रहें और सभी लगभग 46 जलागारो और टंकियो से शहर के नागरिको को टेल एण्ड तक पर्याप्त प्रेशर से पानी मिल सके। सभापति ने नगर निगम जलबोर्ड के सभी अधिकारियों को तत्काल गर्मी में सुगम पेयजल आपूर्ति की तैयारी व्यापक स्तर पर करने फील्ड पर जाकर पसीना बहाने और मेहनत की पराकाष्ठा करने का सुझाव दिया है।

सभापति ने अभियान चलाकर नगर निगम क्षेत्र के सभी जोनो और वार्डो में अवैध नल कनेक्शनो को विच्छेद कर उनका नियमितिकरण करवाकर उन्हें करारोपण में शामिल करने की कार्यवाही निगम हित में प्राथमिकता से करने जलबोर्ड के अधिकारियों को निर्देशित किया है। सभापति ने जोनो की टीम के साथ फील्ड में पाईप लाईन सर्वे कर नालियों से गुजर रही पाईप लाईनो को तत्काल अभियान चलाकर शिफ्ट करने का कार्य योजनाबद्ध तरीके से करने के निर्देश जल बोर्ड के अधिकारियों को दिये है।

सभापति श्री सूर्यकांत राठौड़ ने नगर निगम जलबोर्ड के अधिकारियों को शहर हित में सुझाव दिया कि वे प्रशासनिक व्यवस्था अंतर्गत नगर निगम रायपुर में आपस में बैठक कर विभिन्न जोनो के क्षेत्र में कार्य करने कार्य विभाजन सहमति बनाकर करें एवं इस संबंध में शीघ्र निर्देश जारी करवाकर प्रतिदिन सुबह व शाम पेयजल आपूर्ति के समय फील्ड में रहे एवं नागरिको को पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति टेल एण्ड तक करवाना जोनो की टीम के साथ मिलकर सुनिश्चित करें। जल विभाग एवं जोनो के टैंकरो और हाईड्रोलिक वाहनो की प्राथमिकता से आवश्यकतानुरूप मरम्मत और सुधार का कार्य करवाया जाये ताकि लगभग डेढ माह बाद गर्मी प्रारंभ होने पर टैंकरो से पेयजल आपूर्ति की जा सके।

पेगडापल्ली कैम्प में जी/170 बटा. केरिपुबल ने किया नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षा के साथ–साथ ग्रामीणों से भरोसे का रिश्ता मजबूत करने के उद्देश्य से 170 बटा0, केरिपुबल द्वारा जनसेवा अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 12/02/2026 को तरेम थाना क्षेत्र के पेगडापल्ली कैम्प में जी/170 बटा0 केरिपुबल ने नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जहां आस–पास के ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच कर उन्हें आवश्यक दवाईयां वितरित की गई। यह शिविर 170 वाहिनीं केरिपुबल के कमाण्डेंट श्री सरकार राजा रमन एवं द्वितीय कमान अधिकारी श्री विनोद रावत के निर्देशन व मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। शिविर का संचालन 170 बटालियन के डॉ0 सी0एस0नायर कन्नन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, संतोष सी0, सहा0 कमाण्डेंट के नेतृत्व में किया गया। चिकित्सा शिविर में पेगडापल्ली, तरेम सहित आसपास के गांव से ग्रामीण पहुंचे। सर्दी व बदलते मौसम को देखते हुये बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य जांच की गई तथा उन्हें मौसमी बीमारियों से बचाव के लिये आवश्यक दवाईयां नि:शुल्क दी गई।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्या0/170 तथा अस्पताल स्टॉफ के कार्मिकों ने अपना बहुमुल्य योगदान दिया। सीआरपीएफ अधिकारियों ने नक्सलियों के बहकावे में न आने और शासन की योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सुरक्षा कैम्प, स्वास्थ्य सुविधाएं, सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये सीआरपीएफ स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार के साथ मिलकर लगातार प्रयास कर रही है। कार्यक्रम के दौरान जलपान की व्यवस्था भी की गई, जिसमें गांव के गणमान्य नागरिक, महिलाएं और बच्चे शामिल हुये।

अन्त में डॉ0 सी0एस0नायर कन्नन, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी व संतोष सीठे, सहा0 कमाण्डेंट, 170 बटालियन, केरिपुबल द्वारा जन सेवा अभियान (चिकित्सा शिविर) कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी ग्रामीणों का अभिवादन किया तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दी।

ग्रामीणों द्वारा बताया की केरिपुबल का इस क्षेत्र में कैम्प लगाने से हमारे क्षेत्र का विकास हो रहा है। सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी योजनाओं का लाभ हमे प्राप्त हो रहा है और हम अपने आप को सुरक्षित महसुस कर रहे है। केरिपुबल हमारे गाँव तथा आसपास के इलाकों में स्थित गाँवों को विकसित बनाने के लिए मुख्य भुमिका निभा रही है।

शैलेष अग्रवाल एवं अजय देवांगन छत्तीसगढ़ चेम्बर के 'मंत्री' मनोनीत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने चेम्बर के कार्य में सहयोग करने एवं गतिशील बनाने के लिये चेम्बर में पदाधिकारियों का विस्तार करते हुए श्री शैलेष अग्रवाल (रसोई पात्र भंडार, रायपुर) एवं श्री अजय देवांगन (अजय मेटल स्टोर्स, रायपुर) को मंत्री पद पर मनोनीत किया है।

प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने उपरोक्त मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई देते हुए यह उम्मीद की है कि सभी पदाधिकारी प्रदेश के व्यापार एवं उद्योग के हित में कार्य करते हुए छत्तीसगढ़ चेम्बर को एक नयी ऊचांईयों पर लेकर जायेंगे।

आयुष्मान योजना में डेंटल इंप्लांट बाहर, जिला अस्पताल में गरीबों के लिए सुविधा ठप

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी। जिला अस्पताल में गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए दांत प्रत्यारोपण (डेंटल इंप्लांट) की सुविधा पूरी तरह बंद हो गई है। पहले स्मार्ट कार्ड योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को नए दांत लगवाने की सुविधा उपलब्ध थी, लेकिन आयुष्मान कार्ड लागू होने के बाद यह सेवा सूची से बाहर कर दी गई। इसका सीधा असर गरीब मरीजों पर पड़ा है, जिन्हें अब मजबूरन निजी अस्पतालों का रुख करना पड़ रहा है। निजी क्लीनिकों में एक दांत लगवाने पर पांच से छह हजार रुपये तक खर्च आ रहा है।

जिला अस्पताल में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अंचल से मरीज दांत संबंधी समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं। दुर्घटना, बीमारी या अन्य कारणों से दांत खो चुके कई मरीज कृत्रिम दांत लगवाने की जरूरत बताते हैं। पहले स्मार्ट कार्ड के माध्यम से उनका उपचार संभव हो जाता था, लेकिन अब सुविधा बंद होने से उन्हें निराश होकर लौटना पड़ रहा है। जिला अस्पताल की दंत चिकित्सक डॉ. पूजा चंद्राकर ने बताया कि गरीब मरीजों की परेशानी को देखते हुए दांत प्रत्यारोपण सेवा पुनः शुरू करने की मांग की गई है। तीन बार प्रस्ताव भेजा गया, हर बार शासन स्तर से टेंडर जारी करने की प्रक्रिया का आश्वासन मिला, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हो सका है।

विद्यार्थियों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट हेतु शिविर 10 मार्च तक

महासमुन्द, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में 5 से 7 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग के छूटे हुए विद्यार्थियों के आधार बायोमेट्रिक अपडेट हेतु विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर आज गुरुवार को जिले के 32 शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में आयोजित किए गए हैं। यह शिविर 10 मार्च तक आयोजित किए जाएंगे। शिविर संचालन के लिए विकासखंड स्तर पर बीआरसी तथा संकुल स्तर पर संकुल समन्वयकों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

इन शिविरों में आधार ऑपरेटरों के माध्यम से विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक अपडेट किया जाएगा। इस संबंध में जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा महासमुंद द्वारा संकुल समन्वयकों एवं आधार ऑपरेटरों को आपसी समन्वय से कार्य करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु सभी विद्यालयों को व्यापक प्रचार–प्रसार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि अधिक से अधिक छूटे हुए विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

इसी क्रम में आगामी सप्ताह में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के नवीन आधार पंजीयन हेतु आंगनबाड़ी केंद्रों में विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र....अ / 6 वर्ष 2025–26
आरंग, दिनांक 04.02.2026
ग्राम छतौना प.ह.नं. 22

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक युलास साहू पिता प्रेमलाल साहू वगैरह निवासी ग्राम जरौद, तहसील आरंग, जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम छतौना प.ह.नं. 22 रा.नि.मं. आरंग स्थित भूमि खसरा नं. 468/1, 770, 773/4, 927/5, 1215/1, 1215/5, 1348/2 रकबा 0.040, 0.380, 0.240, 0.150, 0.600, 0.100, 0.250हे. भूमि कुल खसरा नं. 07 कुल रकबा 1.760 हे. भूमि खातेदार (वसीयतकर्ता) प्रेमलाल साहू पिता लगुन साहू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (वसीयतकर्ता) प्रेमलाल साहू पिता लगुन साहू का निधन दिनांक 25/12/2025 को हो चुकी है। भूमि स्वामी के द्वारा अपने जीवन काल में आवेदकगण के पक्ष में ई. पंजीकृत बैनामा दिनांक **10/12/2024 Book No- 3 Volume No. 31 Pages 312 To 325 With Document No. CG-2024-25-104-3-30** देकर पंजीकृत वसीयत नामा निष्पादित किया गया है। पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदकगण अपना नाम आवेदित भूमि पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर प्रकरण भूईया मद मे दर्ज कर प्रकरण इस न्यायालय मे प्रारंभ किया गया।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा / आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 20.02.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर आरंग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला- रायपुर (छ.ग.)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र....अ / 6 वर्ष 2025–26
आरंग, दिनांक 04.02.2026
ग्राम जरौद प.ह.नं. 27

एतद द्वारा सर्वसाधारण एवं ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि आवेदक युलास साहू पिता प्रेमलाल साहू वगैरह निवासी ग्राम जरौद, तहसील आरंग, जिला रायपुर छ.ग. द्वारा ग्राम जरौद प.ह.नं. 27 रा.नि.मं. आरंग स्थित भूमि खसरा नं. 468/1, 770, 773/4, 927/5, 1215/1, 1215/5, 1348/2 रकबा 0.040, 0.380, 0.240, 0.150, 0.600, 0.100, 0.250हे. भूमि कुल खसरा नं. 07 कुल रकबा 1.760 हे. भूमि खातेदार (वसीयतकर्ता) प्रेमलाल साहू पिता लगुन साहू के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। खातेदार (वसीयतकर्ता) प्रेमलाल साहू पिता लगुन साहू का निधन दिनांक 25/12/2025 को हो चुकी है। भूमि स्वामी के द्वारा अपने जीवन काल में आवेदकगण के पक्ष में ई. पंजीकृत बैनामा दिनांक **10/12/2024 Book No- 3 Volume No. 31 Pages 312 To 325 With Document No. CG-2024-25-104-3-30** देकर पंजीकृत वसीयत नामा निष्पादित किया गया है। पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर आवेदकगण अपना नाम आवेदित भूमि पर दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर प्रकरण भूईया मद मे दर्ज कर प्रकरण इस न्यायालय मे प्रारंभ किया गया।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को दावा / आपत्ति हो तो स्वयं उपस्थित होकर या अपने अभिभाषक के माध्यम से न्यायालयीन समय में उपस्थित होकर इस न्यायालय में दिनांक 20.02.2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। नियत अवधि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 04.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
मुहर आरंग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार रायपुर, जिला रायपुर (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्रमांक/ /अ–6/2025–2026
रायपुर, दिनांक 12/02/2026
ग्राम–डंगनिया, प.ह.नं.– 58,
तहसील व जिला रायपुर

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदकगण 01. श्रीमती मनजीत कौर बुधराजा पति स्व. हरमहेन्द्र सिंह बुधराजा 02. श्रीमती दविन्दर कौर पति श्री संतोष आहूजा 03. श्रीमती कुलवंत कौर पति श्री दर्शन सिंह 04. गुरप्रीत कौर पन्नू पति जसबीर सिंह पन्नू 05. श्रीमती अमरजीत कौर सलूजा पति श्री अजिन्दर सिंह 06. मनप्रीत सिंह बुधराजा सभी पिता स्व. हरमहेन्द्र सिंह बुधराजा सभी निवासी– 14/441, केलकर पारा, इंदिरा गाँधी वार्ड, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर, (छ.ग.) द्वारा इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत कर आवेदन पत्र में आवेदकगण के पति, पिता, सरदार हरमहेन्द्र सिंग बुधराजा के स्वामित्व एवं आधिपत्य में ग्राम डंगनिया प.ह.नं. 58, रा.नि.मं. रायपुर तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 73/9, रकबा 0.053 हे, भूमि धारित की जाती है। आवेदकगण के पति, पिता, सरदार हरमहेन्द्र सिंग बुधराजा की मृत्यु दिनांक 26.01.2025, हो चुका है मृतक भूमिस्वामी की मृत्यु प्रमाण पत्र की छायाप्रति संलग्न है जिनके विधिक वारिसान में आवेदकगण 01. श्रीमती मनजीत कौर बुधराजा पति स्व. हरमहेन्द्र सिंह बुधराजा 02. श्रीमती दविन्दर कौर पति श्री संतोष आहूजा 03. श्रीमती कुलवंत कौर पति श्री दर्शन सिंह 04. गुरप्रीत कौर पन्नू पति जसबीर सिंह पन्नू 05. श्रीमती अमरजीत कौर सलूजा पति श्री अजिन्दर सिंह 06. मनप्रीत सिंह बुधराजा सभी पिता स्व. हरमहेन्द्र सिंह बुधराजा ही है इनके अलावा अन्य कोई वारिसान नहीं है अतः मृतक भूमिस्वामी का नाम राजस्व अभिलेखों से विलोपित कर आवेदकगण का नाम राजस्व अभिलेखों में दर्ज किये जाने हेतु आवेदकगण का निवेदन है। उक्त प्रकरण की सुनवाई इस न्यायालय में दिनांक 27/02/2026 को होगी।

अतएव जिस किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा/आपत्ति दिनांक 27/02/2026 को इस न्यायालय में पेश करें। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 02/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

नायब तहसीलदार,
मुहर रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 07)
मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
Email ID-rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं. / 28504/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 7/2026
रायपुर दिनांक 12/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28504

वार्ड का नाम–24– सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR818E0570B** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MAYA DEVI AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **SUNIL KUMAR AGRAWAL** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती 1.MANOJ KUMAR SAHU 2.BABLU SAHU** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O TIJAU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 07)
मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
Email ID-rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं. / 28540/ न.पा.नि./
जोन क्रं. 7/2026
रायपुर दिनांक 12/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28540

वार्ड का नाम–22– पं. ईश्वरी चरण शुक्ल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 22 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR814F00594** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ARIF ALI S/O SHOUKAT ALI YASMEEN ALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **ARIF ALI** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री/श्रीमती HAMID ALI** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O IBRAHIM ALI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्र. 7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.– 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./28201/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 04/02/2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28201

वार्ड का नाम -70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR568K00663** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DEVRAJ NAYDU** पिता/पति श्री/श्रीमती **LT. G.S. NAYDU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती **Shelly Rajput** पिता/पति श्री/श्रीमती **Sudipto khanra** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

NOTICE U/S. 72 OF INDIAN PARTNERSHIP ACT.

Notice is hereby given that pursuant to re-constitution of the partnership firm "M/s. AMBEY REALINFRA" on 25st day of November, 2025 with effect from 25.11.2025 Om Prakash Singh has retired from the partnership firm and Shri Ghanshyam Agrawal and Gopal Krishana Gupta are the continuing partners.

Place: Raipur (C.G.)
Dated: 29.11.2025

For, AMBEY REALINFRA
PARTNER
(Ghanshyam Agrawal)

छत्तीसगढ़ भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा)
शास्त्री चौक, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001
फोन नंबर :- 0771 4918927
Email - office.rera.cg@gov.in, website- https://rera.cgstate.gov.in/

विज्ञापन क्रमांक – 610/Q दिनांक: 09/02/2026

// विज्ञापन//

छत्तीसगढ़ भू–संपदा विनियामक प्राधिकरण रायपुर कार्यालय में निम्नांकित पदों पर शासकीय / अर्द्ध शासकीय संस्थाओं से सेवानिवृत्त अधिकारी / कर्मचारी की संविदा पर नियुक्ति किया जाना है। अर्हताधारी एवं इच्छुक उम्मीदवार से निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र, रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ भू–संपदा विनियामक प्राधिकरण कार्यालय, शास्त्री चौक, रायपुर, छत्तीसगढ़ के पते पर दिनांक 06.03.2026 शाम 5:30 बजे तक पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट से आमंत्रित किया जाता है। निर्धारित तिथि के पश्चात् एवं डाक द्वारा विलंब से प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा। पदों का विवरण निम्नानुसार है :–

स.क्र.	पद का नाम	कुल रिक्त पद	वर्गवार विवरण
1	सहायक अभियंता	01	अनारक्षित
2	रीडर	01	अनारक्षित

आवेदन प्रपत्र तथा पदों पर चयन हेतु शैक्षणिक योग्यता, अर्हता, मापदंड, चयन प्रक्रिया एवं अन्य विवरण / शर्तें कार्यालय के वेबपोर्टल– **https://rera.cgstate.gov.in/** के डाउनलोड सेक्शन पर उपलब्ध है।

रजिस्ट्रार
छत्तीसगढ़ भू–संपदा विनियामक प्राधिकरण
S-46864/3 छत्तीसगढ़, रायपुर

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

श्यामा चरण शुक्ल की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के रायपुरा महादेवघाट में स्थित अविभाजित मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक पण्डित श्यामा चरण शुक्ल के समाधि स्थल (श्याम घाट) रायपुरा महादेवघाट के प्रांगण में उनकी पुण्यतिथि दिनांक 14 फरवरी 2026 शनिवार को सुबह 11 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। कार्यक्रम में पण्डित श्यामा चरण शुक्ल से सम्बंधित समाधि स्थल (श्याम घाट) में नियत दिवस को समाधि स्थल परिसर का संधारण और समाधि स्थल परिसर सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, समाधि स्थल की पुष्प सज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में रायपुर नगर पालिक निगम के सम्बंधित जोन क्रमांक 8 के सहयोग से की जायेगी।

आज बाल चौपाल कार्यक्रम

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा दिनांक 13 फरवरी 2026 को आयोजित बाल चौपाल कार्यक्रम में आपको सादर आमंत्रित किया जाता है।

स्थान : स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी मीडियम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बेलगहना, जिला बिलासपुर (छत्तीसगढ़) समय : दोपहर 1:00 बजे से कार्यक्रम में बच्चों हेतु सीपीआर (CPR) प्रशिक्षण, ज्ञान परीक्षा काउंसलिंग , प्रेरक खेल; मार्गदर्शन, प्रश्नोत्तर सत्र आदि गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। आपसे विनम्र अनुरोध है कि अपने मीडिया प्रतिनिधि को कार्यक्रम में भेजकर इस जनहितकारी कार्यक्रम को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने का सहयोग प्रदान करें।

पं. दीनदयाल उपाध्याय को जयंती पर महापौर मीनल ने दी आदरांजलि

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर दक्षिण विधायक सुनील सोनी, सभापति सूर्यकांत राठौड़, छ.ग. राज्य नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, बोर्ड अध्यक्ष प्रफुल्ल अमरप्रीत सिंह छाबडा, निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष अमर गिदवानी, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों ने किया।

आयोजन कोटा स्टेडियम के सामने स्थित ओम विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों का कराया विवाह, 200 लोग बने साक्षी

आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों को सम्मानजनक वैवाहिक जीवन प्रदान करने के उद्देश्य से कोटा में भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। सरल सेवा समिति, विंध्य वासिनी शिक्षण समिति एवं पाञ्चजन्य संतति विकास सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में लगभग 200 लोग साबने। आयोजन कोटा स्टेडियम के सामने स्थित ओम विद्यालय परिसर में संपन्न हुआ। निर्धारित मुहूर्त पर चयनित वर-वधुओं का विवाह पंडितों की उपस्थिति में वैदिक रीति-रिवाजों और सामाजिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। पूरे परिसर में पारंपरिक मंगल ध्वनि और आशीर्वाद के स्वर गूंजते रहे। विवाह के पश्चात वधुओं को गृहस्थ जीवन की शुरुआत के लिए आवश्यक सामग्री और सहयोग भी प्रदान किया गया, जिससे उनके नए जीवन की राह सुगम हो सके। समिति के पदाधिकारियों भागीरथी अग्रवाल, पुष्पेंद्र सिंह राजपूत, प्रशांत बख्शी, फणींद्र शर्मा, सीताराम गुप्ता एवं सुयश शुक्ला ने बताया कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में सादगी, समानता और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों से विवाह में होने वाले अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण होता है और जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल मिलता है। आयोजकों ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में उन्हीं जोड़ों को शामिल किया गया जिनका विवाह आपसी सहमति से तय हुआ था और जिनकी वैधानिक आयु पूर्ण थी। वर-वधू पक्ष से 30-30 लोगों के ठहरने, नाश्ते और भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी। बाद में सामूहिक भोज को आमजन के लिए भी खोल दिया गया, जिससे सामाजिक सहभागिता का संदेश और व्यापक हुआ। तीनों समितियां वर्षों से महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, सेवा कार्यों और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में सक्रिय हैं। यह सामूहिक विवाह आयोजन न केवल कई परिवारों के लिए नई शुरुआत बना, बल्कि समाज में सहयोग और संस्कार की मिसाल भी पेश कर गया।

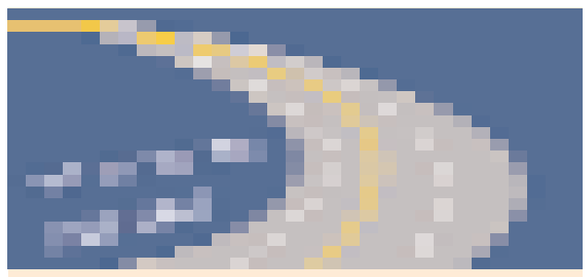

एनएचएआई की रायपुर को बड़ी सौगात

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राजधानी रायपुर के निवासियों और एनएच 53 (मुंबई-कोलकाता हाईवे) का उपयोग करने वाले हजारों वाहन चालकों के लिए राहत भरी खबर है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने सरोना से लाभांडी के बीच सर्विस लेन के चौड़ीकरण के परियोजना को मंजूरी दे दी है। लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली 14 किलोमीटर लम्बी सर्विस लेन 10 मीटर चौड़ी की जाएगी। इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि चौड़ीकरण के लिए किसी भी तरह के भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। सड़क के दोनों किनारों पर एनएचएआई के पास पर्याप्त जमीन पहले से उपलब्ध है। निर्माण कार्य को गति देने के लिए सबसे पहले छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड द्वारा सर्विस लेन में लगे बिजली के खंभों को हटाया और शिफ्ट किया जाएगा। बिजली खंभों की शिफ्टिंग की प्रक्रिया पूरी होते ही एनएचएआई द्वारा चौड़ीकरण का सिविल वर्क शुरू कर दिया जाएगा।

14.25 किलोमीटर की लंबाई में होने वाले इस विस्तार से लाभांडी, तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, संतोषी नगर, बस स्टैंड और सरोना जैसे हाईवे से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में इस मार्ग पर 24 घंटे भारी वाहनों का भारी दबाव रहता है, जिससे स्थानीय ट्रैफिक को अक्सर जाम का सामना करना पड़ता है।

आईसीएआर-आईआईएमआर ने उत्कृष्ट योगदान के लिए गॉरमेट पॉपकॉर्निका को सम्मानित किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आईसीएआर-आईआईएमआर के स्थापना दिवस पर गॉरमेट पॉपकॉर्निका को पॉपकॉर्न मक्का इकोसिस्टम में उसके निरंतर योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार भारत में मक्का के विस्तार और प्रसार में योगदान देने वाले कर्मचारियों, प्रगतिशील किसानों और भारतीय कंपनियों को प्रदान किया जाता है। यह सम्मान डॉ. हनुमान सहाय जाट निदेशक (मक्का), आईसीएआरङ्कआईआईएमआर द्वारा वाई. युगंधर सीईओ (क्रॉप इंटीग्रेशन), गॉरमेट पॉपकॉर्निका तथा के. माहीधर रेड्डी निदेशक, गॉरमेट पॉपकॉर्निका को प्रदान किया गया। पुरस्कार समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के कुलपति डॉ. सतबीर सिंह गोसल उपस्थित थे। अन्य विशिष्ट अतिथियों में डॉ. सियान दास (पूर्व निदेशक, आईआईएमआर), डॉ. नचिकेत कोटवालिवाले (निदेशक, आईसीएआरङ्कसीआईपीएचईटी), डॉ. अशोक मेहता (पूर्व निदेशक, आईसीएआर), डॉ. सरबजीत सिंह (प्रगतिशील कृषि मशीनरी उद्यमी), ओ.पी. चौधरी (वरिष्ठ मृदा वैज्ञानिक, पीएयू) तथा पीएयू और आईआईएमआर के अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक शामिल थे। रायपुर- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर)-भारतीय मक्का अनुसंधान संस्थान (आईआईएमआर) ने भारत की सबसे बड़ी पॉपकॉर्न कंपनी गॉरमेट पॉपकॉर्निका प्राइवेट लिमिटेड के साथ मिलकर एक रणनीतिक साझेदारी के सफल परिणाम प्रस्तुत किए हैं। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत की पॉपकॉर्न मक्का मूल्य श्रृंखला को सशक्त बनाना, किसानों की आय बढ़ाना और भारत को उच्च गुणवत्ता वाले पॉपकॉर्न मक्का उत्पादन का वैश्विक केंद्र बनाना है। पिछले एक दशक में भारत का पॉपकॉर्न मक्का बाजार 50,000 टन से बढ़कर 1,30,000 टन से अधिक हो गया है। यह वृद्धि उच्च-विस्तार (हाई एक्सपैंशन) पॉपकॉर्न मक्का की सफल खेती और स्वदेशीकरण के कारण संभव हुई है। पहले भारत में उपभोग होने वाला लगभग 100 प्रतिशत पॉपकॉर्न आयात किया जाता था। आज घरेलू उत्पादन बाजार का लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा पूरा कर रहा है, जिससे आयात पर निर्भरता कम हुई है और किसानों के लिए आय का नया एवं स्थायी स्रोत बना है। पिछले पांच वर्षों में आईसीएआर-आईआईएमआर की वैज्ञानिक एवं कृषि विशेषज्ञता और गॉरमेट पॉपकॉर्निका के बड़े पैमाने पर उच्च-विस्तार पॉपकॉर्न मक्का उत्पादन के अनुभव ने विशेषीकृत मूल्य श्रृंखलाओं को सुदृढ़ किया है। यह सहयोग दर्शाता है कि विज्ञान-आधारित साझेदारियां किसानों की आय विविधीकरण और आयात निर्भरता कम करने में कितनी महत्वपूर्ण हैं। यह साझेदारी औपचारिक रूप से फरवरी 2021 में आईआईएमआर द्वारा विकसित पॉपकॉर्न हाइब्रिड LPCH 3 के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर के साथ प्रारंभ हुई। यह आईसीएआरङ्कआईआईएमआर की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसके तहत कृषि विज्ञान को किसानों के लिए ठोस आर्थिक परिणामों में बदला जा रहा है।

एक विशाळ आयोजन साधक परिवार द्वारा 14 फरवरी क़ो माता पिता पूजन दिवस मरीन ड्राइव मे

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारतीय संस्कृति की मातृ-पितृ भक्ति की भावना को प्रोत्साहित करना हमारा नैतिक दायित्व है। 14 फरवरी को मनाए जाने वाले मातृ-पितृ पूजन दिवस के द्वारा राष्ट्र में नैतिकता, जागरूकता एवं संस्कारों का प्रसार व सिंचन कर भारत को विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करने के संकल्प की दिशा में कार्य किया जा रहा है ।

14 फरवरी मातृ-पितृ पूजन दिवस, बच्चों को अपने माता-पिता के प्रति आदर, कृतज्ञता, सेवाभाव प्रगटाने का दिन है । ये पर्व विशेष रूप से बच्चों को चरित्र एवं मनोबल सुदृढ़ करने की दिशा में प्रेरित करता है ।

आज पश्चिमीकरण के बढ़ते चलन के कारण देश का युवा भटक रहा है । जहाँ एक ओर हमारी संस्कृति में भगवान श्रीराम व श्रवणकुमार जैसे पुत्र हुए हैं वहीं आज के दौर में बच्चे नि:संकोच अपने माँ-बाप, गुरुजनों व

वरिष्ठजनों का अनादर व अवहेलना करने लगे हैं जो अब एक सामाजिक चिंता का विषय बन चुका है । ऐसे में इस सामाजिक समस्या को रचनात्मक तरीके से हल करनेवाले इस पर्व से समाज में अब धीरे-धीरे आत्मीयता बढ़ रही है तथा एक स्वस्थ, संस्कारयुक्त एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण भी हो रहा है । यह प्रयास न केवल सांस्कृतिक चेतना को पुन: जागृत कर रहा है बल्कि नैतिक मूल्यों को भी सुदृढ़ कर रहा है । इस आयोजन से उनके कोमल मन पर शुभसंस्कार का ऐसा प्रभाव पड़ेगा जो उनके जीवन में उज्जवल चरित्र निर्माण की आधार शीला सिद्ध होगा। पाश्चात्य जीवन शैली का अंधानुकरण टी.वी. चैनल, अश्लील चलचित्र, साहित्य व्यसन, अशुद्ध आहार-विहार व इंटरनेट पर दिए जा रहे नैतिक रूप घातक विज्ञापनों की वजह से दिन प्रतिदिन बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक पतन हो रहा है। जिसके कारण उनका हौसला पस्त होता जा रहा है। अत: उन्हें दिव्य सस्कार देना हमारा नैतिक कर्तव्य है !!

मीडिया प्रभारी शोभराजमल ने जानकारी दी, संत श्री आशाराम जी बापू की पावन प्रेरणा से साधक परिवार द्वारा 14 फरवरी मातृ-पितृ पूजन दिवस का एक विशाळ आयोजन मरीन ड्राईव तेलीबांधा (तालाब) में शाम 4 से रात्रि 10 बजे तक आयोजन किया जायेगा। जिसमें बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व श्रीं शिवजी,श्रीं माता पार्वती व भगवान श्रीं गणेश जी व श्रवण कुमार की जीवित झांकी भी तैयार की गई है! नेत्रहीन बच्चीया प्रेरणा स्त्रोत हीरापुर व बढ़ते कदम वृद्धा आश्रम व लायन्स कलब वृद्धा आश्रम पधारेंगे इसका पूजन व सम्मान किया जायेगा।

मां से बिछड़कर खेत में पहुंचा चार माह का तेंदुए का शावक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

गौरतलब है कि श्रृंगी ऋषि पहाड़ी की तराई में स्थित खेतों में ग्रामीणों ने लगभग चार माह के तेंदुए के शावक को देखा। संभावना है कि शावक अपनी मां से बिछड़कर भटकते हुए रिहायशी क्षेत्र तक पहुंच गया था। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से शावक को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया।

राज्य में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में वन विभाग ने एक और सराहनीय कार्य किया है। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पाण्डेय के दिशा-निर्देशों में धमतरी जिले के नगरी-सिहावा क्षेत्र अंतर्गत बिरगुड़ी वन परिक्षेत्र के ग्राम छिपली पारा में तेंदुए के एक शावक का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया।

रेस्क्यू के बाद विभागीय प्रक्रिया के तहत शावक को नगरी स्थित पशु चिकित्सालय ले जाया गया, जहां पशु चिकित्सकों द्वारा उसका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच में शावक पूरी तरह स्वस्थ पाया गया। रेंज अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार शावक को आगे की देखभाल और सुरक्षित वातावरण के लिए नया रायपुर स्थित जंगल सफारी भेजा गया है।

नगरी-सिहावा क्षेत्र सघन वनों और पहाड़ी भू-भाग के कारण तेंदुए और अन्य वन्यजीवों के लिए उपयुक्त प्राकृतिक आवास माना जाता है।

वन विभाग की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से न केवल वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित हो रही है, बल्कि मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने में भी मदद मिल रही है। गांव के ग्रामीणों की सूझबूझ और जिम्मेदारी की खुलकर सराहना की है। विभाग का कहना है कि यदि लोग इसी तरह जागरूकता और संवेदनशीलता दिखाएं, तो मानव-वन्यजीव संघर्ष को काफी हद तक कम किया जा सकता है. इस घटना से यह भी साबित हुआ है कि सही समय पर सही कदम उठाने से वन्यजीवों की जान बचाई जा सकती है

कलिंगा विश्वविद्यालय के छात्रों ने 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2026' में भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (VBYLD) 2026 एक राष्ट्रीय मंच है, जो 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को भारत @2047 की परिकल्पना के निर्माण में सहभागी बनाता है। इस पहल में देशभर से 50 लाख से अधिक युवाओं ने भागीदारी की है। प्रतिभागिता तीन चरणों की प्रक्रिया के माध्यम से होती है-डिजिटल क्विज़, निबंध लेखन तथा राज्य स्तरीय प्रस्तुतियाँ-जिसके पश्चात नई दिल्ली में भव्य समापन आयोजन किया जाता है। इसके प्रमुख विषयों में नवाचार, संस्कृति एवं सतत विकास शामिल हैं। कलिंगा विश्वविद्यालय की छात्रा सुश्री अलीशा यादव (एमबीए) एवं सुश्री असना जाबी (बीबीए एलएलबी) ने प्रतिष्ठित 'विकसित भारत यंग लीडर डायलॉग 2026' में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर राज्य का गौरव बढ़ाया। यह कार्यक्रम नई दिल्ली के प्रतिष्ठित भारत मंडपम में आयोजित किया गया। इस राष्ट्रीय स्तर के मंच पर

देशभर से 50.64 लाख से अधिक आवेदकों ने भाग लिया। कठोर बहु-चरणीय चयन प्रक्रिया-जिसमें राष्ट्रीय स्तर की क्विज़ प्रतियोगिता, निबंध मूल्यांकन, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष पीपीटी प्रस्तुति, तथा भारत के सर्वोच्च न्यायालय के एक वरिष्ठ अधिवक्ता की देखरेख में आयोजित अंतिम नेतृत्व मूल्यांकन साक्षात्कार शामिल था-को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद इन दोनों छात्राओं ने देशभर से चयनित प्रतिभागियों में अपना स्थान सुनिश्चित किया।

संवाद के दौरान दोनों छात्राओं ने राष्ट्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर सक्रिय रूप से अपने विचार एवं योगदान प्रस्तुत किए। सुश्री अलीशा यादव ने 'विकसित भारत के लिए भविष्य-तैयार कार्यबल का निर्माण' विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कौशल विकास, रोजगारयोग्यता तथा उभरती वैश्विक चुनौतियों के लिए भारत के युवाओं को तैयार करने पर विशेष रूप से जोर दिया।

प्रार्थना सभा में गूंजेंगी अखबार की सुर्खियां

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छात्रों के लिए प्रतिदिन समाचार पत्र पढ़ना एक लाभकारी आदत है। इससे उन्हें समसामयिक घटनाओं, महत्वपूर्ण मुद्दों और विविध विचारों से अवगत होने का अवसर मिलता है। यह आदत गुणवत्तापूर्ण भाषा और सुव्यवस्थित सामग्री के संपर्क में आने से उनकी पढ़ने और लिखने की क्षमताओं को बढ़ाती है। शिक्षा को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे जीवन से जोड़ने की दिशा में सरगुजा जिला के विकासखंड प्रेमनगर के शासकीय प्राथमिक शाला पीपरडांड में एक सराहनीय एवं अभिनव पहल की गई है। विद्यालय में विद्यार्थियों की दैनिक दिनचर्या में अखबार वाचन को शामिल किया गया है। इस प्रयास से परीक्षा-केंद्रित शिक्षा को ज्ञान-केंद्रित शिक्षा में परिवर्तित करने की दिशा में सार्थक कदम उठाया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित करना ही नहीं, बल्कि उन्हें सोचने, समझने, तर्क करने और प्रश्न पूछने के लिए प्रेरित करना है। सहायक शिक्षक श्री राजेन्द्र जायसवाल ने बताया कि वर्तमान समय में बढ़ते मोबाइल स्क्रीन टाइम के कारण बच्चों में पठन संस्कृति कमजोर होती जा रही है। ऐसे में समाचार पत्र वाचन शिक्षा सुधार का एक प्रभावी माध्यम बनकर सामने आया है। नई व्यवस्था के तहत विद्यालय की प्रार्थना सभा अब केवल अनुशासनात्मक गतिविधि तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि जागरूकता की पाठशाला के रूप में विकसित होगी। छात्र-छात्राएं प्रतिदिन अखबार की प्रमुख सुर्खियां पढ़ेंगे और देश-दुनिया की समसामयिक घटनाओं से अवगत होंगे। इसके अलावा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों को किसी संपादकीय विषय पर मौलिक लेखन एवं समूह चर्चा के लिए प्रेरित किया जाएगा। इससे बच्चों में विचार-विमर्श, संवाद कौशल, अभिव्यक्ति क्षमता तथा नैतिक मूल्यों का विकास होगा।

SGPC के प्रधान सरदार हरजिंदर सिंह धामी की उपस्थिति में होगा गुरुद्वारा गुरु नानक के नवनिर्मित भवन का उद्घाटन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सिख संगत के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि गुरुद्वारा गुरु नानक साहिब, रावाभाटा, बिलासपुर रोड, रायपुर में नव -निर्मित भवन के उपलक्ष्य में भव्य उद्घाटन समागम का आयोजन 17 फरवरी 2026 को किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (SGPC) के माननीय प्रधान सरदार हरजिंदर सिंह धामी जी विशेष रूप से उपस्थित हो रहे हैं, उनकी गरिमामयी उपस्थिति से यह समागम ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष महत्व प्राप्त करेगा।

कार्यक्रम प्रात: 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें कीर्तन दरबार, गुरबाणी विचार एवं धार्मिक प्रवचन होंगे। प्रसिद्ध रागी जत्थों द्वारा गुरबाणी कीर्तन से संगत को निहाल किया जाएगा। समागम उपरांत गुरु का अटूट लंगर निरंतर बरतेगा। एसजीपीसी की धर्म प्रचार कमेटी के छत्तीसगढ़ प्रभारी सरदार गुरमीत सिंह सैनी, गुरुद्वारा गुरु नानक साहिब प्रबंधक कमेटी एवं छत्तीसगढ़ सिख समाज ने सिख समाज के सभी गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटियों के प्रधान, समाज की सेवा करने वाले सभी संगठनों सहित प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार हरजिंदर सिंह जी धामी का स्वागत - सम्मान करें और गुरु नानक साहिब रावाभाटा, बिलासपुर रोड, रायपुर के नवनिर्मित गुरुद्वारा के अवसर पर आयोजित विशाल कीर्तन समागम में शामिल होकर गुरु घर की इस ऐतिहासिक घड़ी के साक्षी बनें एवं गुरु घर की खुशियां प्राप्त करें ।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सम्पादकीय

फर्जी की मर्जी पर अंकुश

डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता से झूठ को सच बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कसने की तैयारी कर ली है। इस तरह के भ्रमित करने वाली सामग्री प्रसारित करने वाले सोशल मीडिया को नियंत्रित करने वाले नियमों को सख्त बनाया जा रहा है। जिससे डिजिटल कंपनियों और प्लेटफॉर्मों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है, खासकर डीपफेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई से निर्मित सामग्री के संबंध में। दरअसल, ये नवीनतम बदलाव उन शिकायतों के बाद किए गए हैं जिसमें एआई बॉट द्वारा पथभ्रष्ट करने वाली उत्तेजक छवियों के निर्माण करने के आरोप लगे हैं। जिसके खिलाफ दुनिया के कई देशों ने भी सख्त कदम उठाए हैं। उल्लेखनीय है कि आईटी के नये नियम बीस फरवरी से लागू होंगे। इसके बाद एआई के जरिये निर्मित सामग्री पर इस बात का लेबल लगाना जरूरी होगा कि उसे कृत्रिम रूप से गढ़ा गया है। साथ ही प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को उपयोगकर्ताओं को भरोसा दिलाना होगा कि साझा की जा रही सामग्री एआई द्वारा निर्मित है या नहीं। ऐसे वक्त में जब लोगों की संवेदनाओं और भरोसे से खिलवाड़ का खेल द्रुत गति से जारी है, केंद्र सरकार की ओर से उठाया गया यह जरूरी कदम कहा जा सकता है। सरकार ने नये प्रावधानों में निर्देश दिया है कि किसी भी अवैध या भ्रामक एआई जनित सामग्री को तीन घंटे के भीतर हटाना होगा या फिर ब्लॉक करना होगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले यह हटाने की समय सीमा 36 घंटे थी। हालांकि, इस तरह सख्त नियमों के जरिये सोशल मीडिया का नियमन खासा जटिल कार्य है। इस आदेश की जटिल कार्यप्रणाली के अतिरिक्त,यह सवाल भी विवाद का विषय बना हुआ कि ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री किसे माना जाए। साथ ही यह भी कि क्या स्वीकार्य है? यदि हां तो किस आधार पर? वहीं दूसरी ओर इसके बहाने सरकारों द्वारा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने की चिंताएं भी बरकरार हैं। सही मायनों में, लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त स्वतंत्र अभिव्यक्ति से जुड़ी इन चिंताओं का निराकरण भी जरूरी है।

निस्संदेह दुनिया में जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता डिजिटल क्षेत्र में अपना दायरा बढ़ाती जा रही है, वैसे-वैसे ही प्रभावी नियामक नियंत्रण स्थापित करना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एआई उद्योग के लिये भी, अत्यधिक प्रतिस्पर्धी बाजार में अपनी तकनीकों के विस्तार के साथ-साथ नैतिक ढांचों को बनाये रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य बनता जा रहा है। उल्लेखनीय है कि एक प्रमुख कंपनी के सुरक्षा शोधकर्ता का विवादास्पद परियोजनाओं की अनियंत्रित गति से असहमति जताते हुए त्यागपत्र देना तकनीकी प्रगति की छलांग लगाती गति के दुष्परिणामों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित स्पर्धा के दौर में नैतिक दुविधा स्पष्ट है। साथ ही इसका कोई कारगर समाधान शीघ्र नजर भी नहीं आता। इस संकट से विकासशील देश ही नहीं, विकसित देश भी गहरे तक जूझ रहे हैं। आस्ट्रेलिया व फ्रांस आदि देशों में बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की न्यूनतम उम्र निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका में इंस्टाग्राम और यूट्यूब के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिये एक ऐतिहासिक मुकदमा शुरू हो गया है।

विश्व रेडियो दिवस : बदलते दौर में भी है हमारे जीवन का अहम हिस्सा

हमारे देश में रेडियो भारत के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन संचालित सार्वजनिक क्षेत्र की आकाशवाणी प्रसारण सेवा है। देश में रेडियो प्रसारण की शुरुआत 1920 की दहाई में हुई थी। प्राइवेट इंडियन ब्रॉडकास्टिंग कम्पनी लिमिटेड को दो रेडियो स्टेशन संचालित करने के लिए अधिकृत किया गया था। इस तरह 23 जुलाई 1927 को बॉम्बे स्टेशन शुरू हुआ। फिर उसी साल 26 अगस्त 1927 को कलकत्ता स्टेशन शुरू किया गया। इसके बाद 1 मार्च 1930 को सरकार ने इन्हें अपने नियंत्रण में लेकर इनका राष्ट्रीयकरण किया और दो साल के लिए प्रायोगिक आधार पर भारतीय प्रसारण सेवा की शुरुआत हुई। कुछ वक्त बाद मई 1936 में स्थायी रूप से ऑल इंडिया रेडियो कायम हुआ। फिर साल 1957 में इसे आकाशवाणी का नाम दिया गया।

हर साल 13 फरवरी को विश्व रेडियो दिवस मनाया जाता है। ऑल इंडिया रेडियो से हमारा दिल का या यूं कहें कि रूह का रिश्ता है। ये हमारी जिन्दगी का एक अटूट हिस्सा है। रेडियो सुनते हुए हम बड़े हुये। बाद में रेडियो से जुड़ना हुआ। यह हमारी खुशनसीबी थी। ऑल इंडिया रेडियो पर हमारा पहला कार्यक्रम 21 दिसम्बर 1996 को प्रसारित हुआ था। इसकी रिकॉर्डिंग 15 दिसम्बर को हुई थी। कार्यक्रम का नाम था उर्दू कविता पाठ। इसमें हमने अपनी गजलें पेश की थीं। उस दिन घर में सब कितने खुश थे। पापा की खुशी का तो कोई ठिकाना ही नहीं था। रेडियो से हमारी न जाने कितनी खूबसूरत यादें वाबस्ता हैं। दिन और रात के न जाने कितने पहर रेडियो पर दिलकश नग़में सुनते हुए ही बीते। ऑल इंडिया रोडियो की उर्दू सर्विस का तो जवाब ही नहीं। मख़मली उर्दू जबान सीधे दिल की गहराई में उतर जाती थी। घर से दूर रहने पर, अपनों से दूर रहने पर यही आवाज घर की याद दिलाती थी, क्योंकि हमारी मादरी जबान भी तो उर्दू ही है। हमें आज भी रेडियो से उतना ही लगाव है, जितना पहले हुआ करता था। रेडियो हमारे दादा जान और पापा को भी बहुत पसंद था। शायद रेडियो से यह लगाव हमें विरासत में मिला है।

हम ही नहीं, लाखों-करोड़ों लोगों की पसंद रहा है रेडियो। ये उस वक्त शुरू हुआ था, जब मनोरंजन के कोई ख़ास साधन नहीं थे। रेडियो का इतिहास सौ साल से भी ज़्यादा पुराना है। दुनिया में रेडियो प्रसारण की शुरुआत भी बहुत ही दिलचस्प है। वह 24 दिसम्बर 1906 की एक खूबसूरत शाम थी, जब कनाडा के वैज्ञानिक रेगिनाल्ड फ़ेसेंडेन ने वॉयलिन बजाया था। उस वक्त अटलांटिक महासागर के जहाजों के रेडियो ऑपरेटरों ने वॉयलिन के उस दिलकश संगीत को सुना। इसके बाद उसी शाम फ़ेसेंडेन ने एक गाना भी गाया और पवित्र बाइबल की कुछ आयतें भी पढ़ी थीं। इससे पहले मारकोनी ने साल 1900 में लन्दन से अमेरिका बेतार संदेश भेजा था। इस तरह व्यक्तिगत रेडियो संदेश भेजने की शुरुआत हुई थी। पहले रेडियो का इस्तेमाल सिर्फ़ नौसेना ही किया करती थी, बाकी लोगों के लिए इसका इस्तेमाल करने पर सख्त पाबंदी थी। साल 1918 में ली द फोरेस्ट ने न्यूयॉर्क के हाईब्रिज में रेडियो स्टेशन शुरू किया। यह दुनिया का पहला रेडियो स्टेशन था, लेकिन इसे गैर कानूनी करार देकर बंद करवा दिया गया। फिर उन्होंने 1919 में सैन फ्रासिस्को में एक और रेडियो स्टेशन शुरू किया, लेकिन यह भी ग़ैर कानूनी ही था। दुनिया में कानूनी तौर पर रेडियो स्टेशन शुरू करने का श्रेय फ़्रैंक कॉनार्ड को जाता है। काबिले-गौर यह भी है कि सरकार ने साल 1939 में द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत में भारत में भी रेडियो के लाइसेंस रद्द करके सभी ट्रांसमीटर्स को सरकार के पास जमा करने का आदेश दे दिया। बॉम्बे टेक्निकल इंस्टीट्यूट बायकुला के प्राचार्य नरीमन प्रिंटर ने जब यह ख़बर सुनी, तो उन्होंने अपने रेडियो ट्रांसमीटर को बचाने का फैसला किया। उन्होंने ट्रांसमीटर को खोलकर उसके पुर्जे अलग-अलग कर दिए। फिर उन्होंने उन पुर्जों को अलग-अलग महफूज जगह पर छुपा दिया। उस वक्त देश में स्वतंत्रता आन्दोलन चल रहा था। महात्मा गांधी ने 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' का नारा दिया था। ब्रिटिश हुकूमत ने 9 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी और उनके साथियों को गिरफ़्तार कर लिया और प्रेस पर पाबंदी लगा दी। ऐसे में कांग्रेस नेताओं को रेडियो की जरूरत महसूस हुई। उन्होंने नरीमन प्रिंटर से रेडियो स्टेशन शुरू करने का अनुरोध किया। इस पर उन्होंने अपने ट्रांसमीटर के पुर्जों को इकट्ठा किया। उन्होंने माइक और अन्य जरूरत का सामान ख़रीदा। फिर 27 अगस्त 1942 को मुम्बई में नेशनल कांग्रेस रेडियो का प्रसारण शुरू हुआ। अपने पहले प्रसारण में उद्घोषक उषा मेहता ने कहा था- '41 दशमलव 78 मीटर पर एक अनजान जगह से यह नेशनल कांग्रेस रेडियो है।' ब्रिटिश सिपाहियों से बचने के लिए ट्रांसमीटर को सात अलग-अलग जगहों पर ले जाया गया, लेकिन इसका कोई फ़ायदा नहीं हुआ। आखिरकार 12 नवम्बर 1942 को नरीमन प्रिंटर और उषा मेहता को गिरफ़्तार कर लिया गया। इस तरह नेशनल कांग्रेस रेडियो बंद हो गया। आकाशवाणी द्वारा अपनी स्थापना के वक्त से ही कुछ परम्पराओं का पालन किया जा रहा है। मसलन आकाशवाणी के हर केन्द्र पर प्रसारण शुरू होने से पहले इसकी संकेत धुन बजाई जाती है। फिर वन्दे मातरम् का गायन होता है। इसके बाद उद्घोषक स्टेशन का नाम बताता है। केन्द्र की फ्रीक्वेंसी बताई जाती है। देसी महीने की तारीख़ और साल बताया जाता है। इसके साथ ही अंग्रेजी तारीख़ भी बताई जाती है, दिन बताया जाता है। फिर वक्त बताया जाता है। लोग इससे अपनी घड़ियां मिलाते हैं। रेडियो की यह ख़ासियत है कि इसके सभी कार्यक्रम अपने तय वक्त पर ही शुरू होते हैं। इसके बाद मंगल ध्वनि बजाई जाती है, जो भारत रत्न बिस्मिल्लाह ख़ान ने बनाई थी।

आकाशवाणी बहुजन हिताय बहुजन सुखाय का पालन करती है। यह सबके हित की बात करती है, सबके सुख की बात करती है। सूचना, शिक्षा और मनोरंजन इसके सिद्धांत हैं। आकाशवाणी का विजन भी यही है- राष्ट्रीय लोक प्रसारक के रूप में, आकाशवाणी अद्यतन तकनीक के इस्तेमाल से मजबूत इलेक्ट्रॉनिक रेडियो प्रसारण मीडिया द्वारा सूचना, शिक्षा और मनोरंजन के कार्यक्रम प्रसारित कर सभी वर्गों के लोगों को सशक्त बनाने के लिए वचनबद्ध है। इसके मिशन के तहत सूचना, शिक्षा और मनोरंजन द्वारा एकता, राष्ट्रीय अखंडता, प्रजातंत्र और धर्मनिरपेक्ष मूल्यों और साम्प्रदायिक सद्भावना को मजबूत करना, देश और विदेश के सभी लोगों तक एकरूपता से संदेश और सूचना पहुंचाने के लिए सशक्त इलेक्ट्रॉनिक वायरलेस संचार माध्यम का विकास करना, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व की जीवन शैली और सामाजिक आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण घटनाओं और परिवर्तनों को शामिल करते हुए पक्षपात रहित अद्यतन, वस्तुनिष्ठ, व्यापक और संतुलित समाचार प्रसारित करना, प्रसारण कार्यक्रम की विषय-वस्तु और सिग्नल गुणवत्ता में अंतर्राष्ट्रीय मानकों को हासिल करना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और वैश्विक सद्भावना को प्रोत्साहन देना है। आकाशवाणी समाचारों के लिए जानी जाती है। यहां से सिर्फ़ और सिर्फ़ सच्चे समाचार ही प्रसारित होते हैं। यहां झूठ का कोई काम नहीं है। आकाशवाणी और सच एक दूसरे के पर्याय हैं। देश के हर क्षेत्र में आकाशवाणी केन्द्र हैं। आकाशवाणी ने लेह जैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी अपने केन्द्र स्थापित किए हुए हैं, जहां रौशनी तक नहीं पहुंचती। आकाशवाणी ने देश को दिग्गज कलाकार दिए हैं। अमीन सयानी, कब्बन मिर्जा, सुनील दत्त और स्मिता पाटिल को भला कौन नहीं जानता। समाचार वाचक देवकीनन्दन पांडे और विनोद कश्यप भी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। देश के सुप्रसिद्ध कलाकार और साहित्यकार इससे जुड़े रहे हैं। आकाशवाणी ने एक कीर्तिमान स्थापित किया है। आकाशवाणी ने न कभी आवाज से समझौता किया और न ही उच्चारण से। काबिले- गौर है कि इन्हीं सख़्त नियमों की वजह से अमिताभ बच्चन का आकाशवाणी में चयन नहीं हो पाया था। आकाशवाणी की कई सेवाएं हैं, जिनमें समाचार के अलावा विविध भारती भी है, जो आकाशवाणी की एक प्रमुख प्रसारण सेवा है। श्रोताओं में यह बहुत लोकप्रिय है। यह कहना गलत नहीं होगा कि यह सबसे ज़्यादा सुनी जाने वाली सेवा है। इस पर हिन्दी फिल्मों के गाने बजाये जाते हैं। इसकी शुरुआत 3 अक्टूबर 1957 को हुई थी। विविध भारती की शुरुआत की कहानी भी बहुत ही दिलचस्प है। पचास की दहाई में श्रीलंका ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन की विदेश सेवा यानी रेडियो सीलोन हिन्दी फ़िल्मों के गाने बजाती थी। लोग इसके दीवाने थी। उस वक्त आकाशवाणी के तत्कालीन महानिदेशक गिरिजाकुमार माथुर ने भी आकाशवाणी पर ऐसे ही कार्यक्रम की परिकल्पना की। उन्होंने पंडित नरेंद्र शर्मा, गोपालदास और केशव पंडित व अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर विविध भारती सेवा शुरू की।

पैदल चलने वालों के संवैधानिक अधिकार के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दिया अल्टीमेटम, सही दिशा में चलना अब विकल्प नहीं, जरूरत है

कांतिलाल मांडोत।

सड़क पर चलते हुए हम अक्सर यह मान लेते हैं कि नियम सिर्फ गाड़ियों के लिए होते हैं। पैदल चलना तो सबसे सरल काम है, इसमें भला नियम क्या होंगे? लेकिन यही सोच हर साल हजारों जिंदगियों की कीमत बन जाती है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों में बड़ा हिस्सा पैदल यात्रियों का है। यह केवल तेज रफ्तार या लापरवाही से वाहन चलाने का नतीजा नहीं, बल्कि पैदल चलने के गलत तरीकों का भी गंभीर परिणाम है। बचपन से हमें सिखाया गया कि 'सड़क पर बाएं चलो', यह सीख इतनी गहरी बैठ गई कि हमने कभी उस पर सवाल ही नहीं उठाया। समय बदला, ट्रैफिक बढ़ा, सड़कें तेज हुईं, लेकिन हमारी आदतें वहीं की वहीं रहीं। अब वक्त आ गया है कि हम इस अधूरी सीख को पूरा करें और समझें कि पैदल यात्रियों के लिए सही दिशा कौन-सी है। जहां सड़क पर फुटपाथ नहीं है, वहां पैदल यात्रियों को दाईं ओर चलना चाहिए। इसका कारण बेहद सीधा और जीवनरक्षक है। जब आप दाईं ओर चलते हैं तो सामने से आने वाले ट्रैफिक को देख सकते हैं। खतरा आपकी आंखों के सामने होता है, पीठ पीछे नहीं। सामने से आती गाड़ी की गति, दूरी और ड्राइवर का व्यवहार देखकर आप समय रहते किनारे हो सकते हैं। इसके उलट जब आप बाईं ओर चलते हैं तो वाहन पीछे से आते हैं। हॉर्न सुनाई न दे, मोबाइल पर ध्यान चला जाए या सड़क पर शोर हो, तो पीछे से आई तेज रफ्तार गाड़ी जानलेवा साबित हो सकती है। दाईं ओर चलने का नियम डराने के लिए नहीं, बचाने के लिए है। दुनिया के कई देशों में यह बात सामान्य समझ का हिस्सा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, ब्रिटेन का हाईवे कोड और कई अंतरराष्ट्रीय रोड सेफ्टी गाइडलाइंस साफ कहती हैं कि जहां फुटपाथ न हो, वहां हमेशा ट्रैफिक के विपरीत दिशा में चलना चाहिए। भारत में भी ट्रैफिक विशेषज्ञ, अदालतें और रोड सेफ्टी कमेटियां

यही मानती हैं कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा का सबसे बुनियादी नियम यही है। इसके बावजूद आम लोगों में भ्रम बना हुआ है। शायद इसलिए क्योंकि हमने इसे कभी गंभीरता से अपनाया ही नहीं। हमें लगता है कि यह केवल कागजी नियम हैं, लेकिन जब हादसा होता है तब यही नियम जीवन और मृत्यु के बीच फर्क बन जाते हैं। यह सिर्फ सुरक्षा का सवाल नहीं है, यह कानूनी और आर्थिक पहलू से भी जुड़ा है। अगर कोई पैदल यात्री गलत साइड चलते हुए दुर्घटना का शिकार होता है, तो उसे आंशिक रूप से अपनी लापरवाही का जिम्मेदार माना जा सकता है। कई मामलों में मुआवजा या बीमा क्लेम कम कर दिया जाता है। इसका मतलब यह हुआ कि गलत दिशा में चलना न केवल जान जोखिम में डालता है, बल्कि दुर्घटना के बाद न्याय और आर्थिक सहायता की राह भी मुश्किल बना देता है। सड़क पर सही चलना अब सिर्फ समझदारी नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। समस्या यह नहीं कि नियम मौजूद नहीं हैं, समस्या यह है कि हम उन्हें आदत में नहीं ढाल पाए हैं। बचपन से जो सीख मिली, वही हमारी चाल में बस गई। सड़क पार करते समय तो हम दाएं-बाएं देखते हैं, लेकिन चलते समय सोचते ही नहीं कि किस तरफ चल रहे हैं। आदतें रातों-रात नहीं बदलतीं। इसके लिए अभ्यास चाहिए, खुद को याद दिलाना पड़ता है। शुरुआत में अजीब लगेगा, लोग टोकेंगे भी, लेकिन हर सही आदत की शुरुआत थोड़ी असहज होती है। जब हेलमेट पहनना अनिवार्य हुआ था, तब भी लोगों को अटपटा लगा था। आज वही हेलमेट जान बचाने का सबसे बड़ा साधन है। दाईं ओर चलने की आदत भी धीरे-धीरे उतनी ही स्वाभाविक हो सकती है। इसके लिए सिर्फ सरकार या पुलिस को दोष देना आसान है, लेकिन समाधान हमारे हाथ में भी है। जब हम खुद सही चलेंगे, तभी बच्चे देखकर सीखेंगे। आज जो बच्चा अपने माता-पिता के साथ सड़क पर चलता है, वही कल का पैदल यात्री होगा। अगर वह हमें गलत साइड चलते देखेगा, तो वही सीखेगा। सड़क सुरक्षा का सबसे मजबूत पाठ स्कूलों और किताबों से पहले व्यवहार से आता है। घर से निकलते समय अगर हम खुद को यह याद दिला लें कि आज मुझे दाईं ओर चलना है, तो यह छोटी-सी सोच बड़ी सुरक्षा बन सकती है। शहरों में फुटपाथों की कमी एक सच्चाई है। हर जगह तुरंत बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर बन जाए, यह संभव नहीं। ऐसे में पैदल यात्रियों के पास खुद को सुरक्षित रखने का सबसे सरल उपाय यही है कि वे सही दिशा में चलें। यह नियम किसी एक राज्य या शहर तक सीमित नहीं है। अलग-अलग राज्यों की ट्रैफिक गाइडलाइंस और अदालतों के फैसले इसी दिशा की ओर इशारा करते हैं। संदेश साफ है कि जहां पैदल चलने की अलग व्यवस्था नहीं है, वहां दाईं ओर चलना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। अक्सर लोग कहते हैं कि हमें नियम पता ही नहीं था। लेकिन जानकारी का अभाव अब बहाना नहीं रह गया है। अखबार, सोशल मीडिया और सार्वजनिक चर्चाओं में यह मुद्दा सामने आ चुका है। अब सवाल यह नहीं कि नियम क्या है, सवाल यह है कि क्या हम उसे अपनाने को तैयार हैं। सड़क पर चलते हुए एक कदम दाईं ओर ले जाना मुश्किल नहीं है। मुश्किल है अपनी पुरानी आदत को छोड़ना। लेकिन अगर इस बदलाव से किसी की जान बच सकती है, तो यह मेहनत बहुत छोटी है। सड़कें साझा जगह हैं।

डिजिटल क्रांति पर साइबर प्रहार गंभीर चुनौती

ललित गर्ग।

डिजिटल युग ने भारत की अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है। मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं ने लेन-देन को सरल, त्वरित और पारदर्शी बनाया है। आज एक सामान्य नागरिक भी कुछ सेकंड में देश के किसी भी कोने में धन भेज सकता है, बिल जमा कर सकता है या निवेश कर सकता है। यही डिजिटल क्रांति 'नए भारत' और 'विकसित भारत' की आधारशिला मानी जा रही है। किंतु इसी क्रांति के साथ एक गहरी विडंबना भी उभरकर सामने आई है- डिजिटल धोखाधड़ी और साइबर लूट की भयावह बढ़ोतरी। हजारों करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी की घटनाएँ न केवल आमजन को आर्थिक रूप से आहत कर रही हैं, बल्कि देश की आर्थिक सुरक्षा और वित्तीय प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा रही हैं। डिजिटल व्यवस्था की मूल आत्मा 'विश्वास' है। जब कोई व्यक्ति मोबाइल स्क्रीन पर उभरे एक क्यूआर कोड को स्कैन करता है या किसी लिंक पर क्लिक करता है, तो वह केवल तकनीक पर ही नहीं, बल्कि उस संपूर्ण तंत्र पर भरोसा करता है जो उसे सुरक्षित लेन-देन का आश्वासन देता है। किंतु जब यही विश्वास ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, निवेश घोटालों और पहचान चोरी के कारण टूटने लगता है, तब डिजिटल विकास की पूरी अवधारणा कमजोर पड़ने लगती है। यदि बैंकिंग व्यवस्था में नकली नोटों की भरमार हो जाए तो मुद्रा पर विश्वास डगमगा जाता है, उसी प्रकार यदि डिजिटल लेन-देन में ठगी सामान्य अनुभव बन जाए, तो नागरिक डिजिटल माध्यमों से दूरी बनाने लगते हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत हानि का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक ढांचे के लिए भी खतरे की घंटी है। परंपरागत अपराधों और डिजिटल अपराधों की तुलना करें तो दोनों के स्वरूप और प्रभाव में महत्वपूर्ण अंतर दिखाई देता है। पहले चोरी या डकैती किसी सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित होती थी, अपराधी की पहचान अपेक्षाकृत स्पष्ट होती थी और जांच प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर संचालित होती थी। डिजिटल अपराधों में अपराधी अदृश्य है, वह किसी दूसरे राज्य या देश में बैठकर वारदात कर सकता है,

और कुछ मिनटों में सैकड़ों लोगों को निशाना बना सकता है। पारंपरिक अपराध में जोखिम अपराधी के लिए अधिक था, डिजिटल अपराध में जोखिम कम और लाभ अधिक है। यही असंतुलन इसे अत्यंत खतरनाक बनाता है। एक अन्य तुलनात्मक पक्ष यह है कि डिजिटल अपराधों में पीड़ित की मनोवैज्ञानिक स्थिति भी अलग होती है। ठगी का शिकार व्यक्ति स्वयं को अपराधी के सामने असहाय पाता है। पुलिस और साइबर क्राइम कार्यालयों के चक्कर लगाने के बाद भी जब उसे तकनीकी कारणों का हवाला देकर लौटा दिया जाता है, तो उसके भीतर व्यवस्था के प्रति गहरा अविश्वास जन्म लेता है। कई मामलों में यह देखा गया है कि शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया जटिल है, समुचित मार्गदर्शन नहीं मिलता, और समय पर कार्रवाई न होने से धन की रिकवरी असंभव हो जाती है। इससे यह धारणा बनती है कि डिजिटल अपराध का कोई वास्तविक दंड नहीं है। सरकार और न्यायपालिका ने समय-समय पर इस समस्या की गंभीरता को स्वीकार किया है। शीर्ष अदालत द्वारा ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर देखना इस बात का संकेत है कि यह केवल व्यक्तिगत अपराध नहीं, बल्कि संगठित आर्थिक आक्रमण भी हो सकता है। किंतु नीति-निर्माण और क्रियान्वयन के बीच की दूरी अभी भी बनी हुई है। अनेक प्लेटफार्म और हेल्पलाइन स्थापित किए गए हैं, परंतु उनकी कार्यप्रणाली में त्वरित प्रतिक्रिया, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की कमी स्पष्ट दिखती है। यदि शिकायत के बाद प्रारंभिक 'गोल्डन ऑवर' में ही बैंक खाते फ्रीज करने और ट्रांजैक्शन ट्रैक करने की प्रभावी व्यवस्था न हो, तो बाद की प्रक्रिया औपचारिकता बनकर रह जाती है। वित्तीय प्रणाली की दृष्टि से देखें तो डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना निवेश, उपभोग और बैंकिंग व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। यदि आमजन को यह आशंका सताने लगे कि ऑनलाइन निवेश योजनाएँ या भुगतान सुरक्षित नहीं हैं, तो वह नकद लेन-देन की ओर लौट सकता है। यह प्रवृत्ति सरकार की कैशलेस अर्थव्यवस्था की नीति को कमजोर करेगी। इसके अतिरिक्त, विदेशी निवेशकों के लिए भी यह संकेत नकारात्मक हो सकता है कि साइबर सुरक्षा का ढांचा पर्याप्त सुदृढ़ नहीं है। अत: यह केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि आर्थिक नीति का भी केंद्रीय प्रश्न है।

जान के लिए खतरा बन रहे हैं लिव-इन रिलेशनशिप

मनोज कुमार अग्रवाल।

हाल ही में एक ऐसा मामला सामने आया है जिस में शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने सनी युवतियों को शिकार बनाता था। इसके बाद उन्हें देह व्यापार के दलदल में धकेल देता था। पुलिस ने सनी के साथ उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को गिरफ्तार कर लिया है। इस वारदात के मूल में लिवइन जिम्मेदार है। आगरा के थाना खंदौली के यमुना एक्सप्रेसवे टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को कंबल में लपेटकर फेंके गए महोबा की सोनाली के शव के मामले में पुलिस ने महिला के साथ लिव इन में रहने वाले प्रेमी सनी, उसकी मां रंजना और मां के प्रेमी प्रदीप को जेल भेजा है। मामले में मृतका की बहन भारती ने मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पूछताछ में सामने आया है कि सनी शार्ट फिल्मों में काम दिलाने के बहाने युवतियों को जाल में फंसाकर देहव्यापार करवाता था। दूसरी युवती से दोस्ती का विरोध करने पर उसने सोनाली की हत्या कर दी थी। दूसरा मामला मध्यप्रदेश में इंदौर के सुगनीदेवी कॉलेज परिसर में गंभीर हालत में मिली युवती की इलाज के दौरान मौत हो गई। युवती को राहगीरों ने घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल पहुंचाया था। उसके हाथों और शरीर पर कई टैटू बने हुए थे, वहीं शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान भी पाए गए थे। शुरुआती जांच में डॉक्टरों को उसके साथ ज्यादती की आशंका हुई, जिसके चलते सैंपल भी लिए गए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि युवती पर हमला उसके लिव-इन पार्टनर ने किया था। आरोपी ने हत्या की नीयत से पत्थर से वार किया था। देर रात इलाज के दौरान युवती ने दम तोड़ दिया। लिव-इन रिलेशनशिप या सहमति संबंध एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें स्त्री-पुरुष बिना विवाह किए पति-पत्नी की भांति रहने के साथ-साथ आपस में शारीरिक संबंध भी बना लेते हैं व कई तो बच्चे भी पैदा कर लेते हैं। आपसी सहमति से कायम ऐसे संबंध पश्चिमी देशों में आम बात है। उनकी देखा-देखी भारत जैसे देशों में भी यह बुराई फैलने लगी है, जिसके दुखद परिणाम निकलने लगे हैं। लिव-इन रिलेशन में रहने वाले अपने पार्टनर की हत्या करने से भी संकोच नहीं करते पिछले दिनों में लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी हुई है। आपको ऐसी कुछ और वारदातों से अवगत कराते हैं 27 नवम्बर, 2025 को दिल्ली के छावला इलाके में वीरेंद्र सिंह नामक व्यक्ति को जब उसकी लिव-इन पार्टनर ने शराब पीने से रोका तो वीरेंद्र सिंह ने गुस्से में आकर उसका गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। 30 नवम्बर, 2025 को चेन्नई (तमिलनाडु) में अपने पति को छोड़ कर गोविंदराज नामक व्यक्ति के साथ लिव-इन में रहने वाली प्रियंका नामक युवती ने किसी बात पर विवाद के चलते गोविंदराज को मार डाला। 8 दिसम्बर, 2025 को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में रत्ना नामक विधवा ने अपनी 18 और 14 वर्षीय 2 बेटियों की सहायता से अपने लिव-इन प्रेमी सूर्य प्रताप सिंह की गला काट कर हत्या कर दी और पुलिस को बताया कि वह उसकी बड़ी बेटी पर बुरी नजर रखता था।

4 जनवरी, 2026 को ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश) में दक्षिण कोरिया के एक नागरिक की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में उसकी मणिपुर निवासी लिव-इन पार्टनर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार मृतक शराब पीने का आदी था और अक्सर युवती से मारपीट करता था जिसका अंजाम इस दुखद घटना के रूप में निकला। 8 जनवरी, 2026 को झांसी (उत्तर प्रदेश) में प्रीति नामक महिला के साथ लिव-इन में रह रहे रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी राम सिंह को प्रीति की हत्या करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। 12 जनवरी, 2026 को गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) में आरती नामक महिला की हत्या के आरोप में उसके लिव-इन पार्टनर प्रवीण कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों में शराब पीने के बाद किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया जिस पर प्रवीण कुमार ने आरती की पसलियों और छाती पर ताबड़तोड़ वार करके उसे मार डाला।18 जनवरी, 2026 को बिजनौर (उत्तर प्रदेश) के चांदपुर मेंशीतल नामक एक महिला ने अपने लिव-इन पार्टनर हरिओम सिंह की हत्या कर दी।

पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान शीतल ने बताया कि रिलेशन के दौरान जब उसे गर्भ ठहरा तो हरिओम सिंह ने उसका गर्भपात करवा दिया और शादी के लिए बार-बार कहने पर भी वह मान नहीं रहा था। इस कारण वह नाराज होकर 15 जनवरी को अपने घर चली गई थी।घटना के दिन वह चांदपुर लौटी। दोनों ने पहले शराब पी। फिर दोनों के बीच झगड़ा हुआ और शीतल ने शादी के लिए दोबारा दबाव बनाया

तो हरिओम ने खुद को फांसी लगाने की धमकी देते हुए घर के बैड पर खड़े होकर अपने गले में फंदा डाल लिया। यह देख गुस्से में आई शीतल ने उसके पैरों में यह कहते हुए लात मार दी कि मैं ही तुझे मार देती हूं। इससे वह फांसी पर झूल गया और दम घुटने से उसकी मौत हो गई। इसके बाद वह मोहल्ले के कुछ लोगों के साथ शव को खुद ही अपने साथ लेकर अस्पताल पहुंची और आत्महत्या की कहानी गढ़ दी लेकिन अंतत: उसका भेद खुल गया और शीतल पकड़ी गई। उच्च प्राचीन भारतीय संस्कृति को देखते हुए नि:संकोच यह बात कही जा सकती है कि लिव-इन रिलेशन किसी भी दृष्टि से भारतीय परिवारों के अनुकूल नहीं है। यह एक ऐसी बुराई है जिसका परिणाम दुखद ही निकलता है। अत: इस तरह के रिश्ते बनाने से बचना ही बेहतर है। आए दिन हो रही वारदातों से पता चलता है कि लिव-इन रिलेशनशिप की बुनियाद बेहद खोखले आपसी स्वार्थ और कपट पर टिकी हुई है और भारतीय समाज में अपराध को जन्म दे रही है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

योजनाओं के क्रियान्वयन, श्रमिकों की सुरक्षा पर विशेष फोकस

मंत्री देवांगन ने ली श्रम विभाग की मैराथन समीक्षा बैठक

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने आज गुरुवार को नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में श्रम विभाग की दो चरणों में मैराथन समीक्षा बैठक ली। प्रथम चरण की बैठक में श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले तीनों मंडलों की योजनाओं और कारखानों में श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर समीक्षा की गई। मंत्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देश दिए की कारखाने की नियमित तौर पर निरीक्षण करें। श्रमिकों की हितों की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखें। कमी मिलने पर संबंधित उद्योग को निर्देशित करें। हर महीने किए जाने वाले निरीक्षण की भी समीक्षा करने की निर्देश दिए गए।

बैठक में उपस्थित अधिकारियों को श्रम मंत्री ने कहा कि श्रमिकों के कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, उनके हितों की सुरक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशा अनुरूप श्रमिक भाई बहनों को योजनाओं के ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाए, सुरक्षा के मानको का पूरा ख्याल रखने का प्रयास करें। श्रमिकों के पंजीयन, नवीनीकरण, और योजनाओ का क्रियान्वयन समय अवधि में पूर्ण करें। बैठक में श्रम विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता, उप सचिव विपुल गुप्ता, अपर श्रमायुक्त एस. एल. जांगड़े, श्रीमती सविता मिश्रा, बीओसी सचिव गिरीश रामटेके सहित जिलो से आए मैदानी अधिकारी उपस्थित रहे।

कॉन्ट्रैक्ट श्रमिक अधिनियम पर विशेष फोकस करें

बैठक में श्रम मंत्री देवांगन ने कॉन्ट्रैक्ट श्रमिक अधिनियम को लेकर विशेष निर्देश दिए गए। इस अधिनियम के तहत पंजीकृत श्रमिकों को ईएसआईसी और पीएफ का लाभ सुनिश्चित करने साथ ही श्रमिकों की संख्या का मिलान करने के भी निर्देश दिए गए। ठेकेदार को जितने श्रमिकों का लाइसेंस प्राप्त है, उतने ही श्रमिक कार्यरत है की नहीं यह सुनिश्चित करने कहा गया।

इसके साथ-साथ निजी कंपनियों से सेवानिवृत हो चुके कर्मियों के उपादन भुगतान संबंधी मामले के जल्द निराकरण, विभिन्न माध्यमों से आने वाले शिकायतों का समय अवधि में निराकरण, करने के निर्देश दिए गए।

सात जिलों में शहीद वीर नारायण श्रम अन्न केंद्र प्रारंभ करने की निर्देश

बैठक में मुख्यमंत्री की घोषणा शहीद वीर नारायण सिंह श्रम अन्न योजना के अंतर्गत किफायती दर पर भोजन केंद्र की भी समीक्षा की गई। प्रदेश के साथ जिलों में जल्द ही श्रम अन्न केंद्र प्रारंभ करने निर्देश दिए गए। इनमें मुंगेली, सक्ति, जगदलपुर, कांकेर, खैरागढ़ छुई खदान गंडई, जशपुर और जगदलपुर में केंद्र शुरू करने कहा गया है।

श्रमिकों के स्वास्थ्य के नियमित जांच करने की निर्देश

दूसरे चरण की बैठक में मंत्री लखनलाल देवांगन ने कर्मचारी राज्य बीमा सेवाएं और औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा के अधिकारियों की संयुक्त बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। श्रम मंत्री देवांगन ने सभी जिलों के डिस्पेंसरी की समीक्षा की। ओपीडी की संख्या को और बढ़ाने और श्रमिकों के गुणवत्तापूर्ण इलाज के निर्देश दिए गए।

डिस्पेंसरी के स्टाफ की रोजाना हाजिरी बायोमेट्रिक के आधार पर करने के निर्देश दिए। प्रमुख डिस्पेंसरी में सुविधा और बढ़ाने कार्य योजना बनाने कहां गया है। मंत्री देवांगन ने उद्योगों में नजदीकी डिस्पेंसरी का पता चस्पा करने के भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही कारखाने की नियमित जांच कर उनमें आवश्यक कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए गए।

कमांडर भालेंदु पांडे को बेस कैंप मुरदंडा से पश्चिम दिशा में कोत्तागुड़ा की ओर आरएसओ ड्यूटी के लिए तैनात किया

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

दिनांक 12/02/2026 को, डीआईजी (ऑप्स) के निर्देशानुसार बी/170 बटालियन के कमांडर भालेंदु पांडे को बेस कैंप मुरदंडा से पश्चिम दिशा में कोत्तागुड़ा गाँव की ओर आरएसओ ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था। लगभग 1140 बजे, बी एंड ई/170 बटालियन मुरदंडा कैंप से लगभग 2.7 किमी पश्चिम में, मुरदंडा से अवापल्ली रोड पर एक कमांड आईईडी मिला। आसपास के क्षेत्र को तुरंत घेर लिया गया और यूनिट के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया।

विनोद रावत, कमांडेंट (एओएल) पैंथर शिवप्रसाद के.जी, 2-आई/सी (ऑप्स) के साथ तुरंत स्थान पर पहुंचे और स्थिति का आकलन किया कुमार मनीष -कमांडेंट196 Bn BDD टीम के साथ मौके पर पहुँचे। इलाके को सुरक्षित कर लिया गया और SHO अवापल्ली को भी बताया गया और वह भी तुरंत मौके पर पहुँच गए। इलाके की अच्छी तरह से तलाशी ली गई और 170 Bn और 196 Bn BDD टीमों की जॉइंट टीम ने IED का पता लगाया। एक IED (कमांड मैकेनिज्म के साथ लगभग 25-30 Kg) JCB और पोकलेन की मदद से खोदकर निकाली गई। उस IED को दोनों Bdds की टीम ने लगभग 1600 बजे वहीं demolished कर दिया। IED demolished के दौरान सभी सुरक्षा सावधानियां बरती गईं।

रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को मिलेगा रियायती दर पर इलाज

आईटीएसए (ITSA) ग्रुप से करार, अन्य अस्पतालों से भी जारी है चर्चा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर प्रेस क्लब अपने सदस्यों के हित में एक और महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक पहल करने जा रहा है। प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहन तिवारी के नेतृत्व में कार्यकारिणी द्वारा शहर के प्रमुख अस्पताल प्रबंधन से रियायती दर पर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार संवाद किया जा रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ पत्रकार मनीष वोरा और निर्वाचित कार्यकारणी अलग-अलग अस्पताल प्रबंधन से चर्चा कर सहमति बनाने के लिए प्रयासरत हैं जिसमें, रामकृष्ण हॉस्पिटल, एम एम आई, बालाजी , नारायणा ,और सुयश, वी वाय हॉस्पिटल शामिल है,, इसी कड़ी में रायपुर के प्रतिष्ठित अस्पताल प्रबंधन समूह आईटीएसए (ITSA) ग्रुप के साथ प्रेस क्लब की सहमति बन गई है। दोनों पक्षों के बीच हुई सहमति के तहत आईटीएसए प्रबंधन ने प्रेस क्लब को अपना सहमति पत्र सौंप दिया है। अब प्रेस क्लब से जुड़े सदस्य आईटीएसए अस्पताल में उपचार कराने पर निर्धारित

रियायती दरों का लाभ ले सकेंगे।

सहमति के अनुसार प्रेस क्लब के सदस्यों को निम्नानुसार छूट प्रदान की जाएगी- कंसल्टेंट फीस में 40फीसदी छूट लेबोरेटरी टेस्ट में 25फीसदी छूट रेडियोलॉजी जांच में 25फीसदी छूट ओपीडी फार्मेसी में 10फीसदी छूट

रायपुर प्रेस क्लब के और से महासचिव गौरव शर्मा उपाध्यक्ष दिलीप साहू कोषाध्यक्ष दिनेश यदु,संयुक्त सचिव द्वय निवेदिता साहू और भूपेश जांगड़े ने इस सराहनीय पहल के लिए आईटीएसए अस्पताल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया है।

प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी ने बताया कि इस सुविधा का लाभ सुनिश्चित करने के लिए आईटीएसए प्रबंधन और रायपुर प्रेस क्लब की ओर से एक साझा पहचान कार्ड जारी किया जाएगा। इसी कार्ड के आधार पर सदस्य संबंधित अस्पताल में रियायती दरों का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

अध्यक्ष मोहन तिवारी ने स्पष्ट किया कि प्रेस क्लब का उद्देश्य अपने सदस्यों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ कराना है। इसी दिशा में शहर के अन्य प्रमुख अस्पतालों के साथ भी रियायती उपचार को लेकर चर्चा जारी है। जल्द ही अन्य अस्पतालों से सहमति बनने के बाद इसकी जानकारी भी सदस्यों को दी जाएगी।

रायपुर प्रेस क्लब अपने सदस्यों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी ऐसी सकारात्मक पहलों को आगे बढ़ाता रहेगा।

प्रमुख सचिव बोरा की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक सम्पन्न

06 प्रकरणों में सुनवाई पूर्ण, आदेश जारी करने के निर्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा की अध्यक्षता में आज उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति की बैठक हुई। बैठक नवा रायपुर स्थित आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के सभाकक्ष में संपन्न हुई।

आज की बैठक में कुल 17 प्रकरणों की समीक्षा एवं सुनवाई की गई। इनमें जाति जांच प्रकरण से संबंधित 12 प्रकरणों में पक्षकार समिति के समक्ष उपस्थित हुए। 06 प्रकरणों की सुनवाई पूर्ण कर आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। 05 प्रकरणों में जाति प्रमाण पत्र धारकों को सुनवाई का एक और अंतिम अवसर प्रदान करते हुए आगामी बैठक में उपस्थित होकर अपनी जाति के संबंध में प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। 01 प्रकरण में विजिलेंस टीम को दुबारा मौके पर जाकर जाचं कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। वहीं 05 प्रकरणों में पक्षकार अनुपस्थित रहे।

बैठक में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर (सदस्य), आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान की संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम (सदस्य सचिव), लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक ऋषुराज रघुवंशी (सदस्य), संचालक, भू अभिलेख, विनीत नंदनवार, संयुक्त संचालक, टीआरटीआई श्रीमती गायत्री नेताम (प्रभारी अधिकारी, जाति जांच प्रकोष्ठ), श्रीमती रमा उइके (सदस्य), डॉ. अनिल विरूलकर (सदस्य) सहित जाति जाँच प्रकोष्ठ के जितेन्द्र गुप्ता, श्रीमती अंजनी भगत, ईश्वर साहू उपस्थित थे।

उल्लेखनीय है कि उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति द्वारा नियमित अंतराल में बैठक आयोजित कर जाति प्रमाण पत्र एवं सामाजिक प्रस्थिति से संबंधी प्रकरणों का निपटारा किया जा रहा है। सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय से संबद्ध प्रकरणों पर भी नियमानुसार पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से सुनवाई कर प्रकरणों का शीघ्र निपटारा किया जा रहा है। आज की बैठक में बड़ी संख्या में पक्षकार एवं अधिवक्ता अपना पक्ष प्रस्तुत करने हेतु उपस्थित हुए। विदित हो सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में दिये गये मार्गदर्शी निर्देश एवं छत्तीसगढ़ अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (सामाजिक प्रास्थिति के प्रमाणीकरण का विनियमन) अधिनियम 2013 में दिए गए प्रावधानों के अंतर्गत कुल 07 सदस्यीय उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति का गठन किया गया है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के मध्य उन्नत वेतन पैकेज के लिए हुआ एमओयू

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सरकार के नियमित कर्मचारियों को आकर्षक एवं व्यापक बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बैंक ऑफ महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ शासन के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत बैंक में वेतन खाता संचालित करने वाले राज्य सरकार के सभी नियमित कर्मचारियों को 'गवर्नमेंट प्राइड सैलरी सेविंग स्कीम' के अंतर्गत उन्नत नि:शुल्क सुविधाएं एवं बीमा कवर प्रदान किए जाएंगे। समझौते के अनुसार बैंक ऑफ महाराष्ट्र द्वारा खाताधारक कर्मचारियों को व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा एक करोड़ 25 लाख रूपए तक, हवाई दुर्घटना बीमा एक करोड़ रूपए तक, स्थायी पूर्ण विकलांगता कवर एक करोड़ 25 लाख रूपए तक तथा टर्म इंश्योरेंस 10 लाख रूपए प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही गोल्डन आवर के अंतर्गत 1 लाख रूपए तक कैशलेस उपचार सुविधा उपलब्ध होगी। कर्मचारियों को बालिका विवाह लाभ 10 लाख रूपए तक एवं बच्चों की उच्च शिक्षा हेतु 10 लाख रूपए तक का लाभ भी प्रदान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त खाताधारकों को अन्य आकर्षक बैंकिंग लाभ उपलब्ध कराए जाएंगे तथा स्वास्थ्य बीमा पर टॉप-अप जैसी वैकल्पिक सुविधाएं रियायती दरों पर प्रदान की जाएंगी।

व्यक्तिगत दुर्घटना पर 1.25 करोड़ का बीमा कवर
हवाई दुर्घटना बीमा एक करोड़ रूपए
बिटिया की शादी और बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए भी लाभ

यह समझौता ज्ञापन 10 फरवरी 2026 को श्रीमती शीतल शाश्वत वर्मा, विशेष सचिव, वित्त विभाग, छत्तीसगढ़ शासन तथा श्री वी. वेंकटेश, अंचल प्रबंधक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, रायपुर अंचल की उपस्थिति में संपन्न हुआ। यह पहल राज्य सरकार के नियमित कर्मचारियों को अधिक सुरक्षित, सुविधाजनक एवं लाभप्रद बैंकिंग सुविधा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीए प्रोटेक्शन एक्ट पर उठी आवाज़ – रवि ग्वालानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

राज्यसभा में विवेक कृष्ण तंखा ने सी ए प्रोटेक्शन एक्ट का प्रस्ताव रखा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सीए) को वकीलों और डॉक्टरों की तर्ज पर विधिक सुरक्षा प्रदान करने की मांग अब संसद तक पहुंच गई है। राज्यसभा सांसद एवं सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तंखा ने राज्यसभा मेंसीए प्रोटेक्शन एक्ट लाने की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाते हुए सीए समुदाय को समुचित कानूनी संरक्षण देने का प्रस्ताव रखा। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) से जुड़े एवं रायपुर शाखा के पूर्व अध्यक्ष रवि ग्वालानी ने इसे उनके लंबे समय से चल रहे प्रयासों का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि सीए प्रोटेक्शन एक्ट का विषय उन्होंने सबसे पहले संगठित रूप से उठाया था और तब से निरंतर विभिन्न मंचों, सम्मेलनों और बैठकों में इस मांग को मजबूती से रखते आए हैं। वर्ष 2023 में रायपुर शाखा के अध्यक्ष रहते हुए आयोजित क्षेत्रीय सम्मेलन में ग्वालानी ने तत्कालीन अध्यक्ष अनिकेत तलाटी एवं अन्य काउंसिल सदस्यों के समक्ष सीए प्रोटेक्शन एक्ट का मुद्दा जोर-शोर

से रखा था। उस अवसर पर उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की पेशेवर जिम्मेदारियों, संवेदनशील कार्यप्रणाली एवं बढ़ते दायित्वों को ध्यान में रखते हुए ठोस कानूनी सुरक्षा की आवश्यकता पर बल दिया था। रवि ग्वालानी ने बताया कि दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने कई बार राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तंखा से मुलाकात कर इस विषय पर विस्तार से चर्चा की। अनेक दौर की सार्थक बातचीत के बाद तंखा ने सीए समुदाय की भूमिका, जवाबदेही एवं व्यावसायिक जोखिमों का गहन अध्ययन किया। इसके उपरांत उन्होंने दिनांक 12.02.2026 को राज्यसभा में अत्यंत संतुलित, तार्किक एवं प्रभावशाली ढंग से इस विषय को प्रस्तुत किया। सदन में इस मुद्दे को गंभीरता से सुना गया।

उल्लेखनीय है कि "World Forum of Accountants" में बतौर अतिथि शामिल होते हुए भी विवेक कृष्ण तंखा ने मंच से सीए को कानूनी प्रोटेक्शन देने की आवश्यकता पर स्पष्ट रूप से अपनी बात रखी थी, जिसका सभागार में उपस्थित प्रतिनिधियों ने करतल ध्वनि से स्वागत किया था। इस अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में रायपुर शाखा के पूर्व अध्यक्ष रवि ग्वालानी ने मॉडरेटर की भूमिका निभाई थी।

ग्वालानी ICAI की कमेटी फॉर मेंबर्स इन एंटरप्रेनियोशिप एंड पब्लिक सर्विस के को-ऑप्टेड सदस्य भी हैं। राज्यसभा में प्रस्ताव रखे जाने के पश्चात देशभर के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा इस पहल का स्वागत किया जा रहा है। पेशेवर समुदाय में इसे एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो भविष्य में सीए समुदाय को आवश्यक कानूनी सुरक्षा प्रदान करने की दिशा में निर्णायक साबित हो सकता है।

ज्ञात हो कि विवेक कृष्ण तंखा दूसरी बार राज्यसभा के सदस्य हैं। वे मध्यप्रदेश हाई कोर्ट के एडवोकेट जनरल रह चुके हैं तथा सुप्रीम कोर्ट में अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल का दायित्व भी निभा चुके हैं।

रोड अंडर ब्रिज निर्माण पूर्ण होने पर रेलवे समपार फाटक संख्या 403 जलसों फाटक 20 से स्थाई रूप से बंद रहेगा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर रेल मंडल में हावड़ा -मम्बई मुख्य रेल मार्ग स्थित मानव सहित रेलवे समपार फाटक संख्या 403 (कि.मी. 800/21 - 23) (बैकुंठ - सिलयारी के मध्य) के पास रोड

अंडर ब्रिज का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है आम जनता के लिए दिनांक 20 फरवरी 2026 से रोड अंडर ब्रिज को खोल दिया जाएगा एवं 403 मानव सहित समपार फाटक को 20 फरवरी 2026 से (मध्य रात्रि 24:00 से) स्थाई रूप से बंद कर दिया जाएगा।

जुनेजा के सादगी देख तरीफ करते दिखे युवा कांग्रेस के मनीष शर्मा एवं उदय भान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर /युवा कांग्रेस के सम्मलेन में आये भारतीय राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी मनीष शर्मा एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब ने रायपुर उत्तर के पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा के देवेंद नगर स्थित चौराहे पर पहुँचे यहां उनके सादगी देख उनकी तारीफ करते दिखे! शर्मा ने युवा कांग्रेस के स्थानीय नेताओं से जुनेजा जी के द्वारा आम लोगों की मदद

करने की बात सुन कर उनकी सराहनीय किया! राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान ने उन्हें जन नेता कहते. हुये उनकी प्रशंसा की! इस दरमियान रायपुर शहर अध्यक्ष कुमार मेनन ग्रामीण अध्यक्ष राजेंद्र बंजारे मौजूद रहें! चौराहे पर युवा कांग्रेस नेता जुनेजा जी को आदर्श मानते हुये उनके जैसा सेवा भाव में लगे रहने की बात कहीं !

प्रमुख रूप से विधायक देवेंद यादव ,युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष आकाश शर्मा, दीपक मिश्रा ,सोनू जसमीत शर्मा सहित रायपुर शहर एवं प्रदेश के युवा कांग्रेस नेता मौजूद रहें!

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

बस्तर में ई-ऑफिस और कर्मयोगी पोर्टल पर अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिले में शासकीय कामकाज को पूरी तरह आधुनिक और पेपरलेस बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम उठाया गया है। कलेक्ट्रेट स्थित प्रेरणा सभा कक्ष में गुरूवार को जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर में अधिकारियों और कर्मचारियों को डिजिटल कार्यप्रणाली के नए दौर से जोड़ा गया। यह पहल केवल कागजी फाइलों को कंप्यूटर स्क्रीन पर लाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रशासन में जवाबदेही, पारदर्शिता और गति सुनिश्चित करने का एक महा-अभियान है। कलेक्टर कार्यालय की इस मुहिम के तहत ई-ऑफिस प्रणाली को लागू कर फाइलों के पुराने दौर को पीछे छोड़ते हुए अब त्वरित निर्णय लेने की संस्कृति विकसित की जा रही है, जिससे आम जनता के कार्यों का निपटारा बिना किसी विलंब के संभव हो सकेगा।

इस महत्वपूर्ण सत्र में शासन द्वारा नामांकित मास्टर ट्रेनर्स ने ई-ऑफिस के साथ-साथ प्रशासन के अन्य डिजिटल स्तंभों जैसे स्पैरो, ई-एचआरएमएस और आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल के सूक्ष्म पहलुओं पर विस्तृत प्रकाश डाला। ई-

ऑफिस के माध्यम से जहाँ फाइलों की रियल-टाइम ट्रैकिंग संभव होगी, वहीं स्पैरो पोर्टल के जरिए अधिकारियों के वार्षिक कार्य मूल्यांकन की प्रक्रिया को ऑनलाइन कर उसे अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनाया गया है। इसी कड़ी में ई-एचआरएमएस पोर्टल का उपयोग कर्मचारियों की सेवा संबंधी समस्त जानकारी को डिजिटल स्वरूप देने के लिए किया जाएगा, जिससे अवकाश प्रबंधन से लेकर सेवा पुस्तिका के संधारण तक के कार्य सुगम हो जाएंगे। इसके अतिरिक्त मिशन कर्मयोगी के तहत आईजीओटी पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवकों की दक्षता बढ़ाने और उन्हें निरंतर नवीन कौशल सिखाने पर जोर दिया गया, ताकि वे बदलते समय के साथ खुद को अपडेट रख सकें। प्रशासनिक सुगमता को ध्यान में रखते हुए इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो सुनियोजित चरणों में संपन्न किया गया। सुबह की पहली पाली में कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं, संयुक्त जिला कार्यालय, नगर निगम जगदलपुर और जिला पंचायत बस्तर के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जबकि दोपहर के दूसरे सत्र में जिले के अन्य सभी विभागों के कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया। इस समग्र डिजिटल बदलाव का दूरगामी प्रभाव सरकारी कामकाज की रखरखाव का बोझ कम होगा और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पेपरलेस कामकाज एक मील का पत्थर साबित होगा। बस्तर प्रशासन की यह सक्रियता न केवल फाइलों के निपटारे में तेजी लाएगी, बल्कि शासन और प्रशासन के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को भी एक नई गति प्रदान करेगी।

सुचारू हो जनगणना - कलेक्टर

दंतेवाड़ा, जिला प्रशासन की समय सीमा बैठक जिला कार्यालय में बुधवार को आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव नें मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप जिले में संचालित समस्त निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्माण कार्यों का नियमित निरीक्षण करने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने आयोगों से प्राप्त लंबित पत्रों की जानकारी लेते हुए राज्य महिला आयोग, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग, राष्ट्रीय जनजाति आयोग एवं राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग से संबंधित प्रकरणों की समीक्षा की तथा इनके त्वरित निराकरण करने निर्देश दिए। बैठक में उच्च न्यायालय में लंबित, निराकृत एवं पारित आदेशों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट की प्रस्तुतीकरण करने के साथ-साथ वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी न्यायालयीन प्रकरणों का समय-सीमा के भीतर निराकरण सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक प्रकरण का गहन जनगणना के तहत 23 एवं 24 फरवरी को आयोजित प्रशिक्षण में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को गंभीरता से भाग लेने, दिए गए दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करने तथा जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक सम्पादित करने निर्देश दिए।

भूमकाल दिवस पर शहीद वीर गुंडाधुर को श्रद्धांजलि

बचेली, प्रतिदिन राजधानी

सर्व आदिवासी समाज बचेली के तत्वावधान में मंगलवार को भूमकाल दिवस मनाया गया। वर्ष 1910 के ऐतिहासिक भूमकाल विद्रोह में शहीद हुए वीरों को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम का आयोजन नगर के मुख्य मार्ग एनएमडीसी प्रवेश द्वार पर किया गया, जहां शहीद वीर गुंडाधुर की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। उपस्थित जनसमूह ने जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करने वाले वीरों के अदम्य साहस और बलिदान को स्मरण किया।

वक्ताओं ने कहा कि वर्ष 1910 का भूमकाल विद्रोह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान की ऐतिहासिक पुकार था। इस आंदोलन ने बस्तर की धरती पर स्वतंत्रता की चेतना को प्रज्वलित किया और अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध का स्वर बुलंद किया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने विशेष रूप से वीर गुंडाधुर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने बस्तर क्षेत्र की जनता को एकता के सूत्र में बांधा और क्रांतिकारी विचारधारा को आगे बढ़ाया। उनके नेतृत्व में आदिवासी समाज ने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए साहसिक संघर्ष किया।

इस अवसर पर युवाओं से अपने गौरवशाली इतिहास को जानने, शहीदों के आदर्शों को अपनाने तथा सामाजिक चेतना को मजबूत करने की अपील की गई। इस दौरान समाज के पदाधिकारियो सहित बड़ी संख्या में सदस्यों की मौजूदगी रही।

शासन की दूरदर्शी सोच से शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा सकारात्मक बदलाव - विक्रांत सिंह

खैरागढ़, प्रतिदिन राजधानी

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गंडई में शासन की महत्वाकांक्षी सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत उपाध्यक्ष विक्रांत सिंह उपस्थित रहे। विद्यालय पहुंचने पर उनका पुष्पगुच्छ भेंटकर आत्मीय स्वागत किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी और लाभकारी योजना है। इससे दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली बालिकाओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलती है तथा उनकी शिक्षा निरंतर जारी रखने में महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और छात्राओं का उत्साह भी बढ़ा है। श्री सिंह ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव एवं सांसद संतोष पांडे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की दूरदर्शी सोच और प्रतिबद्धता के कारण शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सकारात्मक कार्य हो रहे हैं। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर उपस्थित जनों का मन मोह लिया। समारोह में राकेश ठाकुर, श्यामपाल ताम्रकार, जीवनदास रात्रे, दीना जंघेल, रवि भावनानी सहित बड़ी संख्या में स्कूली छात्राएं एवं नागरिक उपस्थित रहे।

188वीं वाहिनी सीआरपीएफ का पेदारास में सिविक एक्शन कार्यक्रम

कोंडागांव,प्रतिदिन राजधानी

188वीं वाहिनी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा 10 फरवरी 2026 को सुकमा जिले के पेदारास क्षेत्र में सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नागरिकों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस उप महानिरीक्षक रेंज जगदलपुर अरूल कुमार, 188वीं बटालियन के कमांडेंट भवेश कुमार चौधरी, सहायक कमांडेंट कमल सिंह मीणा, एस.के. दिनेश तथा के.के. चंद्रा के नेतृत्व में ई/188 समवाय की टीम मौजूद रही।

इस दौरान पंचायत पेदारास, टंगारास, बोदारास, जंगमपाल, पुसगुन्ना, कुन्दनपाल एवं डोलेरास क्षेत्र के विद्यार्थियों को स्कूल बैग और लेखन सामग्री वितरित की गई। महिलाओं एवं ग्रामीणों को साड़ी और एलईडी बल्ब दिए गए। युवाओं को खेल सामग्री जैसे क्रिकेट किट, कैरम बोर्ड, वॉलीबॉल, वॉलीबॉल नेट और फुटबॉल वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता, स्वच्छता और युवाओं को भर्ती प्रक्रिया संबंधी जानकारी भी दी गई।

कार्यक्रम में उप स्वास्थ्य केंद्र कुन्दनपाल की परिचारिका सद्रुपा मंडावी और दुर्गा मंडावी, विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, कन्या आश्रम के अधीक्षक सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

कोंडागांव को कुपोषण मुक्त बनाने वजन त्यौहार का शुभारंभ

कोंडागांव,प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव विकासखंड अंतर्गत ग्राम पलारी के बड़ेपारा-2 में सोमवार को कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने जिला स्तरीय वजन त्यौहार 2026 का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने बच्चों की वजन प्रक्रिया का अवलोकन किया और कुपोषित बच्चों की जानकारी ली तथा स्वच्छता, शौचालय एवं पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। पेयजल की समुचित व्यवस्था न होने पर उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग से समन्वय कर शीघ्र व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए। वजन त्यौहार का आयोजन 18 फरवरी तक जिले के सभी ग्राम पंचायतों के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों आयोजित किए जायेंगें। जिसका उद्देश्य कुपोषण की पहचान, रोकथाम एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देना और प्रत्येक परिवार को उनके बच्चों की वास्तविक पोषण स्थिति की जानकारी देना तथा सुपोषित छत्तीसगढ़ अभियान के क्रियान्वयन में जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। इस वजन त्यौहार के दौरान बच्चों में कुपोषण की वास्तविक स्थिति का आंकलन कर प्रत्येक बच्चे की जानकारी सॉफ्टवेयर में दर्ज की जाएगी।

बस्तर के अंतिम छोर तक पहुंचेगी बस सेवा

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर जिले के दूरस्थ और दुर्गम ग्रामीण क्षेत्रों को सार्वजनिक परिवहन की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कलेक्टर आकाश छिकारा ने एक बड़ी पहल की है। जिले के अंतिम छोर पर बसे ग्रामीणों को सुगम और सस्ती परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की अपनी प्राथमिकता को दोहराते हुए कलेक्टर ने मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सेवा योजना के विस्तार के निर्देश दिए हैं। उनकी इस मंशा के अनुरूप अब परिवहन विभाग उन अंदरूनी इलाकों में बसों के परिचालन की तैयारी कर रहा है, जहाँ नई सड़कें तो बन चुकी हैं, लेकिन अब तक यात्री बसों की कमी के कारण ग्रामीणों को मीलों पैदल चलना पड़ता है या निजी वाहनों पर निर्भर रहना पड़ता है।

कलेक्टर आकाश छिकारा की पहल पर नए ग्रामीण रूटों का खाका होगा तैयार

कलेक्टर छिकारा ने इस विषय को समय-सीमा की बैठक में शामिल करते हुए इसे सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा है। उनके विजन के तहत प्रशासन का लक्ष्य केवल सड़क बनाना नहीं, बल्कि उन सड़कों पर सुव्यवस्थित बस सेवा संचालित कर ग्रामीणों के लिए बाजार, अस्पताल और शिक्षण संस्थानों तक पहुँच को आसान बनाना है। इसी कड़ी में क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों और जनपद सीईओ को अवगत कराया गया है कि वे अपने क्षेत्रों के उन नए मार्गों का चयन करें जहाँ यात्री वाहनों की तत्काल आवश्यकता है। अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर नए मार्गों का चयन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया है ताकि जल्द से जल्द राज्य शासन को प्रस्ताव भेजकर बस संचालन शुरू कराया जा सके।

कलेक्टर आकाश छिकारा के इस संवेदनशील दृष्टिकोण से न केवल बस्तर के ग्रामीण परिवहन की सूरत बदलेगी, बल्कि इससे अंदरूनी क्षेत्रों के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी एक नई गति मिलेगी।

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आवेदनों का समय सीमा में करें निराकरण - कलेक्टर आकाश

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर आकाश छिकारा ने कहा कि लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत आवेदनों का समय सीमा में निराकरण करें, अन्यथा संबंधित कर्मचारी को अर्थदण्ड अधिरोपित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि शासन के महत्वपूर्ण निर्देशों का और प्राथमिकता वाले योजनाओं के क्रियान्वयन को समय सीमा में पूरा किया जाना है। उक्त विषय की समीक्षा हर साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में होगी, इसकी जानकारी सभी विभाग अद्यतन कर रखें। कलेक्टर आकाश बुधवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक ले रहे थे।

बैठक में कलेक्टर ने सम्पूर्णता अभियान के संकेतकों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने अनुभाग क्षेत्र में पीडीएस दुकानों के निगरानी समिति का गठन करवाएँ। तहसीलदारों के द्वारा एमआईएस एंट्री, राजस्व सर्वे, डिजिटल ब्लॉक सर्वे, खसरा का सर्वे और अभिलेख शुद्धिकरण के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जाए

बैठक में कलेक्टर ने खाद्य विभाग से

कस्टम मिलिंग के चावल को नियमानुसार जमा करवाने, धान का उठाव की स्थिति, चावल उत्सव का आयोजन, खाद्यान भण्डारण की स्थिति, एफआरके के तहत भण्डारण की स्थिति और ई-केवाईसी की स्थिति की समीक्षा किए। महिला एवं बाल विकास विभाग के सक्षम आंगनबाड़ी, पोषण ट्रैकर के तहत पोषण आहार सामग्री वितरण, मातृ वंदना योजना की प्रगति, 0-6 वर्ष के बच्चों का सेल्फ आधार की जानकारी, बच्चों का आधार नंबर पोषण ट्रैकर पोर्टल पर एंट्री की समीक्षा की। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से संस्थागत प्रसव, हाई रिस्क प्रेगेंनेंसी का चिंहाकन कर उपचार हेतु कार्यवाही, आभा आईडी, आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड के प्रगति का संज्ञान लिया। उन्होंने आयुष्मान कार्ड के प्रगति हेतु 19 फरवरी को आयुष्मान कार्ड का विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए, जिसमें लंबित वाले गांवों कें लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके ।

कलेक्टर ने कहा कि नवजात बच्चों का टीकाकरण समय पर पूर्ण करवाएं, लक्ष्य के आधार पर कार्यवाही कर आरसीएच पोर्टल पर संख्या दर्ज करवाएं। टीकाकरण में एक भी बच्चा नहीं छूटना चाहिए। अस्पतालों में एएनएम की अनुपस्थिति में टीकाकरण हेतु लिंक कर्मचारी की ड्यूटी भी लगाई जाए। साथ ही कोल्ड चैन से दवाइयों की उपलब्धता भी सुनिश्चित करें।

बैठक में आदि कर्मयोगी, नक्सल पुर्नवास नीति, लखपति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, पीएम सूर्य घर के लक्ष्य, योजना के बैंक के संबंधित प्रकरणों का तत्काल निराकरण, सामाजिक सहायता पेंशन के लिए चिन्हांकित केंद्रीय स्कीम पेंशन, डीएलसी की प्रगति, किसान क्रेडिट कार्ड के बैंक से प्रकरणों मे आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने पीएम किसान सम्मान निधि योजनान्तर्गत आधार सीडिंग की प्रगति, एग्रीस्टैक की प्रगति के लंबित पंजीयन को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुनादी करवाकर किसानों को एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए प्रेरित करें । कलेक्टर ने कहा कि उल्लास साक्षरता अभियान के तहत असाक्षर व्यक्तियों का सर्वे कर जानकारी दें ताकि शत-प्रतिशत साक्षर जिला का लक्ष्य को पूरा किया जा सके। उन्होंने पीएम स्कूल के आवश्यक निर्माण कार्यो की प्रगति एवं मुख्यमंत्री स्कूल जतन योजना के निर्माण का सत्यापन करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जाति प्रमाण पत्र के निर्माण अंतर्गत लक्ष्य निर्धारण कर सेचुरेशन करने की पहल करने की बात कही। इस हेतु विशेष ग्राम सभा में बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों का निर्माण करवाकर ऑनलाइन एंट्री भी करवाएं। स्कूल शिक्षा के अधिकारियों को अपार आईडी की प्रगति को स्कूलों के नोडल अधिकारी बनाकर अपार आईडी के लंबित वाले स्कूलों को गति दी जाए। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा और विभागों को जमीन की आवश्यकता पर चर्चा किए। उन्होंने कहा कि आरबीसी 6-4 के प्रकरण का तत्काल निराकरण करें।

युवाओं के लिए बड़ी खबर- जगदलपुर में संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

युवाओं को निजी क्षेत्र में कैरियर बनाने के बेहतर अवसर प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बस्तर संभाग में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 16 और 17 फरवरी को जगदलपुर के आड़ावाल स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में यह दो दिवसीय रोजगार मेला आयोजित होगा, जिसमें सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक युवाओं को सीधे रोजगार के अवसरों से जुड़ने का मौका मिलेगा।जिन अभ्यर्थियों का पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है, ऐसे प्रशिक्षार्थी अपने निकटतम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं अथवा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कराकर इस संभाग स्तरीय मेले का लाभ उठा सकते हैं।

इस मेले में विशेष रूप से बस्तर जिले के विभिन्न शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं बस्तर, बकावण्ड, भानपुरी, जगदलपुर, प्रशिक्षार्थी भी शामिल होंगे। इच्छुक उम्मीदवार अपने समस्त शैक्षणिक एवं तकनीकी दस्तावेजों के साथ नियत समय पर कार्यक्रम स्थल पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो सकते हैं।

जिन अभ्यर्थियों का पंजीयन अब तक नहीं हो पाया है, ऐसे प्रशिक्षार्थी अपने निकटतम औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकते हैं अथवा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://erojgar.cg.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कराकर इस संभाग स्तरीय मेले का लाभ उठा सकते हैं।

जगदलपुर में दो दिवसीय संभाग स्तरीय रोजगार मेला 16 से 1537 पदों पर होगी सीधी भर्ती

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर संभाग के शिक्षित युवाओं के लिए रोजगार पाने का एक बेहतरीन अवसर सामने आया है। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जगदलपुर द्वारा आगामी सोमवार 16 और मंगलवार 17 फरवरी को एक विशाल संभाग स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम आड़ावाल स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में प्रातः 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक आयोजित होगा। इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें निजी क्षेत्र के कुल 17 नियोजक हिस्सा ले रहे हैं, जो तकनीकी और गैर-तकनीकी श्रेणी के 1537 विभिन्न पदों को भरने के लिए युवाओं का साक्षात्कार लेंगे।

इस रोजगार मेले में सम्मिलित होने के लिए इच्छुक उम्मीदवारों का रोजगार पंजीयन होना अनिवार्य है इच्छुक युवा विभागीय पोर्टल www.erojgar.cg.gov.in पर जाकर रिक्तियों की विस्तृत जानकारी ले सकते हैं और ई-रोजगार ऐप, लोक सेवा केन्द्र या नजदीकी रोजगार कार्यालय के माध्यम से अपनी योग्यता के अनुसार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन करने के पश्चात अभ्यर्थियों को मेला स्थल पर अपना प्रवेश पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रति लेकर उपस्थित होना होगा।

आवेदकों की सुविधा का ध्यान रखते हुए जिला प्रशासन ने नया बस स्टैण्ड, जगदलपुर से रोजगार मेला स्थल (आड़ावाल) तक के लिए निःशुल्क बस सेवा संचालित करने का निर्णय लिया है। यह पूरी सेवा पूरी तरह से निःशुल्क है और किसी भी प्रकार के शंका की स्थिति में अभ्यर्थी विभागीय टोल-फ्री नम्बर 1800-233-2203 पर सुबह 10 से शाम 05 बजे के बीच संपर्क कर सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

टी-20 वर्ल्ड कप : श्रीलंका लगातार दूसरा मैच जीता, ओमान 105 रन से हारा

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 के 16वें मुकाबले में श्रीलंका क्रिकेट टीम ने ओमान क्रिकेट टीम को 105 रनों से हरा दिया। ये टी-20 विश्व कप के इतिहास में श्रीलंका की रनों के लिहाज से मिली दूसरी सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले उसने साल 2007 में केन्या क्रिकेट टीम को 172 रन से हराया था। नीदरलैंड क्रिकेट टीम को श्रीलंका 2024 के विश्व कप में 83 रन से हरा चुकी है। ओमान ने मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। उनका ये फैसला गलत साबित हुआ। श्रीलंका के लिए पवन रत्नायके (60), कुसल मेंडिस (61) और दासुन शनाका (50) ने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली और 225/5 का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। जवाब में ओमान के लिए कोई भी बल्लेबाज मैच जिताऊ पारी नहीं खेल पाया। मोहम्मद नदीम ने सबसे ज्यादा 53 रन बनाए। ओमान की पूरी टीम 120/9 का स्कोर ही बना पाई।

पवन रत्नायके ने जड़ा अपना पहला टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक : रत्नायके ने 28 गेंदों का सामना किया और कुल 60 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 8 चौके और 1 छक्का निकला। उनकी स्ट्राइक रेट 214.29 की रही। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला ही अर्धशतक रहा, जिसे उन्होंने सिर्फ 24 गेंदों में पूरा किया। इस खिलाड़ी ने टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए तीसरा सबसे तेज अर्धशतक भी जड़ा। रत्नायके ने 7 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं और 25.20 की औसत से 126 रन बनाए हैं।

शनाका ने श्रीलंका के लिए जड़ा सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक

शनाका ने सिर्फ 20 गेंदों का सामना किया और 50 रन बनाकर आउट हुए। उनके बल्ले से 2 चौके और 5 छक्के निकले। उनकी स्ट्राइक रेट 250 की रही। ये उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 7वां और टी-20 विश्व कप में पहला ही अर्धशतक रहा। शनाका ने सिर्फ 19 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह श्रीलंका के लिए इस प्रारूप में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए। उन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा।

शनाका ने ये रिकॉर्ड किए अपने नाम : शनाका अब टी-20 विश्व कप में श्रीलंका के लिए सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज भी बन गए हैं। उन्होंने पूर्व दिग्गज महेला जयवर्धने का रिकॉर्ड तोड़ा है। महेला ने साल 2007 के टी-20 विश्व कप में केन्या क्रिकेट टीम के खिलाफ सिर्फ 21 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। वहीं, श्रीलंका के लिए इससे पहले शनाका ने ही सिर्फ 20 गेंदों में अर्धशतक जड़ा था। उन्होंने ये पारी भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ साल 2023 में खेली थी।

मेंडिस ने 45 गेंदों का सामना किया और 61 रन बनाए। उनके बल्ले से 7 चौके निकले और उनकी स्ट्राइक रेट 135.56 की रही। इस पारी के दौरान उन्होंने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 2,500 रन भी पूरे कर लिए। वह ऐसा करने वाले श्रीलंका के पहले बल्लेबाज बने हैं।

इटली की टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत, नेपाल को 10 विकेट से हराया

नई दिल्ली। इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहली जीत हासिल की है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। ग्रुप सी के इस मैच में इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में बिना नुकसान के चेज कर दिया। मोस्का ब्रदर्स ने शतकीय साझेदारी की। जस्टिन मोस्का ने नाबाद 60 और एंथोनी मोस्का ने नाबाद 62 रन बनाए। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इटली ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। नेपाल 19.3 ओवर में 123 रन पर ऑलआउट हो गई। नेपाल के आरिफ शेख ने सबसे ज्यादा 27 रन बनाए। दीपेंद्र सिंह ऐरी 17 रन, रोहित पौडेल 23 रन और आसिफ शेख 20 रन बनाकर आउट हुए। क्रिशन कालुगामगे ने 3 विकेट झटके। बेन मेनेंटी को 2 विकेट मिला। अली हसन, जेजे स्मट्स और जसप्रीत सिंह को एक-एक विकेट मिला।

एंथोनी मोस्का के बल्ले से निकली इटली की पहली जीत : इटली ने टी-20 वर्ल्ड कप में पहला मैच जीत लिया है। टीम ने नेपाल को 10 विकेट से हराया। इटली ने 124 रन का टारगेट 12.4 ओवर में चेज कर लिया है। 11वें ओवर में इटली ने 100 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। जस्टिन मोस्का ने फिफ्टी पूरी की। उन्होंने एंटोनी मोस्का के साथ शतकीय साझेदारी की। 9वें ओवर में नंदन यादव ने 12 रन खर्च किए।

भारतीय बल्ले विश्वस्तरीय उनको लेकर मेरे बयान को गलत समझा गया : राजपक्षा

नई दिल्ली। श्रीलंकाई बल्लेबाज भानुका राजपक्षा ने भारतीय खिलाड़ियों के बल्ले को लेकर दिये गये अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा है कि उनकी बात का गलत अर्थ निकाला गया है। वह तो भारतीय क्रिकेट और उनके खेल से जुड़े साजो सामान की की प्रशंसा ही कर रहे थे। इससे पहले राजपक्षा ने कहा कि भारतीय खिलाड़ियों के बैट इसने अच्छे दिखते है जैसे की वे मोडिफाइड हों। ऐसा लगता है उनपर रबड़ की एक परत लगी हुई है और सबसे खास बात ये है कि कोई अन्य इन बल्लों को नहीं खरीद सकता है। श्रीलंकाई क्रिकेटर की इस टिप्पणी को बैट-टैंपरिंग के रूप में लिय गया। ये भी कहा गय कि वह भारतीय बल्लेबाजों के बल्लों पर सवाल उठाल रहे हैं। उनपर मानकों से हटकर अगल बल्ला इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहे हैं। इसी विवाद को लेकर अब राजपक्षा ने कहा है कि उनकी बात को गलत समझा गया है। राजपक्षा ने कहा था, 'हम जो सबसे अच्छे बल्ले पा सकते हैं, उससे भी कहीं बेहतर बल्ले भारतीय खिलाड़ियों के पास हैं। ऐसा लगता है कि जैसे उस पर रबड़ की कोई परत सी लगी हुई हो। मैं ये कल्पना नहीं कर सकता कि ऐसे बल्ले बनना कैसे संभव हो सकता है। खास बात से है कि इनका दूसरे खरीद तक नहीं सकते।'

छत्तीसगढ़ की लगातार चौथी जीत, विदर्भ को 7 विकेट से हराया, छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया

रायपुर। विदर्भ ने पहले बल्लेबाजी करते हुये 47.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर 158 रन ही बनाये। विदर्भ की ओर से कप्तान दिशा कसाट ने 65 रन तथा लतिका इनामदार ने 27 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त मोना ने 17 रन बनाये। छत्तीसगढ़ टीम के गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुये विदर्भ के बल्लेबाजों को रन बनाने से रोके रखा तथा नियमित अंतराल में विकेट लेते रहें। छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे तथा तरन्नुम पठान ने 4-4 विकेट प्राप्त किया। 159 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने 47.3 ओवरों में 3 विकेट खोकर 159 रन बनाकर मैच जीत लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से महक नरवसे ने दोहरा प्रदर्शन करते हुये 66 रनों का योगदान दीया। उनके अतिरिक्त शिल्पा साहु ने महत्वपूर्ण 45 रन तथा कप्तान कृति गुप्ता ने 27 नाबाद रनों का योगदान दिया। विदर्भ की ओर से कोमल, कंचन तथा आरती बेहनवाल ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। छत्तीसगढ़ ने मैच 7 विकेट से जीत लिया। महक नरवसे प्लेयर ऑफद मैच बनीं।

ऐश्वर्य की अगुवाई में भारत का 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस में क्लीन स्वीप

नई दिल्ली। नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में एशियन राइफल-पिस्टल चैंपियनशिप 2026 के फाइनल में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने अपने अनुभव का शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम शॉट में 10.7 का सटीक निशाना लगाया और नीरज कुमार को पछाड़कर 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशंस स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत ने इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप किया, जिसमें अखिल श्योराण ने कांस्य पदक जीता। नीरज कुमार के लिए यह पहला व्यक्तिगत अंतरराष्ट्रीय पदक है। वह 35वें और अंतिम शॉट से पहले 0.2 अंकों की बढ़त पर थे। उन्होंने पहले निशाना साधते हुए 10.3 का स्कोर किया, जिससे ऐश्वर्य को स्वर्ण जीतने के लिए 10.6 की आवश्यकता थी। विश्व चैंपियनशिप रजत पदक विजेता ऐश्वर्य ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 10.7 का शॉट लगाया और नीरज को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक जीत लिया। ऐश्वर्य का कुल स्कोर 362.0 रहा, जबकि नीरज 361.8 अंकों के साथ रजत पदक पर रहे। अखिल श्योराण ने 343.5 के स्कोर के साथ कांस्य पदक हासिल किया। जूनियर पुरुष वर्ग के फाइनल में आद्रियान कर्माकर ने चैंपियनशिप का अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीतते हुए 353.2 का स्कोर बनाया, जो कज़ाख़स्तान के रजत पदक विजेता दिमित्री किम से 4.7 अंक अधिक था।

रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप खेलने को तैयार...बोले-मेरा लक्ष्य देश के लिए ट्रॉफी जीतना है, बीसीसीआई ने कॉन्ट्रैक्ट में ग्रेड-बी में रखा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने वनडे भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी को लेकर रोहित ने बड़ा बयान दिया है। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित अब केवल वनडे फॉर्मेट में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं।

2027 में जब वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होगा, तब रोहित 40 साल के होंगे। हालांकि, रोहित ने साफ किया है कि उनका लक्ष्य अभी भी टीम के साथ वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाना है और वह इसके लिए खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं। एक आईसीसी इवेंट के दौरान रोहित ने कहा, 'मैं निश्चित रूप से वहां जाना चाहता हूं और अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने हमेशा देखा है। मैं 50 ओवर का वर्ल्ड कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। तब कोई टी-20 वर्ल्ड कप या आईपीएल नहीं था। यह क्रिकेट का शिखर था जो हर चार साल में होता था।'

रोहित बोले-बचपन से 50 ओवर के वर्ल्ड कप का सपना देखा

रोहित शर्मा ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उस एक ट्रॉफी के लिए बहुत इंतजार और बेताबी रहती थी। उन्होंने कहा, 'मुझे वह ट्रॉफी चाहिए, इसलिए मैं अपनी शक्ति और क्षमता के अनुसार कड़ी मेहनत करने और उसे हासिल करने की पूरी कोशिश करूंगा।' 38 साल के रोहित ने 2024 में भारत के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। वहीं, पिछले साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में रोहित-विराट अब ग्रेड-बी में

बीसीसीआई ने खिलाड़ियों के सालाना सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की नई लिस्ट जारी की है। इसमें एक बड़ा बदलाव करते हुए ए+ कैटेगरी को खत्म कर दिया गया है, जिसमें पहले खिलाड़ियों को 7 करोड़ रुपए मिलते थे। रोहित शर्मा और विराट कोहली को अब ग्रेड-बी में रखा गया है। बोर्ड ने कुल 30 पुरुष और 21 महिला क्रिकेटरों को कॉन्ट्रैक्ट दिया है, जिन्हें ए, बी और सी ग्रुप में बांटा गया है। नया कॉन्ट्रैक्ट पिछले सीजन में खिलाड़ियों के प्रदर्शन और खेले गए मैचों की संख्या के आधार पर तय किया गया है।

बुमराह और गिल ग्रेड-ए में बरकरार, जडेजा को भी जगह

बीसीसीआई की नई लिस्ट में वनडे और टी-20 कप्तान शुभमन गिल, सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को ग्रेड-ए में बरकरार रखा गया है। हालांकि, बोर्ड ने इस बार तीनों कैटेगरी के लिए दी जाने वाली रिटेनरशिप फीस का खुलासा नहीं किया है। रोहित और विराट के ग्रेड-बी में जाने की मुख्य वजह उनका केवल एक फॉर्मेट (वनडे) में खेलना माना जा रहा है।

वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी और फिटनेस चुनौती

रोहित शर्मा के लिए सबसे बड़ी चुनौती उम्र और फिटनेस होगी। 2027 तक उनकी उम्र 40 पार कर जाएगी। क्रिकेट एक्सपर्ट्स का मानना है कि रोहित जिस तरह की फॉर्म में हैं, अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते हैं तो 2027 में भारत के लिए ओपनिंग की जिम्मेदारी संभाल सकते हैं। फिलहाल उनका पूरा ध्यान 2025 में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी और उसके बाद वर्ल्ड कप के रोडमैप पर है।

स्टोक्स जून में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज से कर सकते हैं वापसी करेंगे

नई दिल्ली। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स की सर्जरी सफल रही है और वह अब उससे उबर रहे हैं। स्टोक्स की जून में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी होने की संभावना है। तब इंग्लैंड को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलनी है। इससे पहले वह काउंटी चैंपियनशिप में डरहम की ओर से खेलकर अपनी फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। स्टोक्स इस दौरान खेल से संबंध बनाये रखने के लिए कोचिंग भी करना चाहते हैं। वह अबू धाबी में पाकिस्तान शाहीन के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए मोईन अली और एंड्रयू फ्लिंटॉफ के साथ इंग्लैंड लायंस के कोचिंग स्टाफ में भी शामिल हैं। चयनकर्ताओं के मुताबिक, फरवरी और मार्च में होने वाली इस सीरीज में तीन टी20 मैचों के लिए 17 खिलाड़ियों की टीम और पांच 50-ओवर के मैचों के लिए 16 खिलाड़ियों का ग्रुप होगा। स्टोक्स के सामने असली चुनौती टेस्ट कप्तान के रूप में इंग्लैंड के प्रदर्शन को को फिर से बेहतर बनाना है। टीम की आकामक बैजबॉल रणनीतिक पिछले कुछ समय में असफल रही है और उसे एशेज सहित कई बड़ी सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज में 4-1 से हार के बाद स्टोक्स और मैकुलम की कप्तान-कोच की जोड़ी पर सवाल उठे थे। स्टोक्स को चोट तब लगी थी जब वह नेट्स के किनारे खड़े थे। पिछले सप्ताह उन्होंने सोशल मीडिया में कहा था कि उन्हें सर्जरी करानी है। स्टोक्स गत माह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट के दौरान एडक्टर इंजरी के कारण खेल से बाहर हो गये थे।

रणजी ट्रॉफी के लिए विजयकुमार की कर्नाटक टीम में वापसी

बेंगलुरु। कर्नाटक ने तेज गेंदबाज वैसाख विजयकुमार को उत्तराखंड के खिलाफ होने वाले रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए अपनी टीम में शामिल कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबला 15 फरवरी से लखनऊ में खेला जाएगा। वैसाख चोटिल होने के कारण पिछले दो दौर से टीम के साथ नहीं थी। अब जबकि वह फिट हो गये हैं। टीम ने राहत की सांस ली है। उनके आने से टीम की गेंदबाजी बेहतर होगी। अब विजयकुमार को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिल गयी है। उन्हें तेज गेंदबाज एम वेंकटेश की जगह टीम में शामिल किया गया है। टीम में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल हैं। इसके अलावा बल्लेबाजी की जिम्मेदारी मयंक अग्रवाल, करुण नायर पर भी रहेगी। टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल करेंगे। पूर्व क्रिकेटर येरे गौड़ की कोचिंग में आठ बार की विजेता रही कर्नाटक ने क्वार्टरफाइनल में मुंबई को चार विकेट से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया है। कर्नाटक टीम देवदत्त पडिक्कल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, केएल राहुल, केवी अनीश, करुण नायर, आर स्मरण, श्रेयस गोपाल, कृतिक कृष्णा, विद्वथ कावेरप्पा, विद्याधर पाटिल, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहसिन खान, शिखर शेट्टी, केएल श्रीजीत, वैसाख विजयकुमार।

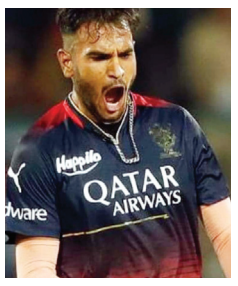

टी-20 विश्व कप 2026 : मोहम्मद नबी पर अंपायर का फैसला न मानने पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को अपने दूसरे मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस शिकस्त के बाद अफगान टीम के लिए एक और बुरी खबर है। दरअसल, अफगानिस्तान के प्रमुख ऑलराउंडर मोहम्मद नबी पर मैच के दौरान अंपायर का फैसला न मानने के लिए जुर्माना लगाया गया है।

नबी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया : यह घटना अफगानिस्तान की पारी के 14वें ओवर में हुई, जब नबी की अंपायरों से गेंदबाज लुंगी एनगिडी के रिस्ट बैंड को लेकर काफी देर तक बहस हुई। अंपायर के फैसले पर एतराज जताते हुए नबी ने आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 का उल्लंघन किया। इस अपराध के चलते नबी पर मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना तय किया गया है। इसके बाद नबी ने अपनी गलती स्वीकार की है।

नबी को एक डिमेरिट अंक भी दिया गया

आईसीसी ने गुरुवार को एक रिलीज में कहा कि नबी ने गलती मान ली और एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी डेविड गिल्बर्ट द्वारा बताई गई सजा को मान लिया। आईसीसी के नियमों के मुताबिक, जब कोई भी खिलाड़ी अपनी गलती स्वीकार कर लेता है तो किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ती। उन्हें एक डिमेरिट अंक भी दिया गया है क्योंकि यह 24 महीने के समय में उनकी पहली गलती थी।

भारत के खिलाफ मुकाबले को लेकर हम पर कोई दबाव नहीं : साहिबजादा फरहान

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान ने कहा है कि 15 फरवरी को भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबले के लिए उनकी टीम तैयार है। फरहान ने कहा है कि इस महामुकाबले को लेकर उनकी टीम पर कोई दबाव नहीं है। पाक ने अपनी ग्रुप स्तर के शुरुआती मुकाबलों में नीदरलैंड और अमेरिका को हराया है। इसमें फरहान ने काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की है जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है। इसी को देखते हुए फरहान ने कहा कि दबाव भारतीय टीम पर अधिक होगा। इस बल्लेबाज ने कहा, जब आप दो लगातार मैच जीतते हैं, तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। आने वाला मैच कोई बड़ी बात नहीं है, हम भारतीय टीम

के खिलाफ पहली बार नहीं खेल रहे हैं। पहले भी खेल चुके हैं। इस बार उनके खिलाफ हम अलग प्रकार की रणनीति के साथ खेलेंगे। उन्होंने कहा, आपने हमें पहले कठिन हालातों में और संघर्ष करते हुए देखा है पर अब जबकि शादाब और नवाज रन बना रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि ये मुकाबला रोमांचक होगा और इसका सभी को आनंद आएगा। भारत और पाकिस्तान के बीच कुछ साल में हुए कई मैच एकतरफा रहे हैं और भारत ने आसानी से जीत हासिल की है। इसको लेकर फरहान ने कहा कि मुझे लगता है कि एशिया कप के दौरान हमारा मैच एकतरफा नहीं था। हम अंत तक खेले और लड़े। उम्मीद है कि इस बार हम और बेहतर खेल दिखाएंगे। फरहान ने कहा, मुझे लगता है कि जब आप रन बनाते हैं तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। पिछली दो पारियों के बाद मेरा मनोबल भी बढ़ा है। भारत के खिलाफ मैच को हम एक आम मैच की तरह लेंगे और इसमें शांत दिमाग के साथ उतरेंगे। फरहान ने नीदरलैंड के खिलाफ पहले मैच में 47 रन जबकि अमेरिका के खिलाफ 73 रन बनाये थे।

बटलर ने सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकार्ड बनाया

इंग्लैंड की टीम के विकेटकीपर जोस बटलर ने भारत में जारी टी20 विश्कप के दौरान सबसे ऊंचा कैच पकड़ने का विश्व रिकॉर्ड अपने नाम किया है। इससे पहले ये रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया के टिमोथी शैनन जेबेसीलन के नाम दर्ज था। टिमोथी ने सिडनी में 19 नवंबर 2021 को 119.86 मीटर करीब 393 फीट 2.897 इंच ऊंचाई वाला कैच पकड़ा था। बटलर ने ये रिकार्ड इंग्लैंड के ही पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन की देखरेख में बनाया है। बटलर के लिए सबसे ऊंचा कैच पकड़ना आसान नहीं था। उन्होंने करीब 60 मिनट तक इसके लिए तैयारी की थी और अंत में इसे पूरा किया। बटलर ने इसके बाद 122 मीटर ऊपर से ड्रोन से गिराए गए इस कैच को पकड़ा, ये तब लगभग 400 फीट जमीन से ऊपर था। गौरतलब है कि अभी तक किसी ने भी 120 मीटर से ऊपर का कैच नहीं पकड़ा है। बटलर को 60 मिनट इस रिकॉर्ड कैच के लिए मिले थे। 50 मीटर के कैच से उन्होंने शुरुआत की थी। पहले कुछ प्रयासों में तो उन्हें समझ ही नहीं आ रहा था कि उनके साथ क्या हो रहा है।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

सैमसंग पेश करेगा नया गैलेक्सी एस26 एआई स्मार्टफोन

नई दिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इस महीने अमेरिका में होने वाले गैलेक्सी अनपैक्ड 2026 इवेंट में अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफोन पेश करेगा। कार्यक्रम 25 फरवरी, को सैन फ्रांसिस्को में आयोजित होगा। कंपनी ने अपने आमंत्रण में कहा- द नेक्स्ट एआई फोन मेक्स योर लाइफ ईजियर। नए स्मार्टफोन, संभवत: गैलेक्सी एस26, में उन्नत एआई फीचर्स होंगे। यह फोन रोजमर्रा के काम आसान बनाने, आत्मविश्वास बढ़ाने और गैलेक्सी एआई को सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। फोन में नया प्राइवेसी फीचर भी शामिल होगा, जिससे यूजर्स स्क्रीन की जानकारी दूसरों से छिपा सकेंगे। इसके लिए किसी अतिरिक्त स्क्रीन गार्ड की आवश्यकता नहीं होगी। यूजर्स विभिन्न सेटिंग्स के माध्यम से स्क्रीन की विज़िबिलिटी नियंत्रित कर पाएंगे, जिससे शोल्डर सर्फिंग से बचाव होगा। सैमसंग ने इस तकनीक को विकसित करने में पांच साल से अधिक समय लगाया। यह फीचर विशेष रूप से एस26 अल्ट्रा मॉडल में उपलब्ध हो सकता है और एआई के नए दौर की शुरुआत का संकेत देता है।

पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी लांच कर रही आईपीओ, तेजी से बढ़ रहा ब्रांड

नई दिल्ली। पीएनजीएस रेवा डायमंड ज्वेलरी 24 से 26 फरवरी 2026 तक अपना आईपीओ लेकर आ रही है। यह 380 करोड़ रुपये का पूरी तरह से फ्रेश इश्यू है, जिसमें ओएफएस नहीं है। प्री-इश्यू शेयर 2,18,66,400 हैं और फेस वैल्यू 10 है। शेयर आवंटन में क्यूआईबी के लिए 75 फीसदी, एचएनआई के लिए 10 फीसदी और रिटेल निवेशकों के लिए 15 फीसदी हिस्सा आरक्षित है। ग्रे मार्केट में शेयर पहले से 10 रुपए प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। रेवा ब्रांड जनवरी 2025 में 190 साल पुरानी पी. एन. गाडगिल एंड सन्स से अलग हुआ। कंपनी डायमंड और प्रेशियस स्टोन ज्वेलरी गोल्ड व प्लेटिनम में डिजाइन करती है। शुरुआती कीमत 20,000 रुपए से है, जिससे मिडिल और अपर मिडिल क्लास ग्राहक टारगेट हैं। 30 सितंबर 2025 तक कंपनी 33 स्टोर्स पर काम कर रही है। ग्रॉस प्रॉफिट मार्जिन 26.67 फीसदी है। आईपीओ से जुटाई गई राशि में से 286.56 करोड़ रुपये नए 15 स्टोर्स खोलने में और 35.40 करोड़ रुपये मार्केटिंग पर खर्च होंगे।

अडाणी पावर ने परमाणु ऊर्जा कारोबार के लिए 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी' का गठन किया

नई दिल्ली। आडानी समूह ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में कदम रख दिया है। समूह की कंपनी अडाणी पावर लिमिटेड ने परमाणु एवं नाभिकीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के उत्पादन, पारेषण एवं वितरण के लिए पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' (एएईएल) का गठन किया है। कंपनी ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि एएईएल को 5 लाख रुपये की अधिकृत पूंजी के साथ गठित किया गया है। इसे 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 50,000 शेयर में विभाजित किया गया है। अडाणी पावर की एएईएल में 100 फीसदी हिस्सेदारी है। अडाणी पावर ने बताया कि 'अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड' का भारत में 11 फरवरी, 2026 को गठन किया गया। कंपनी को उसी दिन इसे केंद्रीय पंजीकरण केंद्र, कंपनी रजिस्ट्रार से निगमण प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। अडाणी एटॉमिक एनर्जी लिमिटेड कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी इकाई है। इसलिए यह कंपनी की संबंधित पक्ष इकाई भी है।

गोदरेज एग्रोवेट ने नया कीटनाशक 'टकाई' लॉन्च किया

■ धान की फसल में प्रमुख कीट स्टेम बोरर और लीफ फोल्डर पर प्रभावी

■ आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिन™ तकनीक से युक्त

भारत की अग्रणी विविधीकृत कृषि-व्यवसाय कंपनियों में से एक, गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड ने धान की फसल के लिए एक नया कीटनाशक 'टकाई ' लॉन्च किया है। आईएसके जापान द्वारा विकसित साइक्लेप्रिन™ तकनीक से संचालित टकाई धान की फसल में प्रमुख कीट स्टेम बोरर पर प्रभावी है और लीफ फोल्डर को भी नियंत्रित करता है। जब इसे 15-30 दिन बाद रोपाई (डीएटी) पर 160 मिली की मात्रा में तथा पुन: 40-60 डीएटी के दौरान प्रयोग किया जाता है, तो यह धान की फसल को लंबे समय तक व्यापक सुरक्षा प्रदान करता है। कंपनी मक्का, मिर्च, पत्तागोभी, सोयाबीन, चना और गन्ना फसलों के लिए भी टकाई के लेबल अनुमोदन की प्रक्रिया में है।

तना छेदक के प्रकोप से गंभीर स्थिति में 30% से 40% तक उत्पादन हानि हो सकती है, जबकि लीफ फोल्डर के प्रकोप से 20% से 30% तक उपज प्रभावित होती है। ये कीट अक्सर फसल के शुरुआती और मध्य विकास चरणों में हमला करते हैं, जब इनकी पहचान और समय पर नियंत्रण करना चुनौतीपूर्ण होता है। इसी कारण, विश्व में धान का सबसे बड़ा उत्पादक होने के बावजूद (150.18 मिलियन टन उत्पादन), भारत की प्रति हेक्टेयर उपज लगभग 2.9 टन

है, जो वैश्विक सर्वोत्तम औसत 5 टन प्रति हेक्टेयर से काफी कम है।

गोदरेज एग्रोवेट के एमडी एवं सीईओ, सुनील कटारिया ने कहा- 'भारतीय धान किसान की सफलता में प्रभावी कीट प्रबंधन निर्णायक भूमिका निभाता है। टकाई के माध्यम से हम किसानों को ऐसा समाधान प्रदान करना चाहते हैं जो तेज़ी से कीटों पर नियंत्रण करे और लंबे समय तक प्रभावी रहे, जिससे फसल का स्वास्थ्य बेहतर हो।' उन्होंने आगे कहा, 'गोदरेज एग्रोवेट में हमारा प्रयास किसानों को ऐसी फसल सुरक्षा समाधान देना है जो पर्यावरण और बाज़ार से जुड़ी चुनौतियों का सामना करने में मदद करें। आज टकाई का लॉन्च हमारी उस रणनीति के अनुरूप है, जिसके तहत हम अपने अनुसंधान कौशल और मजबूत जमीनी पहुंच का उपयोग करते हुए प्रमुख फसलों के लिए अपना पोर्टफोलियो मजबूत कर रहे हैं, ताकि किसानों और उनके परिवारों को सशक्त बनाया जा सके। 'धान एक बहु-ऋतु फसल है - खरीफ, रबी और ग्रीष्म - और यह गर्म, आर्द्र तथा जल-भराव वाली परिस्थितियों में उगाई जाती है, जो पूरे वर्ष कीट प्रकोप के लिए अनुकूल होती हैं। शुरुआती महत्वपूर्ण अवस्था यानी 15-30 डीएटी (वनस्पतिक अवस्था) में तना छेदक पौधों को नुकसान पहुंचाता है, जिसे पहचानना किसानों के लिए कठिन होता है। बाद में 40-60 डीएटी (प्रजनन अवस्था) में तना छेदक और लीफ फोल्डर दोनों फसल पर हमला करते हैं। लीफ फोल्डर पत्तियों को मोड़कर उनके ऊतक को खाता है, जिससे प्रकाश संश्लेषण क्षेत्र कम हो जाता है और फसल की वृद्धि प्रभावित होती है। इन अवस्थाओं में टकाई का प्रयोग 160 मिली की मात्रा में 15-30 दिन तथा पुन: 40-60 डीएटी पर करने की सलाह दी जाती है। टकाई के लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज एग्रोवेट के क्रॉप प्रोटेक्शन बिज़नेस के जनरल मैनेजर मार्केटिंग - अनिल कुमार चौबे ने कहा, 'हमारे प्री-लॉन्च सर्वेक्षण में 77% किसानों ने तेज़ कीट नियंत्रण, लंबे समय तक असर और बेहतर फसल स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी। इसी कारण आईएसके जापान के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम टकाई को भारतीय किसानों के लिए लेकर आए हैं। साइक्लेप्रिन™ तकनीक से युक्त यह उत्पाद कीटों के भोजन करने की प्रक्रिया को तेजी से रोकता है और लंबे समय तक प्रभावी नियंत्रण प्रदान करता है। यह दृष्टिकोण किसानों को इनपुट लागत को अनुकूल बनाने, अधिक स्थिर और उच्च गुणवत्ता वाली उपज सुनिश्चित करने में मदद करता है। मक्का, मिर्च, पत्तागोभी, सोयाबीन, चना और गन्ना फसलों के लिए आगामी लेबल अनुमोदन के साथ, हमें विश्वास है कि बदलती कृषि परिस्थितियों में टकाई उत्पादकता बढ़ाने और किसान परिवारों को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।'

आज टकाई और पिछले वर्ष मक्का के लिए लॉन्च किए गए हर्बीसाइड आशिटाका के साथ, गोदरेज एग्रोवेट नवाचार और किसान-केंद्रित उत्पाद विकास के माध्यम से एक अधिक उत्पादक, लचीला और सतत कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने अमेरिकी कंपनी इंटेल पर 27.38 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अमेरिकी कंपनी इंटेल कॉर्प पर 27.38 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। कंपनी पर यह जुर्माना डेस्कटॉप कंप्यूटर के लिए 'बॉक्स्ड माइक्रो प्रोसेसर' (बीएमपी) के संबंध में भारत के लिए एक अलग वारंटी नीति अपनाने को लेकर लगाया गया है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने गुरुवार को जारी एक बयान में बताया कि सीसीआई ने 12 फरवरी को प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 27 के तहत इंटेल कॉर्पोरेशन (इंटेल) पर अधिनियम की धारा 4 के उल्लंघन के लिए 27.38 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आयोग ने इंटेल कॉर्पोरेशन पर उसके भारत-विशिष्ट वारंटी नीति के उल्लंघन के लिए यह जुर्माना लगाया है। ये आदेश केस संख्या 05/2019 में पारित किया गया था और इसकी एक प्रति सीसीआई की वेबसाइट www.cci.gov.in पर उपलब्ध है।

सब्सक्रिप्शन के लिए मरुशिका टेक्नोलॉजी का आईपीओ लॉन्च

नई दिल्ली। आईटी सेक्टर के लिए काम करने वाली कंपनी मरुशिका टेक्नोलॉजी लिमिटेड का 26.97 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 16 फरवरी तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 17 फरवरी को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 18 फरवरी को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 19 फरवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। पहले दिन इस आईपीओ को 0.27 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन मिला है। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 111 रुपये से लेकर 117 रुपये प्रति शेयर

का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। मरुशिका टेक्नोलॉजी लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,80,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 23,05,200 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए 47.16 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 33.42 प्रतिशत हिस्सा, नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 14.37 प्रतिशत हिस्सा और मार्केट मेकर्स के लिए 5.05 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इस इश्यू के लिए नेक्सजेन फाइनेंशियल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि स्काईलाइन फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है।

बॉलीवुड समाचार

भारतीय राजनीति में कई चीजें बेहद जटिल हैं : सनी लियोनी

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोनी ने अपने जीवन, करियर और भारतीय एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री की चुनौतियों पर खुलकर बात की। एक बातचीत में सनी से पूछा गया कि हॉलीवुड में एक्टर्स अक्सर पॉलिटिकल मुद्दों पर बेबाक होकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन भारत में ऐसा कम देखने को मिलता है। इस पर सनी ने बिना झिझक कहा कि भारत में चीजें बेहद जटिल हैं और कई समूहों के बीच किसी भी छोटे बयान को बड़ा मुद्दा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा, 'भारत में कई तरह के समूह हैं। आपको कभी नहीं पता चलता कि आपकी कौन-सी बात किसे बुरी लग जाए। बात को पकड़कर उसे ट्विस्ट कर देना यहां बहुत आसान है।' सनी के मुताबिक, यही कारण है कि कई भारतीय सेलिब्रिटीज पॉलिटिक्स पर चुप रहना ही ज्यादा सुरक्षित समझते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी शब्द को गलत तरीके से पेश किया जा सकता है, इसलिए पब्लिक फिगर्स अक्सर राजनीतिक विवादों से दूरी बनाए रखते हैं। हालांकि, सनी लियोनी का यह भी मानना है कि कुछ मुद्दे ऐसे हैं जिन पर हर किसी को आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण जैसे विषय स्वच्छ हवा, पेड़-पौधों की जरूरत और शहरों की सफाई पर बेझिझक बात की जा सकती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत की 'दलदल' ने

बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि सतीश पेडनेकर परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनके द्वारा अभिनीत ज्यादातर फिल्में ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। हाल ही में रिलीज हुई ग्लोबल ओटीटी हिट सीरीज़ 'दलदल' भी इसी सोच का हिस्सा है, जिसने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भूमि की पकड़ और मजबूत कर दी है। अमेज़न प्राइम पर स्ट्रीम हो रही यह साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर अमेरिका, यूके और यूएई सहित कई देशों में ट्रेंड कर रही है और दुनियाभर के दर्शक इसकी तारीफ कर रहे हैं। सीरीज़ की सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि भूमि के लिए माध्यम नहीं, बल्कि कहानी और अभिनय की गुणवत्ता सबसे महत्वपूर्ण है। बड़े पर्दे पर दमदार

उपस्थिति दर्ज कराने के बाद उन्होंने ओटीटी दुनिया में भी अपनी जगह उतनी ही मजबूती से बनाई है। भूमि की खासियत यह है कि वह हर बार ऐसे किरदार चुनती हैं, जिनमें जोखिम हो, गहराई हो और भावनात्मक तैयारी की जरूरत भी। जहां कई कलाकार चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं से बचते हैं, वहीं भूमि इन्हें अपने विकास का रास्ता मानती हैं। उनका कहना है कि किरदार जितना मुश्किल होगा, खुद को बेहतर साबित करने का मौका उतना ही ज्यादा मिलेगा। यही कारण है कि उनके काम में बनावट कम और वास्तविकता ज्यादा दिखाई देती है। 'दलदल' को मिल रही वैश्विक सराहना यह भी दिखाती है कि भूमि का हर चुनाव सोच-समझकर किया गया कदम होता है। फिल्मों से लेकर डिजिटल प्लेटफॉर्म तक, उनका काम सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि दर्शकों के लिए एक अनुभव बनकर सामने आता है। इस सीरीज़ की सफलता के साथ भूमि ने यह साबित कर दिया है कि उनका हर जोखिम उनके करियर में एक नई ऊंचाई लेकर आता है। भूमि सतीश पेडनेकर ने अपने अभिनय से न सिर्फ भारतीय दर्शकों का विश्वास जीता है बल्कि वैश्विक स्तर पर भी यह संदेश दिया है कि दमदार कंटेंट ही असली पहचान बनाता है। 'दलदल' की उपलब्धि के बाद वे उन अभिनेत्रियों में और मजबूत स्थान रखती हैं, जो निरंतर खुद को चुनौती देकर नए आयाम स्थापित करती हैं। बता दें कि भूमि सतीश पेडनेकर उन अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं, जो परंपरागत फॉर्मूलों से हटकर अलग और प्रभावशाली कहानियों को चुनने के लिए जानी जाती हैं। उनकी फिल्मोग्राफी साफ तौर पर बताती है कि वह ग्लैमर और अतिरंजित ड्रामा से दूरी रखते हुए समाज से जुड़े मुद्दों को बड़े पर्दे पर लाने का साहस दिखाती हैं। अपनी शुरुआत से ही भूमि ने दम लगा के हईशा, टॉयलेट: एक प्रेम कथा, पति पत्नी और वो, बधाई दो, शुभ मंगल सावधान, बाला, भक्षक, भीड़, थैंक यू फॉर कमिंग और सांड की आंख जैसी फिल्मों के जरिए मजबूत विषयों को उठाया है। इन फिल्मों में उनके किरदार न सिर्फ दर्शकों को प्रभावित करते हैं, बल्कि चर्चा और सराहना भी बटोरते हैं।

अवंतिका के साथ रिश्ता संतुलित और हेल्दी नहीं था : इमरान खान

हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भांजे और अभिनेता इमरान खान ने अपने निजी जीवन को लेकर भी खुलासे किए और बताया कि उनकी मेंटल हेल्थ पर उनके व्यक्तिगत रिश्तों का कितना असर पड़ा। इमरान ने कहा कि उनकी एक्स वाइफ अवंतिका मलिक के साथ रिश्ता संतुलित और हेल्दी नहीं था। यह रिश्ता बहुत कम उम्र में शुरू हुआ, जब दोनों सिर्फ 17-18 साल के थे। उस समय वे यह नहीं समझ पाए कि रिश्ते को सही तरीके से निभाने के लिए क्या जरूरी है। इमरान और अवंतिका की मुलाकात टीनएज में हुई और कई साल तक डेटिंग करने के बाद उन्होंने 16 जनवरी 2010 को करजत में सगाई कर ली। इसके बाद दोनों आमिर खान

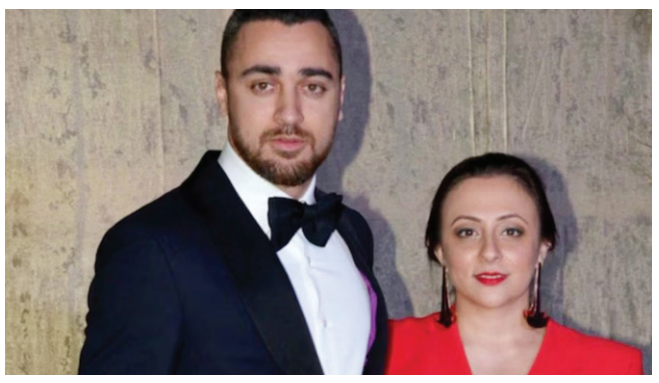

के घर पर शादी के बंधन में बंध गए। 2013 में उनके घर बेटी इमारा का जन्म हुआ। हालांकि, 2019 में कपल अलग हो गया और तलाक उसी साल औपचारिक रूप से पूरा हुआ। इमरान ने बताया कि लोगों को लगता है कि तलाक के बाद उनका मानसिक स्वास्थ्य बेहतर हुआ और इस पूरी प्रक्रिया में किसी की गलती नहीं थी। बस, वे दोनों उस समय पर्याप्त समझदार नहीं थे कि चीजों को सही से संभाल सकें। वर्क फ्रंट की बात करें तो इमरान अब पूरी तैयारी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर लौट रहे हैं। हैप्पी पटेल में कैमियो देने के बाद अब वह भूमि पेडनेकर के साथ फिल्म अधूरे हम अधूरे तुम में लीड रोल निभाएंगे। यह फिल्म इस साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी और इमरान के करियर में नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है। इमरान ने यह भी बताया कि लंबे समय तक पर्दे से दूर रहने के बाद उन्हें फिर से अभिनय का जुनून महसूस हुआ और उन्होंने अपनी फिटनेस और तैयारी पर विशेष ध्यान दिया। फैंस उनकी वापसी को लेकर बेहद उत्साहित हैं और उनके अभिनय और नए किरदार को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस फिल्म के माध्यम से इमरान खान एक बार फिर साबित करने वाले हैं कि वे सिर्फ आमिर खान के भांजे नहीं बल्कि खुद एक दमदार अभिनेता हैं। इस वापसी के साथ ही इमरान का फोकस अब सिर्फ अपने अभिनय पर है और वह दर्शकों को अपनी नई भूमिकाओं और परफॉर्मेंस से मंत्रमुग्ध करने की पूरी तैयारी में हैं। बता दें कि इमरान खान लंबे समय बाद फिल्मी दुनिया में लौटे हैं। उन्होंने हाल ही में वीर दास के निर्देशन में बनी फिल्म हैप्पी पटेल में कैमियो किया, जिससे दर्शकों को उनकी वापसी का अहसास हुआ।

मेरे पिता असली नाग थे, तो क्या मैं भी नागिन हूं : एकता कपूर

मशहूर टीवी और फिल्म प्रोड्यूसर एकता कपूर ने अपने पिता जितेंद्र के बारे में मजेदार पोस्ट लिखा है। सोशल मीडिया पर जितेंद्र की फिल्म नागिन का वीडियो शेयर कर एकता ने खुलासा किया कि अगर उनके पिता नाग हैं तो क्या एकता प्रोड्यूसर हैं। दरअसल, एकता ने जितेंद्र की फिल्म नागिन का गाना तेरे संग प्यार में का वीडियो शेयर किया। इसमें जितेंद्र अभिनेत्री रीना रॉय के साथ डांस कर रहे हैं। एकता ने पोस्ट कर लिखा, मेरे पिता असली नाग (इच्छाधारी) थे, तो क्या इसका मतलब है कि मैं भी नागिन हूं? 1976 की फिल्म नागिन में जितेंद्र ने एक अहम भूमिका निभाई थी, जो इच्छाधारी नाग-नागिन की कहानी पर आधारित थी। सॉन्ग तेरे संग प्यार में की बात करें तो इसे लता मंगेश्कर और महेंद्र कपूर ने अपने सुरों से सजाया है और वर्मा मलिक ने इसके लिरिक्स लिखे हैं, जबकि लक्ष्मीकांत प्यारेलाल ने इसका संगीत तैयार किया है। साल 1976 में रिलीज हुई लोकप्रिय फिल्म नागिन में जितेंद्र ने मुख्य भूमिका (नाग के रूप में) निभाई थी, और रीना रॉय इच्छाधारी नागिन बनी थीं। राज कुमार कोहली द्वारा निर्देशित यह फिल्म अपने समय की सबसे बड़ी मल्टी-स्टारर फिल्मों में से एक थी, जिसमें सुनील दत्त, रेखा, मुमताज, फिरोज खान और संजय खान जैसे कलाकार भी शामिल थे। फिल्म की कहानी एक इच्छाधारी नागिन की थी, जो अपने प्रेमी (जितेंद्र) की हत्या का बदला लेने के लिए शिकारियों के समूह को

एक-एक करके मारती है। एकता कपूर नागिन फ्रेंचाइजी की निर्माता के रूप में भी जानी जाती हैं। उन्होंने नागिन सीरीज के कई सीजन प्रोड्यूस किए हैं, जो टेलीविजन पर काफी लोकप्रिय हुए। इन दिनों नागिन 7 टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसमें अभिनेत्री प्रियंका चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आ रही हैं।

प्रियंका चोपड़ा होंगी फिल्म 'बॉन्ड 26' का हिस्सा? अभिनेत्री के बयान से मिला संकेत

देसी गर्ल के नाम से मशहूर प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की अगली बॉर्न्ड गर्ल हो सकती हैं। सोशल मीडिया पर लग रहीं इन अटकलों ने फैंस के उत्साह को चरम पर पहुंचा दिया है और लोग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इन कयासों का दौर तब शुरू हुआ, जब एक बातचीत के दौरान अभिनेत्री ने फिल्म 'बॉन्ड 26' पर बात की। उनकी गोलमोल बातों से चर्चा शुरू हो गई है कि वह अपने नए हॉलीवुड प्रोजेक्ट के लिए कमर कस रही हैं।

क्या प्रियंका चोपड़ा अगली बॉन्ड गर्ल होंगी? वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में, प्रियंका ने जेम्स बॉन्ड की अगली फिल्म में अपने किरदार को लेकर संकेत दिया। जब उनसे उनके नए प्रोजेक्ट्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'अब यह सचमुच वैश्विक स्तर पर हो सकता है, हां, मालिक बदल रहे हैं। उन्होंने बातों ही बातों में आगामी 'बॉन्ड 26' फिल्म में अपनी भूमिका की उम्मीद जताई है। उधर प्रियंका के बयान ने फैंस को खुश होने और उन्हें अटकलें लगाने का मौका दे दिया।

'बॉन्ड 26' में प्रियंका के शामिल होने की अटकलों पर फैंस ने दी प्रतिक्रिया : एक यूजर ने लिखा, 'प्रियंका डेनिस विलेन्यूव के निर्देशन में फिल्म करेंगी।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'प्रियंका को अगली बॉन्ड गर्ल के रूप में देखा जा रहा है? हे भगवान!' वहीं कुछ लोग अभिनेत्री को एडवांस दे रहे हैं, लेकिन पुष्टि तो निर्माताओं के आधिकारिक बयान के बाद ही हो सकेगी। बता दें, 'बॉन्ड 26' साल 2028 में सिनेमाघरों का रुख कर सकती है।

आईसीएआई की परीक्षा में गौरव शर्मा ने रचा इतिहास, किया छत्तीसगढ़ टॉप

जतिन नचरानी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

दुर्ग के रहने वाले छात्र गौरव शर्मा ने आईसीएआई की परीक्षा में इतिहास रच दिया है। उन्होंने फाइनल एग्जाम में छत्तीसगढ़ टॉप किया है। इंस्टिट्यूट आफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स आफ इंडिया ने 12 फरवरी 2026 को कॉस्ट अकाउंटेंट फाइनल परीक्षा के परिणाम घोषित किए। दुर्ग के होनहार छात्र गौरव शर्मा ने 519 अंकों के साथ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है।

इतना ही नहीं, उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर 32वीं रैंक प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का नाम देशभर में रोशन किया है। परिणाम घोषित होते ही दुर्ग सहित पूरे प्रदेश में खुशी की

लहर दौड़ गई। परिवार, मित्रों और शिक्षकों ने गौरव को बधाइयां दीं। एक साधारण परिवार से आने वाले गौरव की यह सफलता अनुशासन, निरंतर अभ्यास और आत्मविश्वास का परिणाम मानी जा रही है।

गौरव ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने माता–पिता और शिक्षकों को दिया। उनके पिता शिव चरण शर्मा, माता श्रीमती छाया शर्मा और बहन मंजरी शर्मा ने हर कदम पर उनका उत्साह बढ़ाया। गौरव ने बताया कि इस पेशेवर कोर्स में आगे बढ़ने की प्रेरणा उन्हें अपने मामा अजय कुमार शर्मा से मिली, जो छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी में उप महाप्रबंधक (वित्त) के पद पर कार्यरत हैं और स्वयं भी कॉस्ट अकाउंटेंट हैं।

गौरव ने बताया कि उन्होंने परीक्षा की तैयारी के दौरान निरंतरता बनाए रखी। सभी आठ विषयों का नियमित रिवीजन किया और लगातार मॉक टेस्ट देकर अपनी कमजोरियों को दूर किया। उनका मानना है कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, बल्कि लगातार अभ्यास ही लक्ष्य तक पहुंचाता है। प्रदेश के शिक्षा जगत के लिए भी यह उपलब्धि गर्व का विषय है।

रायपुर नगर निगम ने 3 बड़े बकायादारों पर की गयी सीलबंदी की कार्यवाही

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

रायपुर नगर पालिक निगम के आयुक्त श्री विश्वदीप के आदेशानुसार और अपर आयुक्त राजस्व श्रीमती कृष्णा खटीक और उपायुक्त राजस्व श्रीमती जागृति साहू और जोन 1 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी के निर्देशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 1 के राजस्व विभाग,नगर निवेश विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा बड़े बकायदारों पर संयुक्त कार्यवाही करते हुए आज सीलबंदी की कार्यवाही की गयी।

सीलबंद कार्यवाही के दौरान स्थल पर ही सम्बंधित 3 बड़े बकायादारों जगदीश कुमार पटेल पिता नरसिंग भाई पटेल और

नारायण भाई पटेल के प्रतिष्ठानों पर कुल 3078289/– का बकाया होने और नगर निगम रायपुर को बकाया अदा नहीं किये जाने के कारण सीलबंदी की कार्यवाही की गयी।

नगर निगम जोन 1 की आज की उपरोक्त सीलबंदी की कार्यवाही में नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर डॉ दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता डी. के. पैकरा, सहायक राजस्व अधिकारी मनीष मरकाम, जोन स्वास्थ्य अधिकारी खेमलाल देवांगन, उप अभियंता अंकिता सोनवर्षा, राजस्व निरीक्षक आशीष शर्मा, संतोष साहू एवं अरविन्द छेदइया की उपस्थिति रही।

प्रभारी सचिव ने की विकास कार्यों की गहन समीक्षा, कहा जमीनी स्तर पर दिखे परिणाम

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

जिले में संचालित शासकीय योजनाओं और विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। सचिव, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिले की प्रभारी सचिव शम्मी आबिदी ने जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों के कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर परिणाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं पर विशेष फोकस रहा। आंगनबाड़ी सेवाओं की गुणवत्ता, टेक होम राशन वितरण, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना और महतारी वंदन योजना की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। सचिव ने स्पष्ट किया कि आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण केवल औपचारिकता न होकर सेवाओं में सुधार का माध्यम होना चाहिए। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नियमित एवं आकस्मिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

टेक होम राशन वितरण की समीक्षा करते हुए गर्भवती एवं धात्री माताओं तथा कुपोषित बच्चों को निर्धारित मात्रा और गुणवत्ता के साथ समय पर राशन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। वितरण व्यवस्था की नियमित मॉनिटरिंग और रिकॉर्ड संधारण के निर्देश भी दिए गए। एनीमिया रोकथाम को प्राथमिकता बताते हुए बालिकाओं, किशोरियों और गर्भवती महिलाओं में पोषण स्तर सुधारने के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की बात कही गई।

बैठक में समाज कल्याण, स्कूल शिक्षा, आदिम जाति विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, उद्यानिकी, जल संसाधन, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना, लोक निर्माण विभाग और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। दिव्यांगजनों, वृद्धजनों और छात्रावासों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी लेते हुए छात्रावासों में पोषण, सुरक्षा और शैक्षणिक वातावरण बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए।शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान विद्यालयों की आधारभूत संरचना, शिक्षक उपलब्धता, पीएम श्री स्कूलों की प्रगति और छात्र उपस्थिति पर चर्चा हुई। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत मनरेगा, ग्रामीण अधोसंरचना, स्वच्छता और सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। कृषि उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण, पोषण वाटिका और बाड़ी विकास को प्रोत्साहन देने के निर्देश भी दिए गए।निर्माण एजेंसियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए सिंचाई परियोजनाओं, ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं रखरखाव, पेयजल आपूर्ति और अधोसंरचना विकास की प्रगति पर चर्चा की गई। लंबित प्रकरणों की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए ताकि शासन स्तर पर आवश्यक पहल की जा सके।

बैठक में कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने पावर प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिले में संचालित विकासात्मक और अधोसंरचनात्मक कार्यों की जानकारी दी। गंगरेल क्षेत्र और ठेमली आईलैंड को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने, पहुंच मार्गों के सुधार और पर्यटक सुविधाओं के विस्तार पर चल रहे कार्यों की जानकारी दी गई। इन पहलों से स्थानीय रोजगार सृजन को भी गति मिल रही है। जिले में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए विकसित किए जा रहे औद्योगिक क्षेत्रों, लैंड बैंक और एनएच–30 कॉरिडोर के माध्यम से निवेश आकर्षित करने की रणनीति प्रस्तुत की गई।

महाशिवरात्रि को लेकर शिवालयों में चल रही तैयारी

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर सहित अंचल के शिवालयों में तैयारी जोर शोर से चल रही है। मंदिर की सजावट को अंतिम रूप दिया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर्व पर 15 फरवरी को मंदिरों में विविध कार्यक्रम होंगे।

शहर के प्राचीन मंदिरों में से एक बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर में इन दिनों तैयारियों को अंतिम रूप देने का क्रम जारी है। मंदिर परिसर में पंडाल लगाने का काम चल रहा है। शहर के बूढ़ेश्वर महादेव मंदिर के अलावा रुद्री स्थित रुद्रेश्वर महादेव मंदिर, सोरिद के शंकर मंदिर, रिसाई पारा के नागेश्वर मंदिर, बनिया पारा वार्ड स्थित महाकालेश्वर मंदिर, शिव चौक स्थित बटुकेश्वर महादेव मंदिर सहित अन्य शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर भजन कीर्तन का कार्यक्रम होगा। यहां भक्त भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचेंगे। सभी मंदिरों में सजावट का कार्य जारी है। कहीं झालर लाइट लगाई जा रही है, तो कहीं मंदिरों को तोरण पताका से सजाया जा रहा है। बोल बम कांवरिया संघ के सदस्य महाशिवरात्रि को लेकर मंदिर की सजावट व अन्य तैयारियों में जुटे हुए हैं। महाशिवरात्रि के दिन भोलेनाथ की विशेष आरती होगी। उसके पूर्व अलसुबह शिवभक्त रुद्रेश्वर महादेव घाट में पूजा अर्चना के बाद महानदी का जल लेकर पहुंचेंगे, और बूढ़ेश्वर मंदिर के शिवलिंग का जलाभिषेक करेंगे। महाशिवरात्रि को लेकर मंदिर परिसर में विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन होगा। इसके अलावा भक्तों को प्रसादी का वितरण किया जाएगा। पंडित राजकुमार तिवारी ने बताया कि महाशिवरात्रि का व्रत रखने से मनोकामना पूर्ण होती है। महाशिवरात्रि व्रत फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत मालवीय रोड, बैजनाथपारा, एवरग्रीन चौक, शास्त्री बाजार में मार्गो को जनहित में अभियान चलाकर किया गया अतिक्रमण मुक्त

10 से अधिक दुकानदारों पर सड़क पर अतिक्रमण करने पर लगभग 25000 रूपये से अधिक का ई जुर्माना वसूला गया, लगभग 50 से अधिक ठेलों, गुमटियों को हटाया गया, टीन शेड तोड़कर सड़क पर से कब्जे हटाए गए बाजार प्रमुख मार्गो का यातायात बनाया गया सुगम

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

आज निरन्तर दूसरे दिन रायपुर पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार और नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त श्री विश्वदीप और यातायात एसपी श्री अजय कुमार के निर्देशानुसार एएसपी यातायात श्री विवेक शुक्ला, नगर निगम अपर आयुक्त नगर निवेश श्री पंकज के. शर्मा, नगर निवेशक श्री अभाष मिश्रा,

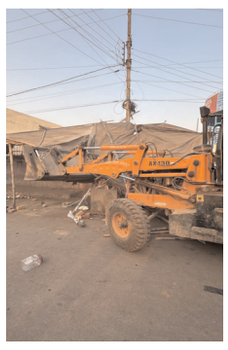

जोन 4 जोन कमिश्नर श्री अरुण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता नगर निवेश श्री शेखर सिंह, सहायक अभियंता श्री दीपक देवांगन सहित सम्बंधित यातायात पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम नगर निवेश विभाग उड़न दस्ता, जोन 4 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा राजधानी शहर नगर निगम रायपुर क्षेत्र अंतर्गत जोन 4 क्षेत्र अंतर्गत मालवीय रोड, बैजनाथपारा रोड, एवरग्रीन चौक, शास्त्री बाजार रोड में टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत बाजार के प्रमुख मार्गो को अतिक्रमण से मुक्त करने व्यापक अभियान जनहित में जनसुविधा की दृष्टि से सुगम और सुव्यवस्थित यातायात देने चलाया गया।

आज लगातार दूसरे दिन चलाये गए टीम प्रहरी अभियान के अंतर्गत आज लगभग 12 दुकानों के सम्बंधित संचालकों पर सड़क पर सामान रखकर कब्जा करने पर लगभग 25000 रूपये का ई जुर्माना वसूला गया. लगभग 50 से अधिक ठेलों और गुमटियों को सड़क पर से कड़ाई के साथ हटाया गया. सड़क पर किये गए अवैध कब्जे दुकानों के सामने सड़क पर निर्मित टीन शेड को तोड़कर सख्तीपूर्वक हटाए गए. टीम प्रहरी अभियान अंतर्गत लगातार दूसरे दिन चलाये गए अतिक्रमण मुक्त अभियान से राजधानी शहर रायपुर के बाजार के प्रमुख मार्गो का यातायात सुगम और सुव्यवस्थित हो गया और नागरिकों को यातायात जाम की समस्या से त्वरित राहत दिलवाई गई।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार

आम ईश्तहार, खरीदी बिक्री,
नाम परिवर्तन, आवश्यकता, कोर्ट नोटिस

संपर्क करें:
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
62629 04444
ई–मेल : pratidincg@gmail.com
E-paper : https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने
लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271–46567,93298–46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर
मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस – कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर
मो. 93294–07988

माहेश्वरी पब्लिसिटी सर्विस
डॉ. नायडू कॉम्पलेक्स, जेल रोड, बेवीलॉन इन के बाजू में, रायपुर
फोन नं. 4034113, 2234113, मो. 98269–06113

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13–14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1,
रायपुर, मो. 99811–30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए–5/2, शंकरनगर सेक्टर– I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर
मो. 98271–44343, 93001–60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर
फोन नं. 2539968, मो.–93291–00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर
फोन नं. 4043063, मो–94252–08899, 99263–08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल,
पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर,
रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप
मो. 98267–01259, 62642–74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर
Website: www.maaadagency.com
मो. 78691–87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर
मो. 9406200210

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार, 13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

जल ही जीवन है के संदेश के साथ ग्रामीणों ने ली जल संरक्षण की शपथ

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश में विकासखंड खरसिया के ग्राम पंचायत परसकोल में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल अर्पण दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को जल की शुद्धता, संरक्षण और सतत उपयोग के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम के दौरान एफटीके के माध्यम से जल परीक्षण का प्रदर्शन किया गया तथा जल बहिनियों को इसके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई। ग्रामीणों को जल गुणवत्ता के महत्व को विस्तार से समझाया गया और जल से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। जल शुद्धता बनाए रखने, जल स्रोतों के आसपास स्वच्छता रखने तथा भविष्य की जल सुरक्षा हेतु नियमित रूप से जल कर का भुगतान करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया गया। साथ ही जल संसाधनों की रक्षा को हम सभी का सामूहिक कर्तव्य बताया गया। उपस्थित ग्रामीणों को जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभाने की शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किए गए।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण का संदेश प्रभावी ढंग से दिया गया। बच्चों ने आकर्षक रंगोली बनाकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा 'जल ही जीवन है' के नारों के साथ प्रभात फेरी निकालकर पूरे ग्राम में जनजागरूकता का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रविन्द्र गबेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दीपक कुमार सिदार, जनपद पंचायत खरसिया अध्यक्ष श्रीमती रामकुमारी राठिया, जनपद पंचायत खरसिया उपाध्यक्ष डॉ. हितेश गबेल, ग्राम पंचायत परसकोल के सरपंच जयसिंह सिदार, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग रायगढ़ की कार्यपालन अभियंता श्रीमती प्रतिभा नवरत्न, सहायक अभियंता एस.आर. नारनौरे, उप अभियंता उमा सिदार सहित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बिलासपुर की मतदाता सूची से 117 जीवित लोगों के नाम गायब

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के एक वार्ड में 117 अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से एक झटके में हटा दिए गए। ये सभी लोग जीवित हैं, दशकों से एक ही पते पर रह रहे हैं, फिर भी किसी एक व्यक्ति ने उनके लिए सामूहिक रूप से फॉर्म-7 भरकर नाम कटवा दिए। कांग्रेस ने इसे सुनियोजित साजिश करार देते हुए कलेक्टरेट पहुंचकर हंगामा किया और जांच की मांग की।

शहर के वार्ड क्रमांक 55-56 में आने वाले बूथ 191, 192 और 193 में कुल 117 मतदाताओं के नाम विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान हटा दिए गए। हैरानी की बात यह है कि ये सभी फॉर्म-7 एक ही व्यक्ति ने भरे और बीएलओ को सौंपे। बीएलओ ने बिना कोई गहन सत्यापन किए नाम हटा दिए। बाद में जब कांग्रेस नेताओं ने मौके पर जाकर पड़ताल की तो सभी 117 मतदाता अपने घरों पर मौजूद मिले। उनके पुराने दस्तावेज, 2003 की मतदाता सूची में नाम और वर्तमान पते सब सही पाए गए।

पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं बेलतरा विधानसभा प्रत्याशी विजय केशरवानी के नेतृत्व में दर्जनों मतदाता और कांग्रेस कार्यकर्ता बुधवार को कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी-सह-कलेक्टर संजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपा और पूरी घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की। कलेक्टर ने जांच का आश्वासन दिया है। विजय केशरवानी ने कहा कि एक व्यक्ति 117 लोगों का फॉर्म-7 कैसे भर सकता है? बीएलओ ने बिना सत्यापन के नाम क्यों काटे? यह साफ है कि भाजपा कांग्रेस विचारधारा वाले मतदाताओं, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति-जनजाति के लोगों के नाम हटवाकर चुनाव को प्रभावित करना चाहती है। पूरे जिले में इसी तरह की शिकायतें आ रही हैं। जहां बीएलओ मना करते हैं, उन्हें ऊपर से धमकाया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा कि बीएलओ ने खुद पंचनामा बनाया है कि 116 मतदाताओं की फिजिकल वेरिफिकेशन की गई और सभी अपने पते पर मौजूद हैं। फिर भी नाम काटे गए। यह एसआईआर का दुरुपयोग है। कांग्रेस का दावा है कि कई जगहों पर भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस समर्थकों व अल्पसंख्यकों के नाम कटवाने के लिए फॉर्म-7 लेकर पहुंच रहे हैं। बीएलओ अगर इंकार करते हैं तो उन्हें अधिकारियों से धमकी दिलाई जा रही है कि यह काम ऊपर से आया है, नहीं माने तो कार्रवाई होगी। नतीजतन कई बीएलओ दबाव में काम कर रहे हैं।

3 सदस्यीय उड़नदस्ता दल सह परिवहन अधिकारी नियुक्त

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 का आयोजन 22 फरवरी 2026 को दो पालियों में किया जाएगा। प्रथम पाली प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपरान्ह 3 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी द्वारा परीक्षा के सफल एवं सुचारु संचालन हेतु 3 सदस्यीय उड़नदस्ता दल सह परिवहन अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। यह उड़नदस्ता दल परीक्षा अवधि के दौरान परीक्षा केंद्रों की सतत निगरानी करेंगे।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 22 को

उड़नदस्ता दल 22 फरवरी को जिला कोषालय, रायगढ़ से गोपनीय सामग्री प्राप्त कर परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से डेढ़ घंटे पूर्व संबंधित परीक्षा केंद्रों तक पहुंचायेंगे। परीक्षा समाप्ति के पश्चात केंद्राध्यक्षों से सीलबंद गोपनीय सामग्री प्राप्त कर उसे सुरक्षित रूप से जिला कोषालय में जमा करेंगे। गोपनीय सामग्री प्राप्त करने हेतु दल को प्रातः 7 बजे तथा दोपहर 12 बजे जिला कोषालय, रायगढ़ में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। यहा आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रायगढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1501 पीएमशास.नटवर इंग्लिश मीडियम स्कूल रायगढ़, 1503 शास.हायर सेकेण्डस्कूल जूटमिल रायगढ एवं 1504 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल राजीव गांधी नगर मिट्ठुमुड़ा रायगढ़ के लिए उड़नदस्ता दल जिला विपणन अधिकारी सुजान्हवी जिल्हारे मोबा. 78280-795822, सउपनि-रक्षित केन्द्र हेतराम सिदार मोबा.94255-40417 एवं प्र.आर.-581 पुलिस कार्यालय रायगढ़ ईश्वर उरांव मोबा. 74892-01914 को शामिल किया गया है। इसी तरह परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1502 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल चक्रधर नगर रायगढ़, 1508 कालेज ऑफ एग्रीकल्चर एण्ड रिसर्च स्टेशन बोईरदादर रायगढ एवं 1511 शास. हायर सेकेण्डरी स्कूल टारपाली गोपालपुर रायगढ़ में उप संचालक कृषि अनिल वर्मा मोबा.96690-63346, सहा.उप नि. गौतम ठाकुर मोबा.93014-95752 एवं प्र.आर. पदमन मानिकपुरी मोबा.9096814535 को नियुक्त किया गया है। परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1505 शास.गर्ल्स हायर सेकेण्डरी स्कूल रायगढ़ 1507 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल रामभांठा एवं 1512 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल उर्दना रायगढ़ में उप संचालक नगर एवं ग्राम निवेश रायगढ़ के.एस.कंवर मोबा.99071-34459, सउप नि रक्षित केन्द्र संदीप गायकवाड मोबा.9479270272 एवं प्र.आरक्षक सुरेश मिंज को दल में तैनात किया गया है। परीक्षा केन्द्र 1509 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल चांदमारी, 1506 किरोड़ीमल शास.पालीटेक्निक चक्रधर नगर रायगढ़ एवं 1514 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल कोतरलिया रायगढ़ में सहायक संचालक मत्स्य सतीश गुप्ता मोबा.83197-81073, सउपनि थाना जूटमिल राजेन्द्र सिंह एवं प्र.आरक्षक श्यामलाल महंत मोबा.9993435746 को दल में शामिल किया गया है। परीक्षा केन्द्र 1510-केएमटी शास.गर्ल्स कालेज गांधी चौक रायगढ़ एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक 1513 शास.हायर सेकेण्डरी स्कूल धनागर रायगढ़ में जिला पंजीयक दीपक मंडावी मोबा. 88171-06749, सउपनि उमा शंकर नायक मोबा.99930-93783 एवं प्र.आर थाना अजाक अनंत साहू मोबा. 9131826986 को दल में नियुक्त किया गया है। इसी तरह जिला सांख्यिकी अधिकारी सिल्वेस्टर कुजूर, सउपनि रमेश शर्मा एवं प्रआर थाना चक्रधरनगर संजय तिवारी को आरक्षित रखा गया है।

नक्सल ऑपरेशन में शामिल जवानों की पदोन्नति पर डीजीपी को दो माह में निर्णय लेने का निर्देश

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र में बड़े ऑपरेशन के दौरान साहसिक भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मियों की आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति के मामले में महत्वपूर्ण आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति पी.पी. साहू की एकलपीठ ने पुलिस महानिदेशक को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ता कर्मियों के लंबित प्रकरण पर विधि अनुसार निर्णय लें। इसके लिए अदालत ने दो माह की समय-सीमा निर्धारित की है। याचिकाकर्ता दीपक नायक, अग्नू राम कोर्राम और संगीत भास्कर ने अदालत में याचिका दायर कर विशेष पदोन्नति की मांग की है। तीनों वर्तमान में कांकेर जिले में पदस्थ हैं। याचिका में बताया गया है कि 15 और 16 अप्रैल 2024 को बीएसएफ के साथ संयुक्त रूप से चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान में उन्होंने सक्रिय भागीदारी निभाई थी। यह अभियान कांकेर जिले में संचालित हुआ, जहां 40-50 सशस्त्र माओवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। पुलिस के अनुसार इस कार्रवाई में 29 सशस्त्र नक्सली मारे गए, जिनमें 15 पुरुष और 14 महिला नक्सली शामिल थे। मौके से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। याचिकाकर्ताओं ने अदालत को बताया कि इस सफल अभियान में कुल 187 पुलिसकर्मी शामिल थे। राज्य सरकार ने पुलिस विनियम 70(ए) के तहत केवल 54 कर्मियों को ही आउट-ऑफ-टर्न पदोन्नति का लाभ प्रदान किया। शेष कर्मियों को इससे वंचित रखा गया, जबकि उन्होंने भी समान परिस्थितियों में अभियान में भाग लिया था। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि सरकार ने उनके साथ भेदभाव किया है। उन्होंने 25 जून 2025 को बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया था, जो अब तक लंबित है।

66 उप अभियंताओं को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत

बिलासपुर हाईकोर्ट के आदेश पर लगी रोक, राज्य सरकार से मांगा जवाब

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (पीएचई) में कार्यरत 66 उप अभियंताओं को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सर्वोच्च न्यायालय ने उनकी नियुक्ति निरस्त करने संबंधी बिलासपुर हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। साथ ही छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया है।

3 फरवरी 2026 को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की युगल पीठ ने 14 वर्ष पूर्व नियुक्त 67 सिविल उप अभियंताओं की नियुक्ति को अवैध घोषित करते हुए रद्द कर दिया था। अदालत ने स्पष्ट कहा था कि भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के बाद पात्रता शर्तों में बदलाव नहीं किया जा सकता।

न्यायालय ने यह भी कहा कि यदि विज्ञापन में शैक्षणिक योग्यता की अंतिम तिथि (कट-ऑफ डेट) निर्धारित है, तो उसी तिथि तक डिग्री या डिप्लोमा प्राप्त होना अनिवार्य है। चयन की तिथि को आधार नहीं बनाया जा सकता।

मालूम हो कि वर्ष 2011 में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अंतर्गत 275 उप अभियंता पदों के लिए विज्ञापन जारी हुआ था। याचिका में आरोप लगाया गया कि विभाग ने विज्ञापन की शर्तों का उल्लंघन करते हुए 275 के स्थान पर 383 नियुक्तियां कर दीं।

इनमें से 89 अभ्यर्थियों के पास 23 मार्च 2011 की निर्धारित अंतिम तिथि तक आवश्यक शैक्षणिक योग्यता नहीं थी। इस आधार पर नियुक्तियों को चुनौती दी गई थी।

रवि तिवारी ने अधिवक्ता शाल्विक तिवारी के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर कर भर्ती प्रक्रिया को चुनौती दी थी। एकलपीठ ने याचिका खारिज कर दी थी, जिसके विरुद्ध डिवीजन बेंच में अपील दायर की गई। डिवीजन बेंच ने भी सुनवाई के बाद नियुक्तियों को अवैध ठहराया।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने तर्क दिया था कि विभाग ने बाद में अंतिम सेमेस्टर के छात्रों को अवसर देने का निर्णय लिया था। साथ ही यह भी कहा गया कि संबंधित कर्मचारी 14 वर्षों से सेवा दे रहे हैं और उनकी सेवाएं नियमित की जा चुकी हैं।

हाईकोर्ट ने इन दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि नियमों के विरुद्ध की गई नियुक्तियों को सहानुभूति के आधार पर वैध नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने टिप्पणी की थी कि पिछले दरवाजे से हुई नियुक्तियों को उसी रास्ते लौटना होगा। हाईकोर्ट के निर्णय को चुनौती देते हुए प्रभावित उप अभियंताओं ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की सुनवाई करते हुए फिलहाल हाईकोर्ट के आदेश पर अंतरिम स्थगन दे दिया है। अब इस मामले में अंतिम निर्णय सर्वोच्च न्यायालय की विस्तृत सुनवाई के बाद होगा।

मातृ-शिशु 100 बिस्तरीय अस्पताल में गंभीर नवजात शिशुओं को मिला जीवनदान

रायगढ़, प्रतिदिन राजधानी

समय से पहले जन्मे, बेहद कम वजन और गंभीर स्थिति में भर्ती बच्चों को मातृ शिशु 100 बिस्तरीय अस्पताल की विशेषज्ञ टीम ने अथक प्रयासों से नया जीवन दिया। अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, निरंतर निगरानी और संवेदनशील देखभाल के बल पर इन नन्हे बच्चों ने न केवल कठिन दौर को पार किया, बल्कि अब स्वस्थ जीवन की ओर मजबूत कदम बढ़ा रहे हैं।

जिला प्रशासन के निर्देश, सीएमएचओ डॉ. अनिल कुमार जगत तथा सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ. दिनेश पटेल के मार्गदर्शन में जिले के 100 बिस्तरीय मातृ-शिशु अस्पताल में गंभीर बीमार नवजात बच्चों की देखभाल इकाई ने समय से पहले जन्मे बच्चों का देखभाल कर उन्हें स्वस्थ जीवन देने में सफल रही है।

इस माह अस्पताल में कई

सुरक्षित बचाव किया है। प्रभारी डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि यहां की विशेष टीम डॉ. नवीन अग्रवाल, डॉ.जेनेविभा मिंज और डॉ.स्निग्धा दास कठिन परिस्थितियों में जन्म लेने वाले शिशुओं की देखभाल कर उन्हें स्वस्थ जीवन देने में सफल रही है।

नवजात शिशु जिनका का जन्म 7 माह की गर्भावस्था में हुआ, गंभीर अवस्था में भर्ती किए गए शिशुओं मे 13 जनवरी 2026 को रूपा जैजैपुर जिनका प्रसव जी.एम.सी रायगढ़ में हुआ, उनके बच्चे का वजन 960 ग्राम था। इसी तरह 14 जनवरी को सुनिता के बच्चे का वजन 990 ग्राम था, 15 जनवरी को जगमती कुकरगांव पत्थलगांव के बच्चे का वजन 920 ग्राम और 26 जनवरी को सूरजमती जिनका प्रसव सिविल अस्पताल धरमजयगढ़ में हुआ था, उनके बच्चे का वजन 880 ग्राम था। सभी बच्चों का समय पर सुरक्षित बचाव किया गया और अब ये बच्चे स्वस्थ हैं।

डॉ. अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि यहां भर्ती होने वाले बच्चे अक्सर गंभीर अवस्था में होते हैं, लेकिन वेंटिलेटर, फोटोथैरेपी और गहन निगरानी की मदद से उन्हें जीवनदान दिया जाता है।

लाइवलीहुड कॉलेज कोरबा में विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुणाल दुदावत द्वारा आज लाइवलीहुड कॉलेज कोरबा में विभिन्न योजनाओं के तहत संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का निरीक्षण एवं अवलोकन किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रगति तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली।

कलेक्टर ने पीएम विश्वकर्मा योजना अंतर्गत टेलर (दर्जी) एडवांस्ड कोर्स के हितग्राहियों से चर्चा कर प्रशिक्षण एवं उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। हितग्राहियों ने बताया कि बुनियादी कौशल प्रशिक्षण पूर्ण करने के उपरांत एक लाख रुपये का लोन प्राप्त कर उसका उपयोग टेलरिंग व्यवसाय में किया गया है। सभी हितग्राहियों का उद्यम पंजीयन पूर्ण हो चुका है तथा वे वर्तमान में एडवांस्ड कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

प्रशिक्षण अवधि में हितग्राहियों को पांच सौ रुपये प्रतिदिन की दर से कुल 07 हजार 500 रुपये की प्रशिक्षण प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। कलेक्टर दुदावत ने बालको द्वारा संचालित सीजीपीएससी एवं सीजी व्यापमं प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग ले रहे हितग्राहियों से भी संवाद किया। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता, शिक्षकों की उपलब्धता, अध्ययन सामग्री तथा छात्रों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का मूल्यांकन किया।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'आपके जीवन का यह अत्यंत कीमती समय है, इसे व्यर्थ न गंवाएँ। नियमित अभ्यास, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ तैयारी ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने युवाओं को कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया तथा कहा कि शासन-प्रशासन संसाधन उपलब्ध करा सकता है, परंतु सफलता आपकी मेहनत पर निर्भर करती है। उन्होंने परीक्षा के दौरान तनाव न लेने की सलाह भी दी। लाइवलीहुड कॉलेज में मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत वर्तमान में एक भी प्रशिक्षण बैच संचालित न होने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी 10 दिनों के भीतर न्यूनतम तीन नए प्रशिक्षण बैच अनिवार्य रूप से प्रारंभ किए जाएँ। कलेक्टर ने आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना के तहत लाइवलीहुड कॉलेज में एनएसक्यूएफ मानकों के अनुरूप आवश्यक प्रशिक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना के निर्देश दिए। उन्होंने जॉब-ओरिएंटेड प्रशिक्षण प्रारंभ करने के लिए डीज़ल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, ड्राइवर, फिटर, वेल्डर आदि ट्रेड को शामिल करने के निर्देश भी प्रदान किए। कलेक्टर ने कॉलेज परिसर को व्यवस्थित और स्वच्छ रखने, अनुपयोगी सामग्रियों का नीलामीकरण करने तथा सभी कक्षाओं में नामपट्ट (नेमप्लेट) लगाने के निर्देश भी दिए।

चैतमा स्थित निर्माणाधीन चिकित्सक आवास का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

कोरबा, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर कुणाल दुदावत ने पाली विकासखंड के अंतर्गत ग्राम चैतमा स्थित निर्माणाधीन चिकित्सक आवास का निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदार से निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर बल देते हुए ईंटों की जोड़ाई, आंतरिक निर्माण और अन्य तकनीकी कार्यों का बारीकी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कुछ स्थानों पर निर्माण कार्य में त्रुटियाँ पाए जाने पर उन्होंने ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के इंजीनियर एवं संबंधित ठेकेदार पर नाराज़गी व्यक्त की तथा कार्यों को सुव्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ठेकेदार एवं अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए तथा दीवारों में पाई गई त्रुटियों को तत्काल सुधारते हुए आवश्यक ग्राउटिंग कार्य सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अन्य कमियों का पुनः परीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण सुधार करने के निर्देश भी प्रदान किए।

निर्माण कार्य में पाई गई गुणवत्ता संबंधी लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने ठेकेदार राहुल शर्मा को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कटघोरा स्थित शासकीय पीजी कॉलेज में निर्माणाधीन अतिरिक्त कक्ष का भी निरीक्षण किया तथा इसे गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के स्पष्ट निर्देश दिए। गुणवत्तापूर्ण कार्य कर समय-सीमा में पूर्ण करें कॉलेज का निर्माण कलेक्टर कुणाल दुदावत ने ग्राम उतरदा में पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित किए जा रहे ग्राम्य भारती हरदीबाजार कॉलेज भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए। कॉलेज भवन हेतु बाउंड्रीवाल और छात्रावास की मांग रखे जाने पर उन्होंने संबंधित प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, शुक्रवार13 फरवरी 2026

https://epaper. pratidinrajdhani.in

ICAR-IARI का 64वां दीक्षांत समारोह:

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विद्यार्थियों को देंगे उपाधि

- 64वें दीक्षांत समारोह में 470 विद्यार्थियों को प्रदान की जाएंगी उपाधियां
- जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कृषि में कम करने के लिए संस्थान में दिया जा रहा विशेष ध्यान

नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद–भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–आईएआरआई), पूसा, नई दिल्ली में 64वें दीक्षांत समारोह के अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्थान की उपलब्धियों, शोध गतिविधियों तथा शैक्षणिक प्रगति की विस्तृत जानकारी साझा की गई।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (IARI) के निदेशक डॉ. सीएच श्रीनिवास राव ने बताया कि 13 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में ICAR के राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर (एनएएससी) स्थित भारत रत्न सी. सुब्रह्मण्यम सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में छात्र- छात्राओं को उपाधियां प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर कुल 470 विद्यार्थियों

को उपाधियां प्रदान की जाएंगी। इनमें 180 पीएच.डी. (70 महिला एवं 110 पुरुष) तथा 290 एम.एससी./एम.टेक. (126 महिला एवं 164 पुरुष) छात्र-छात्राएं शामिल हैं।

निदेशक डॉ. सीएच श्रीनिवास राव ने बताया कि अब तक संस्थान के 12,000 से अधिक छात्र देश-विदेश में कृषि क्षेत्र में योगदान दे रहे हैं। शोध के वातावरण को सुदृढ़ करते हुए विद्यार्थियों को ऐसे शोध विषयों के चयन हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है जो जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच किसानों को उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हों। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 70 प्रतिशत कृषि वैज्ञानिक आईसीएआर संस्थानों से ही निकलते हैं और कृषि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आईसीएआर देश में अग्रणी स्थान रखता है।

डीन डॉ. अनुपमा सिंह ने बताया कि संस्थान में शैक्षणिक कार्य के साथ-साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है जिससे विद्यार्थी पाठ्यक्रम पूर्ण करते ही ज्ञान एवं कौशल से संपन्न हो सकें। संस्थान में एक पृथक प्लेसमेंट सेल सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है तथा स्टार्टअप संस्कृति को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। इन सबका परिणाम है कि यहां के छात्र-छात्राएं विभिन्न सरकारी संस्थानों में भी बड़ी संख्या में नियुक्ति प्राप्त कर रहे हैं।

बता दें कि आईसीएआर–आईएआरआई 121 वर्ष पुराना अग्रणी कृषि अनुसंधान संस्थान है जिसका शैक्षणिक कार्यक्रम वर्ष 1923 में प्रारंभ हुआ था। वर्तमान में आईएआरआई (डीम्ड विश्वविद्यालय) में 3,374 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। देशभर में आईसीएआर के 113 संस्थान कार्यरत हैं। आईएआरआई के झारखंड एवं असम में भी संस्थान स्थापित हैं जो पूर्वी और उत्तर- पूर्व के राज्यों में कृषि शिक्षा का बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान के 9 क्षेत्रीय केंद्र संचालित हो रहे हैं। IARI को ए+ ग्रेड का दर्जा प्राप्त है और यह देश के कृषि संस्थानों को अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से मार्गदर्शन प्रदान करता है।

सुरक्षा बलों की युद्धक तत्परता बढ़ाने के लिए डीएसी ने 3.60 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत अधिग्रहण प्रस्तावों को मंजूरी दी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने 12 फरवरी, 2026 को लगभग 3.60 लाख करोड़ रुपये के अनुमानित मूल्य पर सेवाओं के विभिन्न प्रस्तावों के लिए आवश्यकता स्वीकृति (एओएन) प्रदान की। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के लिए, मल्टी रोल फाइटर एयरक्राफ्ट (एमआरएफए) {राफेल}, लड़ाकू मिसाइलों और एयर-शिप आधारित उच्च ऊंचाई वाले छद्म उपग्रह (एएस-एचएपीएस) की खरीद के लिए एओएन को मंजूरी दी गई।

एमआरएफए की खरीद से युद्ध की सभी स्थितियों में हवाई वर्चस्व स्थापित करने की क्षमता बढ़ेगी और लंबी दूरी के आक्रामक हमलों के साथ वायु सेना की निवारक क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। खरीदी जाने वाली अधिकांश एमआरएफए मिसाइलों का निर्माण भारत में ही किया जाएगा। ये लड़ाकू मिसाइलें गहरी मारक क्षमता और अत्यधिक सटीकता के साथ जमीनी हमले की क्षमता को बढ़ाएंगी। एएस-एचएपीएस का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए निरंतर खुफिया जानकारी, निगरानी और टोही, इलेक्ट्रॉनिक खुफिया, दूरसंचार और रिमोट सेंसिंग के लिए किया जाएगा।

भारतीय सेना को विभव (एंटी-टैंक माइंस) की खरीद और बख्तरबंद रिकवरी वाहनों (एआरवी), टी-72 टैंकों और पैदल सेना लड़ाकू वाहनों (बीएमपी-II) के वाहन प्लेटफार्मों के नवीनीकरण के लिए मंजूरी दी गई है। विभव माइंस को दुश्मन की मशीनीकृत सेनाओं की बढ़त में देरी करने के लिए एंटी-टैंक बाधा प्रणाली के रूप में बिछाया जाएगा। एआरवी, टी-72 टैंकों और बीएमपी-II के वाहन प्लेटफार्मों के नवीनीकरण से उपकरणों का सेवा जीवन बढ़ेगा। इससे भारतीय सेना की तत्परता और परिचालन प्रभावशीलता सुनिश्चित होगी।

भारतीय नौसेना को 4 मेगावाट के समुद्री गैस टरबाइन आधारित विद्युत जनरेटर और पी8आई लम्बी दूरी के समुद्री टोही विमान के अधिग्रहण के लिए मंजूरी मिल गई है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 की मेक-I श्रेणी के तहत 4 मेगावाट के समुद्री गैस टरबाइन आधारित विद्युत जनरेटर के शामिल होने से विदेशी निर्माताओं पर निर्भरता कम होगी। इससे भारतीय नौसेना की बिजली उत्पादन आवश्यकताओं में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित होगी। पी8आई विमान के अधिग्रहण से नौसेना की लम्बी दूरी की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमता, समुद्री निगरानी और समुद्री हमले की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) को डॉर्नियर विमानों के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड प्रणाली की खरीद के लिए मंजूरी दी गई है। यह खरीद आईसीजी की समुद्री निगरानी क्षमता को बढ़ाने में सहायक होगी।

आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों के अनुरूप रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ भारतीय श्रेणी के आठ डॉर्नियर 228 विमानों की खरीद के लिए 2,312 करोड़ रुपये का अनुबंध किया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय तटरक्षक बल के लिए भारतीय श्रेणी के आठ डोर्नियर 228 विमानों और परिचालन संबंधी उपकरणों की खरीद हेतु हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड -एचएएल, के परिवहन विमान प्रभाग, कानपुर के साथ 2,312 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। रक्षा सचिव श्री राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में आज नई दिल्ली में अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए। विनिर्माण से हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के उत्पादन तंत्र सुदृढ़ होने, लघु एवं मध्यम उद्यम एवं सहायक उद्योगों के व्यापक नेटवर्क को समर्थन मिलने तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की संभावना है। साथ ही, इससे रखरखाव, मरम्मत एवं नवीनीकरण तथा जीवन चक्र तकनीकी सहायता क्षेत्र में भी दीर्घकालिक अवसर सृजित होंगे। यह अनुबंध सरकार की आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया योजनाओं के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता दर्शाती है, साथ ही इससे भारत की समुद्री सुरक्षा संरचना को भी मजबूती मिलेगी।

भारत में दवा प्रतिरोधी तपेदिक के लिए कम अवधि के सभी तरह के मौखिक उपचार किफायती हैं: आईसीएमआर अध्ययन

नई दिल्ली। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च में प्रकाशित एक आर्थिक मूल्यांकन ने यह प्रदर्शित किया है कि भारत में वर्तमान में उपयोग किए जा रहे दीर्घकालिक उपचारों की तुलना में बहु-दवा प्रतिरोधी और रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी तपेदिक (एमडीआर/आरआर-तपेदिक) के लिए छह महीने की न्यूनावधि, पूरी तरह से मौखिक उपचार कम लागत के साथ उपलब्ध हैं और यह बेहतर स्वास्थ्य परिणाम प्रदान करती है।

यह अध्ययन आईसीएमआर-राष्ट्रीय तपेदिक अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर-एनआईआरटी) द्वारा किया गया। इसमें राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) के अंतर्गत उपयोग किए जा रहे बेडाक्विलाइन युक्त वर्तमान कम अवधि (9-11 महीने) और लंबी अवधि (18-20 महीने) के उपचार रेजिमेन की तुलना में बेडाक्विलाइन-आधारित उपचार रेजिमेन—बीपीएएल (बेडाक्विलाइन, प्रेटोमैनिड और लाइनज़ोलिड) और बीपीएएलएम (मोक्सीफ्लोक्सासिन के साथ)—की लागत-प्रभावशीलता का आकलन किया गया।

विश्लेषण के अनुसार बीपीएएल उपचार पद्धति अधिक प्रभावी और लागत-बचत वाली है। प्रत्येक अतिरिक्त गुणवत्ता समायोजित जीवन वर्ष (क्यूएएलवाई) के लिए, स्वास्थ्य प्रणाली मानक उपचार पद्धति की तुलना में प्रति रोगी 379 रुपये कम खर्च करती है, जो कम लागत पर बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को दर्शाता है। बीपीएएलएम उपचार पद्धति भी अत्यधिक लागत-प्रभावी पाई गई, जिसमें मानक उपचार पद्धति की तुलना में प्रति अतिरिक्त क्यूएएलवाई प्राप्त करने पर प्रति रोगी केवल 37 रुपये का अतिरिक्त व्यय होता है। दोनों उपचार पद्धतियों में दवाओं, अस्पताल जाना और अनुवर्ती देखभाल सहित समग्र स्वास्थ्य देखभाल लागत कम या तुलनीय पाई गई।

बहु-दवा प्रतिरोधी/रिड्यूस्ड तपेदिक (एमडीआर/आरआर तपेदिक) के इलाज में लंबी अवधि, प्रतिकूल प्रभाव और अधिक लागत जैसी महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं। कम अवधि की मौखिक दवाइयों से उपचार के प्रति रोगियों की प्रतिबद्धता में सुधार हो सकता है, रुग्णता कम हो सकती है और वे सामान्य जीवन में जल्दी लौट सकते हैं, साथ ही स्वास्थ्य प्रणाली पर बोझ भी कम हो सकता है।

पीडीयूएनएएसएस ने दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया पर आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी (पीडीयूएनएएसएस) ने आज दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी), 2016 के तहत कॉरपोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) पर केन्द्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के सदस्यों, सीबीटी की निवेश समिति के सदस्यों और ईपीएफओ के अन्य अधिकारियों के लिए आधे दिन की कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य दिवाला समाधान प्रक्रियाओं और ईपीएफओ से संबंधित कानूनी एवं प्रशासनिक मुद्दों के बारे में संस्थागत समझ को बढ़ाना था।

इस कार्यशाला में केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त (सीपीएफसी) श्री रमेश कृष्णमूर्ति वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे। ईपीएफओ की वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी (एफए एवं सीएओ) सुश्री रोली शुक्ला माल्गे भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से शामिल हुईं। पीडीयूएनएएसएस के निदेशक श्री कुमार रोहित और अतिरिक्त केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त श्री एम.एम. अशरफ भी उपस्थित थे।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री रमेश कृष्णमूर्ति ने ईपीएफओ जैसे वैधानिक निकायों के लिए आईबीसी के अंतर्गत दिवाला समाधान ढांचे की स्पष्ट एवं जानकारीपूर्ण समझ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दिवाला से संबंधित मामलों में समय पर और सुविचारित निर्णय लेना ग्राहकों के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ विकसित हो रहे कानूनी ढांचे का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक है।

श्री कुमार रोहित ने जटिल कानूनी तथा वित्तीय ढांचों से निपटने में ईपीएफओ के नेतृत्व एवं निर्णयकर्ताओं को स्पष्टता, आत्मविश्वास और प्रासंगिक समझ से लैस करने में इस तरह की कार्यशाला की उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया।

इस कार्यशाला में दिवाला समाधान ढांचे और आईबीसी के तहत कानूनी अंतिम निर्णय के साथ-साथ समाधान के बाद वसूली, अपवाद और प्रशासनिक समापन पर केन्द्रित सत्र शामिल थे। इन सत्रों ने न्यासियों और वरिष्ठ अधिकारियों के बीच दिवालियापन से संबंधित जटिल एवं संवेदनशील मुद्दों पर सार्थक विचार-विमर्श तथा ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाया।

यह पहल दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत उत्पन्न होने वाली कानूनी और वित्तीय चुनौतियों से निपटने में ईपीएफओ की संस्थागत तैयारियों को मजबूत करने और क्षमता निर्माण के प्रति पीडीयूएनएएसएस की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

पीडीयूएनएएसएस के बारे में

पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा अकादमी (पीडीयूएनएएस) भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के अधीन कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का सर्वोच्च प्रशिक्षण संस्थान है। वर्ष 1990 में स्थापित, पीडीयूएनएएस सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और परामर्श सेवाएं प्रदान करता है।

असम में मोरन के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर आपातकालीन लैंडिंग सुविधा जल्द

नई दिल्ली। असम में 14 फरवरी 2026 को एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल होने वाली है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी डिब्रूगढ़ जिले के मोरान बाईपास पर 14 फरवरी को आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) का उद्घाटन करेंगे और इसे राष्ट्र को समर्पित करेंगे। यह पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली सुविधा (ईएलएफ) होगी। यह सुविधा राजमार्ग के एक चिन्हित हिस्से को आपात स्थिति में वैकल्पिक रनवे के रूप में उपलब्ध कराएगी, जो लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों के आपातकालीन लैंडिंग और टेक-ऑफ संचालन में सक्षम होगा। यह दूरस्थ क्षेत्रों में मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) अभियानों के दौरान भी महत्वपूर्ण साबित होगा। असम में इस सुविधा के उद्घाटन का यह अवसर राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस अवसर पर प्रधानमंत्री, असम के राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिक और सेना से जुड़े गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहेंगे।

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने अन्वेषण लाइसेंस ब्लॉकों के दूसरे चरण का शुभारंभ किया

- संरचित एवं पारदर्शी अन्वेषण मॉडल विकसित भारत 2047 के लिए कुंजी: जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी ने आज नई दिल्ली में अन्वेषण लाइसेंस ब्लॉकों की नीलामी के दूसरे चरण का शुभारंभ किया, जो देश में खनिज अन्वेषण पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूती प्रदान करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने घरेलू अन्वेषण में तेजी लाकर एवं सरकारी एजेंसियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी को प्रोत्साहित करके खनिज आयात पर भारत की निर्भरता में कमी लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार देश की अप्रयुक्त खनिज क्षमता को उजागर करने के लिए एक संरचित, पारदर्शी एवं प्रौद्योगिकी-आधारित अन्वेषण संरचना तैयार करने के लिए

प्रतिबद्ध है।

महत्वपूर्ण खनिजों के रणनीतिक महत्व पर बल देते हुए, श्री रेड्डी ने कहा कि एक मजबूत और कुशल अन्वेषण प्रणाली, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति एवं खनिज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। श्री रेड्डी ने आगे कहा कि भारत सरकार विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सभी क्षेत्रों में सुधार कर रही है। उन्होंने कहा कि ये केवल सुधार नहीं हैं बल्कि द्रुतगामी सुधार हैं। उन्होंने यह भी कहा कि खनन क्षेत्र में पारदर्शिता, दक्षता एवं निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से परिवर्तनकारी बदलाव दिखाई दे रहे हैं।

इस कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के नेक्स्ट-जेनरेशन (एनजी) पोर्टल का भी शुभारंभ किया जो कि एक क्लाउड-सक्षम प्लेटफॉर्म है और डेटा अधिग्रहण, विश्लेषण, विजुअलाइज़ेशन एवं प्रसार को एकीकृत करता है। एआई/एमएल आधारित उपकरणों से सुसज्जित तथा राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा भंडार (एनजीडीआर) के साथ अंतर-संचालित इस पोर्टल से खनिज अन्वेषण में पारदर्शिता, दक्षता एवं डेटा-आधारित निर्णय लेने की क्षमता को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण के शुभारंभ एवं रोडशो में खान मंत्रालय के सचिव श्री पीयूष गोयल और खान मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री संजय लोहिया भी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री 13 फरवरी को सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 तथा कर्तव्य भवन-2 का उद्घाटन करेंगे

- इस उद्घाटन से देश की प्रशासनिक संरचना में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा
- सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और मंत्रिमंडल सचिवालय स्थित हैं
- कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 में वित्त, रक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, शिक्षा आदि कई प्रमुख मंत्रालय स्थित हैं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 13 फरवरी, 2026 को दोपहर लगभग 1:30 बजे सेवा तीर्थ भवन परिसर के नामकरण का अनावरण करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 तथा कर्तव्य भवन-2 का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री शाम लगभग 6 बजे सेवा तीर्थ में एक जनसभा को संबोधित भी करेंगे।

यह उद्घाटन देश की प्रशासनिक शासन संरचना में एक परिवर्तनकारी मील का पत्थर है। यह आधुनिक, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित शासन प्रणाली के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

दशकों से, कई प्रमुख सरकारी कार्यालय और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा क्षेत्र में कई स्थानों पर फैले हुए खंडित और पुरानी अवसंरचनाओं से कार्य करते रहे। प्रमुख कार्यालयों के इस फैलाव के कारण परिचालन में अक्षमताएं, समन्वय संबंधी चुनौतियां, रखरखाव की बढ़ती लागत और काम करने के लिए अनुपयुक्त वातावरण जैसी समस्याएं उत्पन्न हुईं। आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं से युक्त नए भवन परिसर के भीतर प्रशासनिक कार्यों को समेकित करके इन समस्याओं से अब मुक्ति मिल जाएगा।

सेवा तीर्थ में प्रधानमंत्री कार्यालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और कैबिनेट सचिवालय स्थित हैं, जो पहले अलग-अलग स्थानों पर स्थित थे।

कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 में वित्त मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, विधि एवं न्याय मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय और जनजातीय कार्य मंत्रालय सहित कई प्रमुख मंत्रालय स्थित हैं।

दोनों भवन परिसरों में डिजिटल रूप से एकीकृत कार्यालय, सुव्यवस्थित सार्वजनिक संपर्क क्षेत्र और केंद्रीकृत स्वागत सुविधाएं मौजूद हैं। ये सुविधाएं सहयोग, दक्षता, सुचारू संचालन, नागरिकों की बेहतर भागीदारी और कर्मचारियों के कल्याण को बढ़ावा देंगी। 4-स्टार जीआरआईएचए मानकों के अनुसार डिज़ाइन किए गए इन परिसरों में नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां, जल संरक्षण उपाय, अपशिष्ट प्रबंधन समाधान और उच्च-प्रदर्शन वाली भवन संरचनाएं शामिल हैं। इन उपायों से परिचालन दक्षता बढ़ेगी और पर्यावरणीय प्रभाव को काफी हद तक कम किया जाएगा। भवन परिसरों में स्मार्ट एक्सेस कंट्रोल सिस्टम, निगरानी नेटवर्क और उन्नत आपातकालीन प्रतिक्रिया अवसंरचना जैसी व्यापक सुरक्षा व्यवस्थाएं भी शामिल हैं, जिनसे अधिकारियों और आगंतुकों के लिए एक सुरक्षित और सुलभ वातावरण सुनिश्चित होगा।

बिलासपुर, कोरिया एवं सारंगढ़-बिलाईगढ़ में संशोधित गाइडलाइन दरें आज से लागू

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ में 20 नवम्बर 2025 से नवीन गाइडलाइन दरें लागू हैं। राज्य शासन द्वारा जिला मूल्यांकन समितियों को यह निर्देश दिया गया था कि आवश्यकता के अनुसार गाइडलाइन दरों में पुनरीक्षण के प्रस्ताव केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जा सकते हैं।इसी क्रम में बिलासपुर, कोरिया एवं सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिलों की जिला मूल्यांकन समितियों से संशोधित गाइडलाइन दरों के प्रस्ताव प्राप्त हुए। इन प्रस्तावों पर विचार हेतु उप महानिरीक्षक पंजीयन की अध्यक्षता में केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में तीनों जिलों से प्राप्त प्रस्तावों का विस्तृत परीक्षण एवं समग्र समीक्षा की गई।विचार–विमर्श उपरांत केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड द्वारा बिलासपुर, कोरिया एवं सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिलों की संशोधित गाइडलाइन दरों के प्रस्तावों को अनुमोदित किया गया है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित नवीन गाइडलाइन दरें इन तीनों जिलों में दिनांक 13 फरवरी 2026 से प्रभावशील होंगी।

आम नागरिक एवं संबंधित हितधारक नवीन गाइडलाइन दरों की जानकारी संबंधित जिला पंजीयन कार्यालयों तथा विभाग की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। अन्य जिलों से प्राप्त होने वाले संशोधित प्रस्तावों पर परीक्षण उपरांत गाइडलाइन दरें चरणबद्ध रूप से जारी की जाएंगी।

माता मावली मेले में विकास की सौगात... 2.36 करोड़ से अधिक के कार्यों का हुआ भूमिपूजन और लोकार्पण

मेला स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का सशक्त माध्यम : केदार कश्यप

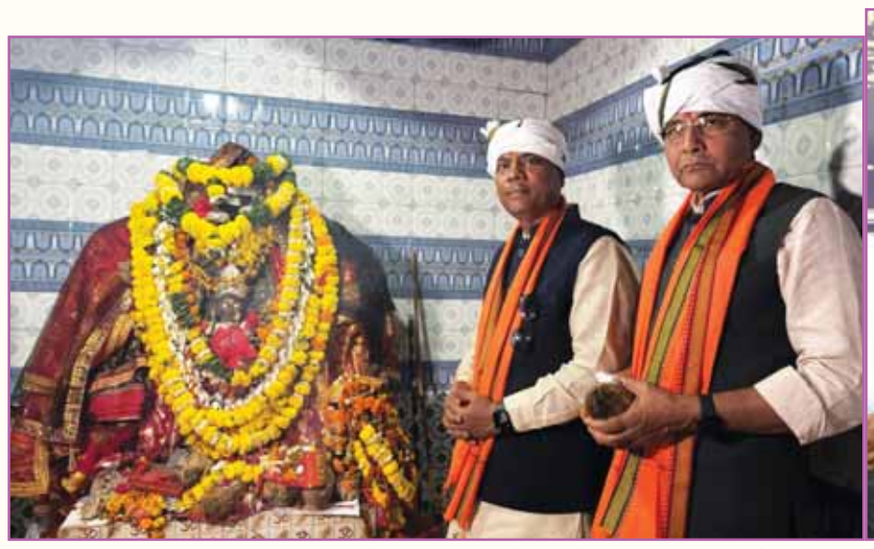

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नारायणपुर में आयोजित ऐतिहासिक माता मावली मेले में छत्तीसगढ़ शासन के वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप तथा राजस्व एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने माता मावली की पूजा–अर्चना कर प्रदेशवासियों, विशेषकर जिलेवासियों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मावली माता के आशीर्वाद से बस्तर की समृद्ध लोकसंस्कृति और परंपराएं सदैव अक्षुण्ण रहें। उन्होंने कहा कि नारायणपुर का यह मेला सामाजिक समरसता, लोककला और परंपरा का जीवंत संगम है, जहां दूर–दूर से लोग पहुंचकर बस्तर की संस्कृति से रूबरू होते हैं। उन्होंने सभी को मेले में शामिल होकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लेने का आग्रह किया।

मंत्री द्वय ने मेले में लगे विभिन्न दुकानों एवं विभागीय स्टॉलों का अवलोकन किया तथा स्थानीय उत्पादों और पूजा सामग्री की खरीदारी भी की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर कुल 1 करोड़ 76 लाख 59 हजार रुपये के कार्यों का भूमिपूजन तथा 59 लाख 51 हजार रुपये के कार्यों का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप 10 प्राथमिक शाला भवनों के निर्माण हेतु भूमिपूजन किया गया, जिनकी स्वीकृत राशि 1 करोड़ 41 लाख 60 हजार रुपये है। इसके अलावा जनपद पंचायत ओरछा के ग्राम कुतुल एवं जाटलूर में दो–दो बाजार शेड निर्माण के लिए 34 लाख 99 हजार रुपये स्वीकृत किए गए।

जनपद पंचायत नारायणपुर अंतर्गत बागडोंगरी, पालकी और महिमागवाड़ी में 59 लाख 51 हजार रुपये की लागत से निर्मित खाद्यान्न भवनों का लोकार्पण किया गया। साथ ही नेलवाड़ और खोड़गांव में 100–100 मैट्रिक टन क्षमता के गोदामों का भी लोकार्पण किया गया।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, कलेक्टर नम्रता जैन, पुलिस अधीक्षक सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

100 ग्राम पंचायत सचिवों का वेतन रोका गया

रायपुर प्रतिदिन (राजधानी)। जिला पंचायत गरियाबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर ने ग्राम पंचायतों में संचालित शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लेटलतीफी के कारण जनपद पंचायत मैनपुर के 57 एवं जनपद पंचायत देवभोग के सभी 43 ग्राम पंचायत सचिवों का जनवरी माह का वेतन रोकने की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा जिले की ग्राम पंचायतों में संचालित शासन की प्रधानमंत्री आवास योजना, समर्थ पोर्टल, ग्राम संपदा, 15वां वित्त आयोग तथा अन्य विकासमूलक योजनाओं की नियमित समीक्षा एवं ग्राम पंचायतों के निरीक्षण तथा जनपद पंचायत स्तर पर ग्राम पंचायत सचिवों की समीक्षा बैठक आयोजित कर ग्राम पंचायतों को निर्माण एवं विकास कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए गए थे।

रेलवे फाटक 12 दिनों के लिए बंद

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के अंतर्गत कुम्हारी से भिलाई किमी. 842/8–10 (कुम्हारी से भिलाई की ओर) स्थित मानव सहित समपार संख्या – 430 कुगदा फाटक में बेहतर सड़क आवागमन सुविधा हेतु रोड अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है 7 इसके फलस्वरूप यह समपार फाटक दिनांक 15.02.2026 से दिनांक 26.02.2026 तक 12 दिनों के तक सड़क यातायात के लिए पूर्णतः बंद रहेगा ।

वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में उक्त समपार फाटक के निकट रायपुर की ओर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी पर समपार फाटक क्र. 429 (परसदा गेट) स्थित है एवं दुर्ग की ओर लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी पर समपार फाटक क्र. 436 (उरला गेट) पर अंडरब्रिज निर्मित है तथा उसका उपयोग आवागमन हेतु किया जा रहा है। इसलिए समपार फाटक संख्या 430 के आस–पास से आवगमन करने वाले लोगों को असुविधा नहीं होगी ।

रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है।

जोन क्रमांक 10 की बड़ी कार्रवाई

6 बड़े बकायादारों की संपत्तियां सील वीआईपी रोड स्थित कैफे पर भी ताला

जतिन नचरानी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर निगम रायपुर के जोन क्रमांक 10 के राजस्व विभाग ने आज बकाया कर वसूली को लेकर बड़ी कार्रवाई करते हुए 6 बड़े बकायादारों की संपत्तियों को सीलबंद किया। लंबे समय से कर राशि जमा नहीं करने वाले बकायादारों के विरुद्ध यह कार्रवाई की गई।

कार्रवाई के दौरान वीआईपी रोड स्थित 'द लविंग रूम कैफे' में भी ताला जड़ा गया। निगम प्रशासन द्वारा पूर्व में नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने के निर्देश दिए गए थे, किन्तु निर्धारित समयावधि में भुगतान नहीं किए जाने पर सीलबंदी की कार्रवाई की गई।

इस अभियान का नेतृत्व जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे ने किया। उनके साथ सहायक राजस्व अधिकारी गौरी शंकर साहू, राजस्व निरीक्षक नरेंद्र सोनी, सहायक राजस्व निरीक्षक मोहीब खान तथा समस्त एआरआई की टीम उपस्थित रही।

नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बकाया कर जमा नहीं करने वाले अन्य बकायादारों के विरुद्ध भी इसी प्रकार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे समय पर कर का भुगतान कर दंडात्मक कार्रवाई से बचें।

स. क्र.	वार्ड का नाम/क्रमांक	GIS ID	कार्यवाही की गई संपत्ति का विवरण	राशि	रिमार्क
01	पं.विद्याचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 50	RPR446 S00731	ज्योति केशवानी / केवलराम केशवानी	7923831/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
02	बाबू जगजीवनराम वार्ड क्रमांक 53	RPR651 O00099	भरत कुमार श्रिथवानी	107056/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
03	बाबू जगजीवनराम वार्ड क्रमांक 53	RPR651 O00100	किशोर कुमार श्रिथवानी	111195/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
04	बाबू जगजीवनराम वार्ड क्रमांक 53	RPR651 M00040		3994684/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
05	बाबू जगजीवनराम वार्ड क्रमांक 53	RPR651 M00039		266768/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
06	ले. अरविंद दिक्षित वार्ड क्रमांक 56	RPR446 A00358	रेखा लाल/एल.के. लाल	91890/	सीलबंदी की कार्यवाही की गई।
	कुल			12590650/	

होली से पहले कवर्धा के गन्ना किसानों को बड़ी सौगात

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से 4.73 करोड़ रुपये जारी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

होली पर्व से पूर्व कवर्धा के गन्ना किसानों के लिए बड़ी राहत और खुशखबरी सामने आई है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष प्रयासों से भोरमदेव सहकारी शक्कर उत्पादक कारखाना मर्यादित, राम्हेपुर (कवर्धा) द्वारा गन्ना किसानों के लिए 4.73 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है। अब तक कुल 14,518 गन्ना किसानों को 51.51 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। नियमित एवं समयबद्ध भुगतान की इस प्रक्रिया से किसानों को आर्थिक संबल मिला है, जिससे वे आगामी कृषि कार्यों की तैयारी सुचारु रूप से कर पा रहे हैं। कलेक्टर एवं कारखाने के प्राधिकृत अधिकारी श्री गोपाल वर्मा के मार्गदर्शन में भुगतान प्रक्रिया निरंतर जारी है। उनके निर्देशन में कारखाना प्रबंधन द्वारा किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी एवं त्वरित भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे सहकारी व्यवस्था में किसानों का विश्वास और अधिक सुदृढ़ हुआ है।

कारखाना प्रबंधन ने बताया कि चालू पेराई सत्र में अब तक 2,42,990 मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की जा चुकी है तथा 2,86,743 क्विंटल शक्कर का उत्पादन किया गया है। यह उपलब्धि किसानों के सतत सहयोग, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और कारखाने की बेहतर कार्यक्षमता का संयुक्त परिणाम है। गौरतलब है कि होली जैसे प्रमुख त्योहार से पूर्व भुगतान की पहल से किसानों को बड़ी राहत मिली है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा। जिला प्रशासन एवं कारखाना प्रबंधन ने किसानों के हित में इसी प्रकार निरंतर कार्य करते रहने का विश्वास दिलाया है।

भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना प्रबंधन ने शेयरधारक सदस्य किसानों एवं गैर–सदस्य गन्ना उत्पादकों से सर्वे के अनुरूप अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित करने की अपील की है। प्रबंधन ने इसे सहकारिता को मजबूत करने और किसानों के भविष्य को सुरक्षित करने का साझा अवसर बताया है। विगत पेराई सत्र 2024–25 एवं वर्तमान पेराई सत्र 2025–26 में सर्वे अनुमान के अनुरूप गन्ना आपूर्ति नहीं हो पाने के कारण कारखाने की पेराई क्षमता का पूर्ण उपयोग नहीं हो सका, जिससे पेराई अवधि प्रभावित हुई। उन्होंने बताया कि पर्याप्त गन्ना आपूर्ति होने से पेराई अवधि बढ़ेगी, उत्पादन में वृद्धि होगी और किसानों को आगे भी समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कारखाना प्रबंधन ने कारखाने की पंजीकृत उपविधियों के अंतर्गत जानकारी देते हुए बताया कि उपविधि धारा 07(02)(घ) के अंतर्गत सदस्य किसानों के लिए अपने उत्पादित गन्ने की आपूर्ति कारखाने में करना अनिवार्य है। वहीं उपविधि धारा 09(क)(05) में यह प्रावधान है कि यदि कोई सदस्य लगातार सर्वे के अनुसार गन्ना आपूर्ति नहीं करता है, तो उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि सहकारी संस्था की निरंतरता और किसानों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना है।

किसानों के हित में सतत प्रयास

कारखाना प्रबंधन ने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना अपनी स्थापना से ही क्षेत्र के गन्ना किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति का सशक्त माध्यम रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के प्रयासों, जिला प्रशासन के मार्गदर्शन और किसानों के सहयोग से कारखाना निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। कारखाना द्वारा एफआरपी के अतिरिक्त रिकवरी की राशि, शासन द्वारा जारी बोनस राशि का भी भुगतान किया जाता है। शक्कर कारखाना द्वारा किसानों को शासन के सहयोग से रियायती दर पर शक्कर वितरण भी किया जाता है। गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों के लिए उन्नत बीज उपलब्ध कराया जाता है,गन्ना किसानों को गन्ना संस्थानों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाता है।

जल बोर्ड , जोन टीम और पार्षदों के साथ महापौर मीनल पहुँची चंगोराभाठा

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

चंगोराभाठा पानी टंकी क्षमता 32 लाख लीटर से दो वार्ड डॉ. खूबचंद बघेल एवं भक्त माता कर्मा वार्ड को पानी दें : महापौर

नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि चंगोराभाठा पानी टंकी 32 लाख लीटर क्षमता से दो वार्ड डॉ खूबचंद बघेल वार्ड और भक्त माता कर्मा वार्ड में पानी दें और रायपुरा पानी टंकी से माधव राव सप्रे वार्ड में पानी दें. महापौर ने वार्ड पार्षद दुर्गा यादराम साहू, महेन्द्र औसर जोन 5, जोन 8 अधिकारियों, नगर निगम जल बोर्ड के अधिकारियों की उपस्थिति में चंगोराभाठा जलागार का प्रत्यक्ष अवलोकन किया.

महापौर ने रायपुर नगर निगम में नवगठित जल बोर्ड के अधिकारीगण रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र में जोनो की जल विभाग की टीमो को लेकर घूमे एवं नगर निगम क्षेत्र के सभी जलागारो टंकियों के कमांड एरिया की वास्तविक जानकारी लें और टंकी जलागार के उस कमांड एरिया क्षेत्र से

पेयजल आपूर्ति नागरिको को करने की व्यवस्था करवाये, ताकि आने वाली गर्मी के मौसम में नागरिको को पेयजल आपूर्ति सुगमता से सतत हो और जल संकट का सामना अनावश्यक रूप से ना करना पड़े। उक्ताशय के निर्देश आज महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम अधिकारियों को दिये। महापौर ने कहा कि कमांड एरिया क्षेत्र के तहत डिस्ट्रीब्यूशन पाईप लाईन प्रणाली को शीघ्र सुव्यवस्थित किया जाये।

वर्तमान में चंगोराभाठा में 32 लाख लीटर क्षमता के जलागार से डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड, भक्त माता कर्मा वार्ड सहित माधव राव सप्रे वार्ड रायपुरा में जलापूर्ति की जा रही है। किंतु रायपुरा में चंगोराभाठा जलागार से सतत निरन्तर जलापूर्ति में तकनीकी समस्या का व्यवहारिक सामना करना पड़ रहा है। इस व्यवहारिक जानकारी पर महापौर मीनल चौबे ने नगर निगम जल बोर्ड के अधिकारी अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, कार्यपालन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर, उपअभियंता रमेश पटेल को जोन 5 कमिश्नर खीरसागर नायक, जोन 8 कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, कार्यपालन अभियंता लाल महेन्द्र प्रताप सिंह, उपअभियंता टिकेन्द्र चंद्राकर सहित माधवराव सप्रे वार्ड पार्षद महेन्द्र औसर के साथ कमांड एरिया डिस्ट्रीब्यूशन लाईन का तकनीकी सर्वे कर रायपुरा पानी टंकी कमांड एरिया से रायपुरा क्षेत्र माधव राव सप्रे वार्ड को जलापूर्ति व्यवस्थित रूप से करना आवश्यक पाईप लाईन इंटर कनेक्शन करवाकर सुनिश्चित करने के निर्देश दिये है ताकि चंगोराभाठा क्षेत्र के 2 वार्ड डॉ खूबचंद बघेल और भक्त माता कर्मा वार्ड क्षेत्र के रहवासियों और रायपुरा क्षेत्र के माधव राव सप्रे वार्ड क्षेत्र के रहवासियों को गर्मी में पानी की सतत निरन्तर आपूर्ति हो और जलसंकट का सामना ना करना पडे। चंगोराभाठा जलागार के प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान महापौर मीनल चौबे के साथ डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड की पार्षद दुर्गा यादराम साहू की उपस्थिति रही।

महापौर मीनल चौबे ने गर्मी में सतत सुगम जलापूर्ति नागरिको को राजधानी शहर में करने नगर निगम जलबोर्ड के अधिकारियों को संबंधित जोनो के अधिकारियों के साथ नगर निगम क्षेत्र की सभी 45 टंकियों, जलागारो के कमांड एरिया डिस्ट्रीब्यूशन लाईन की वास्तविक जानकारी लेकर निरीक्षण कर जहां टंकी के कमांड एरिया से दूसरे वार्डो में जलापूर्ति में तकनीकी समस्या आ रही हो उसका पाईप लाईन इंटर कनेक्शन कर तकनीकी समाधान त्वरित रूप से गर्मी के पूर्व करने निर्देशित किया है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक–शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक–हरीश नचरानी, मो.–9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.–6262904444